आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

17.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.18 | सूर्यास्त 05.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष तृतीया 01:19 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 334, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

स्पाइसजेट विमान में तकनीकी खराबी दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली। तकनीकी खराबी के कारण पटना जाने वाला स्पाइसजेट का एक विमान गुरुवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि विमान ने सामान्य लैंडिंग की और यात्रियों को सामान्य रूप से उतार लिया गया। विमान में सवार यात्रियों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। विमानन कंपनी ने कहा, 23 अक्टूबर 2025 को दिल्ली से पटना जा रही स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 497 तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के बाद दिल्ली लौट आई। यात्रियों को ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई, जो अब पटना के लिए रवाना हो चुका है।

52 दवा नमूने 'मानक गुणवत्ता रहित' पाए

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने सितंबर के लिए जारी अपने दवा संबंधी मासिक अलर्ट में विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित 52 नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। इसके अलावा, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 60 दवा नमूनों की पहचान की है जो 'मानक गुणवत्ता के नहीं' थे। नकली दवाओं की सूची मासिक आधार पर सीडीएससीओ पोर्टल पर प्रदर्शित की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, सितंबर 2025 के लिए, केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 52 दवा नमूनों और राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 60 दवा नमूनों की पहचान की है जो 'मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं हैं।

बायोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल हादसों से निपटेगा विशेष दस्ता : योगी

अग्निशमन विभाग की समीक्षा में 98 राजपत्रित व 922 अराजपत्रित नए पदों को दी मंजूरी

- मुख्यमंत्री ने कहा- प्रत्येक क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड यूनिट व एक्सप्रेस-वे के हर 100 किमी पर होगी छोटी फायर चौकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अग्निशमन व आपात सेवा विभाग में पदों के सृजन व अभियोजन संवर्गीय अधिकारियों के कैडर रिव्यू के संबंध में बैठक करते मुख्यमंत्री योग।

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल हादसों और सुपर हाईराइज बिल्डिंग से अग्निकांड से निपटने के लिए को प्रत्येक क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड यूनिट बनेगी। साथ ही एक्सप्रेस-वे के हर 100 किमी पर छोटी फायर चौकी खुलेगी। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन विभाग की संरचना को समय की जरूरत के अनुरूप पुनर्गठित करने के निर्देश देते हुए 98 राजपत्रित व 922 अराजपत्रित नए पदों की मंजूरी भी दी है।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर गुरुवार सुबह अग्निशमन विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश की बढ़ती जनसंख्या, तेज औद्योगिक विस्तार और तीव्र शहरीकरण को देखते हुए फायर सर्विस को केवल आग बुझाने वाली एजेंसी न मानकर इसे आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपातकालीन सेवाओं के समेकित तंत्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं और सुपर हाईराइज बिल्डिंग्स में होने वाली आपदाओं से निपटने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, उन्नत फायर टेंडर और प्रशिक्षित जनशक्ति से लैस फायर सर्विस ही जनसुरक्षा की गारंटी दे सकती है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर फायर सर्विस विभाग में 98 राजपत्रित व लगभग 922 अराजपत्रित नए पदों के सृजन का रास्ता साफ हो गया है। इससे विभाग की प्रशासनिक क्षमता, जवाबदेही और फील्ड लेवल पर कार्यकुशलता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा और आपात राहत के लिए हर एक्सप्रेस-वे पर हर 100 किलोमीटर की दूरी पर छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए। इससे दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन ऑवर के भीतर राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है, फायर सर्विस की प्रतिक्रिया हर हाल में तेज, कुशल और परिणामदायक होनी चाहिए।

हर जिले में हो अकाउंट कैडर की स्थापना

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में अकाउंट कैडर की स्थापना की जाए, ताकि वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में भी नए पद सृजित करने के निर्देश दिए, जिससे प्रशिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार हो। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस की नई इकाइयों को हाईटेक कम्युनिकेशन सिस्टम और डिजिटल रिपोर्टिंग तंत्र से जोड़ा जाए।

समयबद्ध पूरा करें विभाग का पुनर्गठन

बैठक में बताया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर फायर सर्विस की जनशक्ति पहले से ही तैनात की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विभाग का पुनर्गठन समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि जनता को इसका लाभ जल्द मिल सके।

एक वोट हटवाने की कीमत 80 रुपये : एसआईटी

- कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 2023 में वोट हटाने के हुए थे प्रयास, 6 संदिग्धों पर शिकंजा

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में 2023 के विधानसभा चुनावों में वोट चोरी के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी ने पाया कि वोट हटाने (डिलीट) के प्रयास किए गए थे। एसआईटी ने इसमें लिप्त छह संदिग्धों पर शिकंजा कसा है। अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि प्रत्येक वोट को सफलतापूर्वक हटाने के लिए आरोपियों को 80 रुपये दिए जाते थे। कुल 6,994 वोट हटाने के अनुरोध किए गए थे, लेकिन कुछ वास्तविक मामलों को छोड़कर शेष सभी आवेदन फर्जी थे।

कलबुर्गी में आने वाला आलंद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह जिला है और कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल इस विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। पाटिल और खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने ही वोट हटाने की कोशिशों का पर्दाफाश किया था और कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस संबंध में अवगत कराया था। पाटिल के अनुसार, दलितों और अल्पसंख्यकों सहित कुल 6,994 'कांग्रेस वोट' हटाने के लिए आवेदन दिए गए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बाद यह प्रक्रिया रोक दी गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल में संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में अपनी बात रखी थी कि वोट चोरी कैसे हो रही है और उन्होंने आलंद का उदाहरण दिया था। पाटिल ने कहा कि अगर ये वोट हटा दिए जाते, तो वह निश्चित रूप से चुनाव हार जाते। उन्होंने 2023 का विधानसभा चुनाव अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुभाष गुट्टेदार (भाजपा) से 10,000 मतों के अंतर से जीता था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कर्नाटक सरकार ने वोट चोरी की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, जिसका नेतृत्व सीआईडी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कर रहे हैं। खुलासे पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री प्रियंक खरगे ने एक्स पर कहा, आलंद में केवल 80 रुपये में मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। एसआईटी के निष्कर्ष इस बात की पुष्टि करते हैं।

वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का किया इस्तेमाल

सीआईडी सूत्रों के अनुसार, छह संदिग्ध एक डेटा सेंटर से जुड़े थे और उन्होंने वोट हटाने के लिए वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का इस्तेमाल किया था। वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल एक तकनीक है, जिससे इंटरनेट के जरिए फोन कॉल की जा सकती हैं और प्राप्त की जा सकती हैं, यानी- पारंपरिक फोन लाइनों के बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल करके कॉल करना। एसआईटी ने संदिग्धों से जुड़े ठिकानों पर छापे मारे। इस बीच, एसआईटी को सुभाष गुट्टेदार के घर के पास मतदाताओं के जले हुए रिकॉर्ड भी मिले हैं।

बरेली बवाल के आरोपी तौकीर रजा के करीबी नफीस व उनकी पत्नी पर मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- वक्फ बोर्ड की जमीन में खेल करने का आरोप

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के इशारे पर शहर में बवाल कराने की साजिश रचने के आरोप में जेल में बंद नफीस पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। नफीस ने पत्नी संग मिलकर वक्फ बोर्ड की जमीन में खेल किया है। मामले में पीड़ित ने एसएसपी अनुराग आर्य से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने डॉ. नफीस व उनकी पत्नी फरहत बेगम के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है।

किला थाना क्षेत्र के मोहल्ला साहूकारा निकट राजो वाली मस्जिद निवासी मोहम्मद कमर अख्तर ने बताया कि उनकी दादी नन्हो कुजड़ी ने बमनपुरी स्थित वक्फ संख्या 26 ए में करीब 95 वर्ग गज जमीन पर मकान बनाया था। साथ ही नीचे पांच दुकानें बनी हुई थीं। इसमें से वह एक दुकान में खुद सब्जी की दुकान कर जीवन यापन करती थीं। उन्हें कोई संतान नहीं थी। कमर अख्तर के दादा साबिर हुसैन की सब्जी की दुकान कुतुबखाना सब्जी मंडी पर थी। इस कारण नन्हो का उनके दादा की दुकान पर आना-जाना था। नन्हो ने साबिर हुसैन को अपना मुंह बोला भाई मान लिया था। नन्हो ने निधन से पहले वक्फ संख्या 26 ए वाली संपत्ति को उसके दादा साबिर हुसैन और उनके तीनों बेटों साकिर हुसैन, जाकिर हुसैन और नासिर हुसैन के नाम वसीयत कर दी थी। आरोप है कि उसके पिता साकिर हुसैन का नफीस की कुतुबखाना स्थित चश्मे की दुकान पर आना-जाना था। आरोप है कि नफीस ने उसके पिता को विश्वास में लेकर वक्फ संख्या 26ए वाली संपत्ति को वर्ष 1996 में 30 साल (जिसका समय जून 2026 में पूरा हो रहा है) के लिए अपनी पत्नी फरहत बेगम के नाम लीज पर ले ली। वर्ष 2022 में उसके पिता का निधन हो गया। इसके बाद नफीस और उनकी पत्नी फरहत ने धोखाधड़ी कर फर्जी कागजात तैयार कर वक्फ संख्या 26 ए की संपत्ति को अपने दोनों बेटों नौमान खान और फरहान खान के नाम गिफ्ट डीड बनवा ली। इस पर अभी भी काबिज हैं। कमर की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ईवी नीति में जारी रहेगी रोड व पंजीकरण शुल्क माफी

लखनऊः इलेक्ट्रिक वाहन(ईवी) खरीदने वालों को योगी सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति–2022 में बड़ा संशोधन करते हुए रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क माफी जारी रखने का फैसला किया है। इससे ई-बसों व ई-गुड्स कैरियर्स को भी लाभ मिलेगा।

सरकार औद्योगिक विभाग के प्रस्ताव पर एग्रीगेटर और लाइट ऑपरेटरों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की अधिसूचना पर राज्यपाल ने मुहर लगा दी है। यह निर्णय हरित ऊर्जा आधारित परिवहन को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया गया है। शासनादेश संख्या 73/2025 के तहत जारी अधिसूचना को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सीजेआई के रूप में नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत को भारत के अगले प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) की नियुक्ति की प्रक्रिया गुरुवार को शुरू कर दी। वर्तमान प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत न्यायमूर्ति गवई के बाद शीर्ष कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं । हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी 1962 को जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 मई 2019 को शीर्ष कोर्ट के न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश को मंजूरी मिलने के बाद वह 24 नवंबर को प्रधान न्यायाधीश का कार्यभार ग्रहण करेंगे और नौ फरवरी 2027 तक लगभग 15 महीने के लिए इस पद पर रहेंगे।

बैंक खाताधारक 1 नवंबर से बना सकेंगे चार नॉमिनी

नई दिल्ली। अब बैंकों के ग्राहक अपने खाते में चार व्यक्तियों तक को नामित (नामिनी) कर सकेंगे। इसका उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में दावों के निपटान की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समान और प्रभावी बनाना है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि नई व्यवस्था एक नवंबर, 2025 से लागू हो जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत खातों में व्यक्तियों के नामांकन से संबंधित प्रमुख प्रावधान अगले माह से प्रभाव में आएंगे। यह अधिनियम 15 अप्रैल, 2025 को अधिसूचित किया गया था। इसके तहत पांच कानूनों में कुल 19 संशोधन किए गए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इन संशोधनों के अनुरूप बैंक ग्राहक अपने खातों में एक साथ चार व्यक्तियों तक को नॉमिनी बना सकते हैं।

बिहार में विपक्ष का गठबंधन नहीं लठबंधन : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने राजद-कांग्रेस पर बोला हमला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बिहार में जंगलराज पर अगले 100 साल तक चर्चा होगी और विपक्ष अपने कुकृत्यों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी।

तेजस्वी यादव को बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बीच राजद-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'गठबंधन' नहीं, बल्कि 'लठबंधन' (अपराधियों का गठबंधन) है क्योंकि दिल्ली और बिहार के इसके सभी नेता जमानत पर बाहर हैं। मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बुजुर्ग लोग युवाओं को जंगलराज के दौरान हुए अत्याचारों के बारे में जानकारी दें। मोदी का इशारा उस समय की ओर था जब बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद सीएम थे। ऑडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'मेरा बूथ सबसे मजबूतः युवा संवाद' कार्यक्रम में कहा कि बिहार में जंगलराज को लोग अगले 100 साल तक नहीं भूलेंगे और विपक्ष अपनी करतूतों को छिपाने की कितनी भी कोशिश कर ले, जनता उसे माफ नहीं करेगी। मैं युवाओं से कहूंगा कि वे हर बूथ पर युवाओं को इकट्ठा कर उस क्षेत्र के बुजुर्गों को बुलाकर जंगलराज की पुरानी कहानियां सबको बताएं।

मोदी बोले- हर क्षेत्र और हर दिशा में हो रहा काम

मोदी ने कहा, बिहार में हर क्षेत्र में, हर दिशा में काम हो रहा है। अस्पताल बन रहे हैं, अच्छे स्कूल स्थापित हो रहे हैं और नए रेल मार्ग विकसित किए जा रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि देश और बिहार में एक स्थिर सरकार है। जब स्थिरता होती है, तो विकास तेज होता है। यही बिहार की राजग सरकार की ताकत भी है। यही कारण है कि बिहार के युवा उत्साह से कह रहे हैं – रफ्तार पकड़ चुका बिहार, फिर से एनडीए सरकार। बिहार चुनाव राज्य के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने के लिए है।

न्यूज ब्रीफ

दो आईएएस अधिकारियों के प्रभार में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ: शासन ने दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को लेकर आदेश जारी किया है। गुरुवार को जारी आदेश में प्रतीक्षारत अर्चना अग्रवाल को अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, अमित गुप्ता को प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग एवं अध्यक्ष, उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रभार से अवमुक्त करते हुए प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग के पद पर यथावत रखा गया है।

टीईटी का विरोध करने दिल्ली जाएंगे शिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ: शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने का विरोध शिक्षक दिल्ली में करेंगे। इसके लिए शिक्षक संगठनों ने 24 नवंबर को दिल्ली कूच का ऐलान किया है। इस विरोध को प्रभावी बनाने और ज्यादा से ज्यादा शिक्षक दिल्ली पहुंचे, इसके लिए 25 अक्टूबर से देश भर में शिक्षकों की बैठकें आयोजित की जाएंगी। अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय सह संयोजक अनिल यादव ने बताया कि शिक्षकों का धरना-प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के आदेश के खिलाफ शिक्षकों को आंदोलन करना पड़ रहा है।

आयुष डॉक्टरों की भर्ती के साक्षात्कार 30 से

अमृत विचार, लखनऊ: राजधानी के सरकारी अस्पतालों में आयुर्वेद डॉक्टरों की तैनाती के लिए 30 अक्टूबर से साक्षात्कार शुरू होंगे, पांच दिन तक चलेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ डॉ.एनबी सिंह ने बताया कि डॉक्टरों की नियुक्ति इंटरव्यू और मेरिट के आधार पर किया जाएगा, नवंबर में परिणाम घोषित कर डॉक्टरों की तैनाती होगी। उन्होंने बताया कि नेशनल हेल्थ मिशन अंतर्गत 21 आयुर्वेद डॉक्टरों की भर्ती होनी है, इन पदों के लिए लगभग 2200 डॉक्टरों ने आवेदन किया था।

बिजली कर्मचारी फिर करेंगे प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ: विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने शुक्रवार को सभी जिलों में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। निजीकरण के साथ ही वर्टिकल सिस्टम का भी विरोध करने का निर्णय संघर्ष समिति ने लिया है। इसे भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघर्ष समिति का आरोप है कि वर्टिकल सिस्टम के नाम पर शहरी क्षेत्रों में पुनर्गठन किया जा रहा है। इससे कर्मचारियों और इंजीनियरों के पदों को घटाया जा रहा है। पहले पदों को घटाया जाएगा। इसके बाद शहरी क्षेत्र को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया जाएगा।

पहला अर्घ्य देकर छठ की शुरुआत करेंगे योगी

मुख्यमंत्री से मिले भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष, 27-28 को छठ महापर्व अवकाश घोषित करने की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 अक्टूबर की शाम 4 बजे सूर्य भगवान को पहला अर्घ्य देकर घाट पर छठ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने गुरुवार को मुख्यमंत्री से भेंट कर तैयारी पर चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि 27 और 28 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए, ताकि श्रद्धालु निर्बाध रूप से छठ मैया की पूजा-अर्चना कर सकें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि प्रदेश में छठ पर्व के सुचारु आयोजन के लिए सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रभुनाथ राय के नेतृत्व में इस वर्ष लखनऊ के गोमती तट स्थित लक्ष्मण मेला मैदान पर 41वां छठ महापर्व भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर घाटों की सफाई, रंगाई-पुताई और मधुबनी पेंटिंग से साज-सज्जा की जा रही है। 25 अक्टूबर को 'नहाय-खाय', 26 अक्टूबर को 'खरना', 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य और 28 अक्टूबर की सुबह अर्घ्य के साथ महापर्व का समापन होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी समेत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

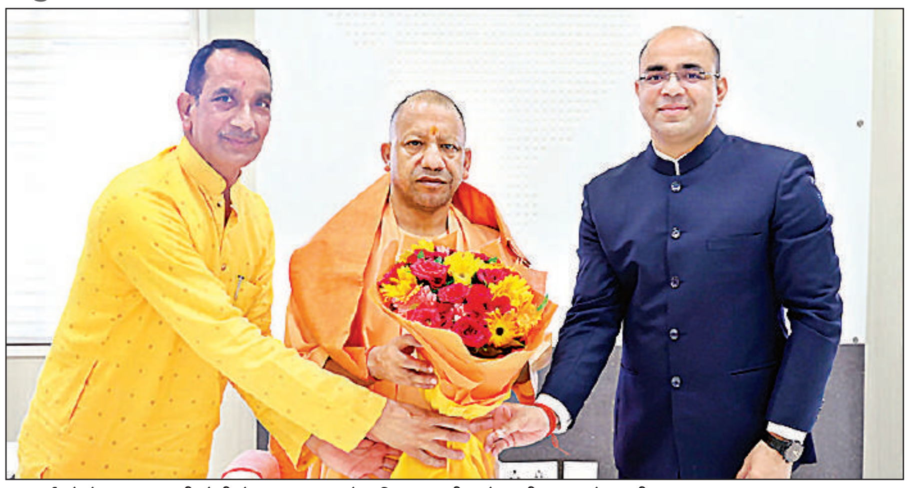

छठ पर्व को लेकर मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करते अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय व अन्य।

200 लोक कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

छठ महापर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सुप्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी (असम), गोपाल राय (बलिया) और सुरेश शुक्ला (मुंबई) सहित लगभग 200 लोक कलाकार लगातार 18 घंटे तक प्रस्तुति देंगे। छठ घाट की व्यवस्था और सजावट में समाज के पदाधिकारी मनोज सिंह, वेद प्रकाश राय, सुनील सिंह, सुरेश कुशवाहा, अम्बरीश राय और अन्य सहयोगी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। भोजपुरी समाज ने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस वर्ष का छठ महापर्व लखनऊ ही नहीं, पूरे प्रदेश में श्रद्धा, आस्था और लोकसंस्कृति का अद्भुत संगम बनेगा।

अखिलेश-मायावती करेंगे बिहार में चुनाव प्रचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बिहार चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा नेत्री मायावती भी प्रचार के घमासान में उतरने को तैयार हैं। ऐसे में उप्र. के दोनों नेताओं की रैलियों से बिहार का राजनीतिक पारा बढ़ सकता है। यूपी चुनाव से पहले भाजपा के मुकाबले मायावती-अखिलेश की बिहार चुनाव में अग्निपरीक्षा है।

दरअसल, यह पहले से तय था कि दिवाली बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती भी बिहार में चुनाव प्रचार कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो 25 अक्टूबर से अखिलेश यादव मिशन बिहार पर होंगे। इसके बाद मायावती 6 नवंबर से बिहार चुनाव में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। दोनों की एंट्री के बाद बिहार का सियासी पारा चढ़ सकता है। सपा मुखिया पीडीए नारे के साथ बिहार में उतरेंगे और तेजस्वी यादव के समर्थन में रैलियों को संबोधित करेंगे।

वहीं, मायावती वहां रामगढ़ और कैमूर सीट के प्रत्याशियों के समर्थन में वोट देने की अपील करेंगी। असल में, बीते दिनों राजधानी में आयोजित रैली में लाखों की भीड़ जुटने के बाद बिहार चुनाव में मायावती की रैलियों की डिमांड की जा रही है। सूत्रों का कहना है पार्टी द्वारा बिहार चुनाव के लिए मायावती की करीब दो दर्जन रैलियों को आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैली से बिहार चुनाव का घमासान और सुर्खियों में है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी जनसभाओं के जरिये जनता से वोट मांगने की धार और पैनी कर दी है। मुख्यमंत्री योगी अपनी जनसभाओं में एनडीए उम्मीदवार को जिताने की अपील करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साध रहे हैं। इस पूरे चुनाव के दौरान योगी 15 से 20 रैली कर सकते हैं।

प्रत्याशियों के प्रचार में जुटे केशव मौर्य

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भाजपा ने बिहार में सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। केशव भी निरंतर वहां अलग-अलग चुनाव क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार में जुटे हैं। गुरुवार को भी उन्होंने बिहार पहुंचकर भोजपुर में जनसभा को संबोधित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने वहां कहा कि तेजस्वी यादव बिहार की जनता से सिर्फ फर्जी वादे कर रहे हैं। अभी बिहार का बजट उतना नहीं है, लेकिन जितना वादा तेजस्वी यादव कर रहे हैं, उतना भारत सरकार का बजट भी छोटा पड़ जाएगा।

लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ पूजा स्थल पर रंगोली बनाते हुए आर्ट कॉलेज के छात्र। अमृत विचार

मंत्री ने परखीं छठ पर्व की तैयारियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने छठ पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हो रही व्यवस्थाओं का जायजा लेने को गुरुवार को लक्ष्मण मेला घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाट पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था और स्वच्छता का प्रतीक है, इसलिए घाटों पर सफाई अभियान विशेष रूप से संचालित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्व के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाट तक जाने वाले सभी मार्गों पर समुचित सफाई, फॉगिंग एवं प्रकाश की व्यवस्था की जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ नगर निगम एवं विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

दंपती डॉक्टरों को एक ही अस्पताल में नौकरी करने का मिलेगा मौका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **सीजेरियन व एनेस्थीसिया स्किल प्रशिक्षण के लिए मांगे गए आवेदन**
- **स्वास्थ्य विभाग के एमबीबीएस डॉक्टरों को मिलेगी ट्रेनिंग**

अमृत विचार : ग्रामीण क्षेत्र हो या अन्यत्र दूरस्थ क्षेत्र, इमरजेंसी में सीजेरियन करने के लिए एमबीबीएस डॉक्टरों को इमरजेंसी ऑब्स्टेट्रिक केयर (ईमॉक) और लाइफ सेविंग एनेस्थीसिया स्किल (एलएसएएस) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनवरी 2026 में शुरू होने वाले बैच के लिए स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक प्रशिक्षण ने विभाग में कार्यरत नियमित व संविदा चिकित्सकों से आवेदन मांगे हैं। छह माह के प्रशिक्षण उपरांत इन डॉक्टरों की तैनाती फर्स्ट रेफरल यूनिट पर की जाएगी, ताकि जच्चा-बच्चा की जान बचाई जा सके। खास बात है कि इस प्रशिक्षण में दंपती चिकित्सकों को प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हें एक ही अस्पताल में तैनात भी किया जा सकता है।

महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ.पवन गंगवार अरूण ने बताया कि ईमॉक व एलएसएएस में 24-24 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इस प्रशिक्षण योजना की सफलता के लिए प्रांतीय चिकित्सा सेवा में कार्य करने वाले पति-पत्नी डॉक्टर को प्राथमिकता दी गयी है, इसमें दोनों जोड़ी बनाकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए सीएमओ के माध्यम से नाम भेजे जाएंगे। प्रशिक्षण के बाद असक्रिय एफआयू को क्रियाशील करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। यदि प्रशिक्षण के बाद असक्रिय एफआरयू में जोड़ी कार्य नहीं करेगी तो उनसे प्रशिक्षण पर खर्च धनराशि आठ लाख रुपये की वेतन से वसूली की जाएगी।

शमसुद्दीन राईन बसपा से निष्कासित

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा ने अपने वरिष्ठ पदाधिकारी, लखनऊ व कानपुर मंडल के प्रभारी शमसुद्दीन राईन को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है और उन पर गुटबाजी फैलाने और अनुशासनहीनता के आरोप लगाए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि शमसुद्दीन राईन पार्टी में गुटबाजी और अनुशासनहीनता कर रहे थे। इस संबंध में उन्हें चेतावनी भी दी गई, लेकिन उन्होंने कार्यशैली में सुधार नहीं किया। ऐसे में उन्हें पार्टी प्रमुख मायावती को विश्वास में लेकर बसपा से निष्कासित कर दिया गया है।

किसानों के घर तक पहुंचेगी खाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **गैस सिलेंडर की तरह होगी खाद की होम डिलीवरी व्यवस्था**

अमृत विचार : खरीफ सीजन में खाद वितरण को लेकर उपजे विवादों के बाद अब सहकारिता विभाग किसानों की सुविधा बढ़ाने के लिए नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। विभाग रासायनिक खाद की होम डिलीवरी योजना पर काम कर रहा है। जिस तरह घरेलू गैस सिलिंडर की बुकिंग और आपूर्ति की प्रक्रिया होती है, उसी तर्ज पर किसान अब ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे और समितियों की ओर से खाद सीधे उनके घर तक पहुंचाई जाएगी।

सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने बताया कि विभाग खाद वितरण प्रणाली को सरल और सुविधाजनक बनाने की दिशा में काम कर रहा है। होम डिलीवरी व्यवस्था के साथ-साथ वितरण केंद्रों पर भीड़ कम करने के लिए तकनीकी सुधार किए जा रहे हैं। रबी सीजन में किसानों को कतारों से राहत दिलाने के लिए समितियों पर एक के बजाय दो प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें लगाने का निर्णय लिया गया है। जहां दूसरी मशीन उपलब्ध नहीं होगी, वहां भारत सरकार की मंत्रा डिवाइस का उपयोग किया जाएगा। इससे वितरण की गति तेज होगी। साथ ही, कंप्यूटराइज्ड समितियों पर क्यूआर कोड से आनलाइन भुगतान की सुविधा भी शुरू की जा रही है। बुजुर्ग, दिव्यांग और महिलाओं के लिए अलग-अलग लाइनें लगाने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग का कहना है कि होम डिलीवरी शुल्क और लॉजिस्टिक व्यवस्था पर विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, ताकि किसानों को समय पर और पारदर्शी ढंग से खाद मिल सके।

शासन के निर्देश

- सभी सहकारी समितियों पर दो पीओएस मशीनें अनिवार्य रूप से लगाई जाएं।
- मंत्रा डिवाइस से कंप्यूटर जोड़कर वितरण प्रक्रिया तेज की जाए।
- समितियों पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा शुरू करें।
- बुजुर्ग, दिव्यांग और महिला किसानों के लिए हों अलग लाइनें।

पूर्वांचल में धान की खरीद 1 नवंबर से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **पश्चिमी यूपी में 35.63 हजार मीट्रिक टन धान की खरीद**
- **1.37 लाख किसानों ने अब तक कराया पंजीकरण**

अमृत विचार : पश्चिमी यूपी में 23 दिन में 35.63 हजार मीट्रिक टन धान की सरकारी खरीद हुई है। जबकि पहली सितंबर से शुरू हुए पंजीकरण अभियान में अब तक 1,37,166 किसानों ने अपना पंजीकरण पूरा कर लिया है। सरकार ने इस सत्र में 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य तय किया है और खरीद की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। उधर, 1 नवंबर से पूर्वांचल के जिलों में धान खरीद की तैयारी तेज हो गई है।

राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए 4000 क्रय केंद्रों की स्थापना का लक्ष्य रखा था, जिनमें से 3790 केंद्र पहले ही सक्रिय हो चुके हैं। सरकार ने कॉमन धान के लिए 2369 और ग्रेड ए धान के लिए 2389 रुपये प्रति क्विंटल का भाव तय किया है। साथ ही किसानों को भुगतान 48 घंटे के भीतर सीधे उनके आधार-लिंक्ड बैंक खातों में करने के निर्देश दिए गए हैं।

फिलहाल धान खरीद की प्रक्रिया पश्चिमी उप्र. के जिलों में जारी है। मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, झांसी के साथ हरदोई, लखीमपुर खीरी और सीतापुर जिलों में खरीद शुरू हो चुकी है। खरीद केंद्रों पर प्रतिदिन किसानों की आमद बढ़ रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए 1 नवंबर से धान खरीद अभियान शुरू होगा। यह खरीद चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर और प्रयागराज संभागों में होगी। साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली और उन्नाव जिलों में भी एक नवंबर से खरीद प्रारंभ होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

सरकार ने निर्देश दिए हैं कि हर क्रय केंद्र पर किसानों को बारदान, तोल व्यवस्था और भुगतान सुविधा पूरी पारदर्शिता के साथ मिले। क्रय केंद्र सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे और 17 प्रतिशत तक नमी वाले धान की खरीद की जाएगी। इससे किसानों को काफी राहत मिलेगी।

दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रहीं : अखिलेश

लखनऊ, अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में दलितों पर अन्याय और अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इस सरकार में सामंती ताकतों का मनोबल बढ़ा हुआ है। अपराधियों और सामंतवादियों को भाजपा सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। हर स्तर पर भेदभाव हो रहा है। सत्ता समर्थक पीडीए को तरह-तरह से अपमानित कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि रायबरेली में दलित समाज के नौजवान की पीट-पीट कर हत्या हुई। लखनऊ में काकोरी में दलित समाज के बुजुर्ग के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, ये चंद घटनाएं हैं।

मेरठ में दो पक्षों में गोलीबारी व पथराव, 25 लोग गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी

जिले के सरधना क्षेत्र में कथित तौर पर आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच पथराव और गोलीबारी हुई। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के कुल 25 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि सरधना थाना क्षेत्र के कालन्दी गांव में बुधवार को दो पक्षों के बीच पुराने विवाद को लेकर झगड़ा हो गया, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। सूत्रों के अनुसार दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गोलियां चलायीं और पथराव किया। एक पक्ष के नितिन ने गांव के ही धीरेन्द्र समेत 13 लोगों पर लाठी-डंडे, धारदार हथियार और असलहों से हमला करने तथा गोलियां चलाकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। दूसरे पक्ष के धीरेन्द्र ने भी नितिन समेत 17 लोगों के खिलाफ गोलियां चलाने और पथराव करने की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज किये हैं। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (मेरठ) के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी सरधना के पर्यवेक्षण में तीन पुलिस टीम का गठन किया गया जिन्होंने वीडियो फुटेज और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से तीन कारें, तीन लाइसेंसी बंदूकें, एक अवैध तमंचा और दर्जनों कारतूस बरामद किए गए हैं।

इस घटना में लाइसेंसी हथियारों का प्रयोग किया गया है, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। सूत्रों का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मामूली विवाद के बाद एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : शामली जिले के झिंझाना थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार रात मामूली विवाद के बाद दो समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान इदरीस (35) के रूप में हुई है और इस घटना के सिलसिले में सेना के जवान अजीत को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि विवाद तब शुरू हुआ, जब विकास कुछ लोगों के साथ कार में आया और इरफान के घर के बाहर पड़ी मिट्टी पर आपत्ति जताई। देखते-देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया।

स्लीपर बस डिवाइडर से टकरा कर पलटी, 26 यात्री घायल

कुशीनगर, एजेंसी: जिले में तरयासुजान थाना क्षेत्र के राजमार्ग पर बहादुरपुर पुलिस चौकी के पास गुरुवार सुबह जयपुर से मधुबनी जा रही एक स्लीपर बस डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। हादसे में 26 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि इनमें से छह की हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बस के शीशे तोड़कर सभी यात्रियों को बाहर निकाला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को उपचार के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार, तेज गति से जा रही स्लीपर बस बहादुरपुर चौकी के निकट एक ट्रक को ओवरटेक करते समय अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पलट गई और उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज पडरौना भेजा गया। अन्य घायलों का उपचार तमकुहीराज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। मामूली तौर पर घायल एक दर्जन यात्रियों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें छुट्टी दे दी गई। दुर्घटना की सूचना पर उप जिलाधिकारी तमकुहीराज आकांक्षा मिश्रा, थाना प्रभारी तरयासुजान धनवीर सिंह मौके पर पहुंचे।

पानी को यूरिन बताकर चटवाने का मुद्दा गरमाया

संवाददाता, काकोरी/लखनऊ

- **सांसद और नेताओं ने पीड़ित से मुलाकात की**
- **लोजपा आर समेत कई संगठनों ने दिया मदद का आश्वासन**

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के शीतला माता मंदिर परिसर में पानी को पेशाब (यूरिन) बताकर बुजुर्ग रामपाल से चटवाने के मामले ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। गुरुवार को कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया और लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित से मुलाकात की।

सांसद ने आरोपी स्वामीकांत उर्फ पम्मू की गिरफ्तारी की मांग की और कहा कि अगर वह बीमार है तो उसका इलाज सरकारी अस्पताल में कराया जाए। सोशल मीडिया पर भी आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। एसीपी काकोरी शकील अहमद ने बताया कि तबीयत ठीक होने पर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जबकि जांच जारी है।गुरुवार दोपहर सांसद तनुज पुनिया, पूर्व विधायक इंदल रावत और जिला अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह रामपाल के मोहल्ला हाता मोहम्मद हजरत साहब स्थित घर पहुंचे और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। भीम आर्मी के जय भीम संगठन के प्रदेश महासचिव अनिल गौतम और अन्य पदाधिकारियों ने भी पीड़ित से मुलाकात की।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के निर्देश पर लोजपा (आर) के जिला अध्यक्ष नरेंद्र पासवान प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे और पीड़ित परिवार के साथ तन, मन और धन से खड़ा रहने का आश्वासन दिया। पार्टी ने कानूनी कार्रवाई की जिम्मेदारी भी संभाली। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह ने आरोपी स्वामीकांत के बड़े भाई और परिजनों से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों में आक्रोश को देखते हुए पुलिस बल गांव में तैनात है।

घटना को बताया षड्यंत्र

दलित बुजुर्ग रामपाल के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को मंदिर प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने षड्यंत्र बताया। आरोपी स्वामीकांत के बड़े भाई और आरएसएस के सहविभाग संघचालक रमाकांत गुप्ता ने आरोप लगाया कि मंदिर परिसर में गलत हरकतों का विरोध करने के कारण उनके छोटे भाई को फंसाया गया।

न्यूज ब्रीफ

युवा कल्याण विभाग बनाएगा अग्निवीर

देहरादून, अमृत विचार : अब युवा कल्याण विभाग राज्य के युवक-युवतियों को अग्निवीर भर्ती के लिए निशुल्क ट्रेनिंग देगा। इस ट्रेनिंग में सैन्य भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता के साथ ही तकनीकी गुर भी सिखाए जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की थी कि युवाओं को अग्निवीर भर्ती के लिए राज्य सरकार की ओर से निशुल्क ट्रेनिंग दिलाई जाएगी।

ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से दो की मौत, दो घायल

बागपत, एजेंसी : जिले में गुरुवार को एक ईंट भट्ठे की दीवार गिर जाने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। चांदीनगर थाना प्रभारी अतर सिंह ने बताया कि लहचौड़ा-गौना मार्ग पर स्थित एएसपी महादेव ब्रिक फील्ड में रोजाना की तरह गुरुवार को भी काम चल रहा था। इसी दौरान ईंटें भरते समय अचानक दीवार भरभरा कर गिर पड़ी।

पिछले पर्यटन सत्र के दौरान 90 फीसदी सैलानियों ने की थी टाइगर साइटिंग

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघ बनेंगें आकर्षण का केंद्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मजबूत डील-डौल के बाघों के लिए मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र शुरू होने में महज सप्ताह भर बाकी बचा है। आगामी पर्यटन सत्र को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से इको टूरिज्म स्पॉट चूका समेत टाइगर रिजर्व के सभी टूरिज्म प्वाइंटों को सजाने-संवारने की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। पिछले पर्यटन सत्र के दौरान सैलानियों की आमद ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। वहीं बाघों की साइटिंग में भी पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त हुए थे।

तराई की तलहटी में विशिष्ट जैवविविधता को संजोए पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपने खास किस्म के बाघों के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशी धरती पर भी मशहूर होता जा रहा है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक पूर्व में हुई गणना के मुताबिक यहां 71 से अधिक बाघ थे। जाहिर सी बात यह है कि यहां बाघों की संख्या में पहले से खासी बढ़ोतरी हुई होगी। कुल मिलाकर देखा जाए तो पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के दौरान पूरा दारोमदार इन्हीं मजबूत डील-डौल वाले बाघों पर रहता है। यही वजह है कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व के 07 माह के पर्यटन सत्र के दौरान यहां सैलानियों की संख्या में साल-दर-साल इजाफा हो रहा है। वहीं विदेशी सैलानियों की संख्या में पिछले पर्यटन सत्र के दौरान खासी बढ़ोतरी हुई थी। इधर इस बार पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र 05 दिन पहले यानी 01 नवंबर को शुरू होने जा रहा है। टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा पीलीभीत टाइगर रिजर्व और उसके पर्यटन स्थलों का सजाया संवारा जा रहा है। टाइगर रिजर्व में पर्यटन का केंद्र बिंदु माने जाने वाले इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच, जिसे मिनी गोवा के नाम सभी जाना जाता है, में तैयारियां लगभग अंतिम दौर में पहुंच चुकी हैं। कुछ स्थानों को छोड़कर अन्य सभी सफारी मार्गों की साफ-सफाई कर उन्हें दुरुस्त किया जा चुका है।

चूका बीच में बनी सभी हटों को रंग-रोगन कर उन्हें आकर्षक लुक दिया जा रहा है। डबल डेकर कैंटीन को आकर्षक लुक देने की इस बार तैयारी चल रही है। कुल मिलाकर पीलीभीत टाइगर रिजर्व आने वाले सैलानियों को यहां चुस्त-दुरुस्त व्यवस्थाओं के साथ बहुत कुछ बदला सा मिलेगा।

पीटीआर में चहलकदमी करता भारी-भरकम बाघ।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व का मुख्य द्वार। ● अमृत विचार

● **आगामी पर्यटन सत्र शुरू होने में महज चंद दिन बाकी, तैयारियां हुई तेज**

पिता ने बेटी को कुएं में लटकाया हाथ छूटा और जान चली गई

सीतापुर, एजेंसी

जिले के मिसरिख पुलिस थाने के जगन्नाथपुर गांव में शराब के नशे में एक पिता ने अपनी 11 साल की बेटी को कुएं में लटकाकर डराने की कोशिश की, लेकिन हाथ छूट गया और गिरने से बच्ची की मौत हो गई। यह घटना 21 अक्टूबर की देर रात मिसरिख पुलिस थाने के जगन्नाथपुर गांव में हुई।

थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने गुरुवार को बताया कि आरोपी श्रवण कुमार शराब का आदी है। वह नशे में घर आया और अपनी बेटी लक्ष्मी से खाना मांगा। जब उसने कहा कि खाना तैयार नहीं है, तो वह गुस्से में आ गया और उसे डराने के लिए कुएं में लटकाने की कोशिश की। सिंह ने आगे कहा कि उसका हाथ छूट गया और बेटी कुएं में गिर गई। यह देखकर, पिता उसे बचाने के लिए कूदा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पड़ोसियों ने रस्सी का इस्तेमाल करके दोनों को बाहर निकाला, लेकिन लड़की की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर श्रवण को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारी ने कहा कि श्रवण की पत्नी की छह साल पहले मौत हो गई थी।

इसी कुएं में लटकाया था बेटी को।

चमोली-टिहरी में खाई में गिरे वाहन, छह की मौत

खाई में गिरने से कार में लगी आग, दंपती व युवा बेटे की हुई मौत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड में चमोली और टिहरी गढ़वाल में हुए दो अलग-अलग हादसों में छह की मौत हो गई और तीन गंभीर घायल हैं। चमोली में खाई में कार गिरने से आग लग गई जिसमें दंपती और उनके बेटे की जलकर मौत हो गई और एक बेटा गंभीर रूप से झुलस गया। वहीं, टिहरी में हुए हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई और दो घायल हैं।

पुलिस के अनुसार, अरविंद त्रिपाठी और अनीता त्रिपाठी बेटे अनन्त त्रिपाठी (22) और बेटे अम्बुज त्रिपाठी(25) के साथ पोखरी के विशाल पाव गांव आए थे। यहां अनीता का मायका है। वहां से वापसी के दौरान गोपेश्वर- पोखरी रोड पर कार अचानक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। कार के खाई में गिरते ही उसमें आग लग गई।

इस दौरान कार में सवार अरविंद त्रिपाठी, अनीता और अनन्त की जलकर मौत हो गई। वहीं अम्बुज गंभीर रूप से झुलस गया। आसपास के लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से सभी को खाई से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया तथा घायल अम्बुज का उपचार जारी है।

इधर,पुलिस के मुताबिक टिहरी जनपद के नरेंद्रनगर क्षेत्र में पावकी देवी मार्ग पर नाई के पास स्कार्पियो अचानक अनियंत्रित होकर लगभग 300 मीटर गहरी खाई में गिर गई। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और पुलिस के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। दो गंभीर रूप से घायलों को खाई से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे का शिकार हुए सभी युवक ऋषिकेश के श्यामपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं।

मृतकों की पहचान विमल कण्डियाल (31 वर्ष), राहुल कलुड़ा (23 वर्ष) और आशीष कलुड़ा (26 वर्ष) के रूप में हुई है। जबकि निखिल रमोला (21 वर्ष) और तनुज पुंडीर (26 वर्ष) हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए श्यामपुर के घड़ी मेचक से नाई जा रहे थे।

दुर्घटना के बाद बचाव कार्य में लगे लोग।

● **पुलिस ने लोगों की मदद से सभी को खाई से बाहर निकाला**

ट्रेन में फर्जी टीटीई पकड़ा, स्टेशन पर हंगामा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पीलीभीत से शाहजहांपुर आ रही पैसेंजर ट्रेन में कोच के अंदर एक नकली टीटीई को अवैध वसूली करते हुए पकड़ लिया। उसके पास नकली रशीद बुक थी। यात्रियों ने उसे निगोही स्टेशन पर उतार लिया। स्टेशन मास्टर ने शिकायत को अनसुना कर दिया। इस दौरान यात्रियों ने हंगामा किया। नकली टीटीई मौका पाकर भाग गया।

पीलीभीत से शाहजहांपुर पैसेंजर ट्रेन बुधवार की शाम छह बजे आ रही थी। ट्रेन में एक व्यक्ति अपने आप को टीटीई बताकर यात्रियों के टिकट चेक कर रहा था। जिन यात्रियों के पास टिकट नहीं था, उनसे अवैध रूप से वसूली कर रहा था। यात्रियों ने उससे रशीद मांगी तो कहने लगा कि थोड़ी देर में रशीर काटकर दे देगे। यात्रियों का कहना है कि उसके पास एक रशीद बुक थी। टीटीई गले में कोई परिचय पत्र नहीं डाला था। यात्रियों ने उससे कहा कि टीटीई का परिचय पत्र दिखाओ। निगोही रेलवे स्टैशन पर नकली टीटीई उतरकर भागने लगा तो लोगों ने पकड़ लिया। उसे पकड़कर स्टेशन मास्टर कार्यालय के बाहर ले आए। यात्रियों ने नकली टीटीई की शिकायत स्टेशन मास्टर से की। यात्रियों ने आरोप है कि स्टेशन मास्टर ने शिकायत को अनसुना कर दिया।

संभल में पंप पर पेट्रोल डलवाने के बाद अचानक जल गई बाइक

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : संभल के हयातनगर में पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने के बाद बाइक में अचानक आग लग गई। इससे पहले कि बाइक सवार कुछ समझ पाता बाइक से आग की लपटें निकलने लगीं। बाइक सवार ने किसी तरह खुद को बचाया। वहीं बाइक जली तो पेट्रोल पंप पर मौजूद लोगों सहित राहगीरों में हड़कंप मच गया। जलती बाइक में धमाका होने की आशंका के चलते लोग दूर खड़े रहे।

थाना हयातनगर क्षेत्र के सरायतरीन अन्तर्गत मोहल्ला शाहजीपुरा निवासी शुभम अपनी पैशन प्रो बाइक में तेल बनाने के लिए बहजोई रोड स्थित पेट्रोल पंप पर गया था। बाइक में तेल डलवाने के बाद जैसे ही शुभम ने बाइक स्टार्ट की तो 10 कदम चलते ही बाइक अचानक बंद हो गई। शुभम ने बाइक को स्टार्ट करने के लिए सेल्फ लगाया तो बाइक की वायरिंग से अचानक धुआं निकलने लगा। शुभम कुछ समझ पाता इससे पहले ही बाइक में आग लग गई। शुभम ने किसी तरह खुद को बचाया और बाइक में लगी आग बुझाने के लिए बाल्टी में पानी भरकर लाने के लिए दौड़ पड़ा। जब तक शुभम बाल्टी लेकर आया तब तक बाइक से इतनी तेज आग की लपटें निकलने लगी कि शुभम पास जाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाया। पेट्रोल पंप तक आग फैल जाने की आशंका से वहां हड़कंप मच गया। पेट्रोल पंप कर्मचारी सतर्क होकर दूर खड़े हो गये। वहीं हादसा देख राहगीर भी रुक गये। कुछ ही देर में बाइक जलकर खाक हो गई। सूचना के बाद पास ही थाना हयातनगर से पुलिस मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन तब तक बाइक जल चुकी थी।

संभल के हयातनगर पेट्रोल पंप पर धू धूकर जलती बाइक। ● अमृत विचार

मोटरसाइकिल ओवरब्रिज से गिरी, दो युवकों की मौत

सहारनपुर, एजेंसी: जिले में सरसावा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात ओवरब्रिज से गिरकर दो मोटरसाइकिल सवारों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि थाना सरसावा के मोहल्ला हरिजनान निवासी विकास (25) अपने दोस्त राजन (30) के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। चीनी मिल के नजदीक स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर करीब 30 फुट नीचे खेत में जा गिरी जिससे दोनों युवक घायल हो गये।

मौके पर पहुंची थाना सरसावा पुलिस ने दोनों युवकों को उपचार के लिये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया लेकिन दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए इन्हें पिलखनी स्थित राजकीय मेडिकल कालेज लाया गया जहां उपचार के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई। दोनों युवकों के मोबाइल फोन के माध्यम से उनके परिजन को हादसे की जानकारी दी गई ।

महादेव के जयघोष के बीच केदारनाथ धाम के कपाट बंद

द्रप्रयाग/उत्तरकाशी, अमृत विचार : देवों के देव महादेव के धाम और ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग केदारनाथ के कपाट भैयादूज पर गुरुवार की सुबह साढ़े आठ बजे बंद किए गए। सीएम पुष्कर सिंह धामी समेत हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा केदार का आशीर्वाद लिया। केदारनाथ की पूजा शीतकालीन प्रवास ऊखीमठ में होगी।

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने बताया कि कार्तिक शुक्ल सप्तमी में अनुराधा नक्षत्र में विशेष पूजा-अर्चना के बाद बाबा केदार के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए। अब सर्दियों में अगले छह माह तक भगवान केदारनाथ की पूजा शीतकालीन प्रवास स्थल ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में की जाएगी। सेना के बैंड की भक्ति धुनों और श्रद्धालुओं के जयकारे के बीच जब भगवान केदारनाथ की उत्सव डोली बाहर लाई गई। यह डोली गुरुवार को रामपुर में रात्रि प्रवास करेगी जबकि शुक्रवार को यह गुप्तकाशी पहुंचेगी जहां से 25 अक्टूबर को डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचेगी। केदारनाथ मंदिर के कपाट अब अगले वर्ष अप्रैल-मई में श्रद्धालुओं के लिए फिर से खुलेंगे।

स्कॉर्पियो में 45 किलो गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

रामनगर, अमृत विचार: पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए स्कॉर्पियो वाहन में 45 किलो गांजा बरामद कर आरोपी तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मालधन पुलिस चौकी प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार और पीरुमदारा चौकी इंचार्ज सुनील धानिक द्वारा मुखबिर की सूचना पर मालधन को जाने वाले रास्ते आम पोखरा 64 गेट के समीप एक स्कॉर्पियो वाहन को रोका गया तथा तलाशी लेने पर वाहन के अंदर से 45 किलो से अधिक गांजा बरामद पुलिस टीम द्वारा किया गया उन्होंने बताया कि वाहन में सवार हरजीत सिंह निवासी मानपुर काशीपुर को गिरफ्तार किया गया कोतवाल ने बताया कि बरामद गांजे की कीमत कई लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की गई है ।कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है ।उन्होंने बताया कि नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

भाई दूज पर ससुराल गये युवक की मौत

संवाददाता, बिशारतगंज,

अमृत विचार : पत्नी को लेकर दूज कराने ससुराल गये युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गयी। जिससे घर और ससुराल की खुशियां मातम में बदल गयीं।

मृतक विकास

कस्बा के वार्ड नंबर 11 निवासी विकास साहू (26) अपनी पत्नी रिंकी के साथ भाई दूज पर ससुराल बरेली गए थे। जहां दोपहर में लगभग 12:30 बजे अचानक उनके सीने में दर्द होने लगा। दवा लेने के बावजूद भी उनको हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि विकास फास्टफूड का काम करता था। उसकी शादी करीब दो वर्ष पूर्व हुई थी। उनकी एक बेटी है। घटना के बाद दोपहर को शव बिशारतगंज पहुंचा। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। शाम को शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

हादसे में दो युवक घायल, एक गंभीर

फरीदपुर,अमृत विचार : सड़क हादसे में बाइक की आमने सामने हुई भिड़ंत में दोनों बाइक सवार घायल हो गये हैं। इनमें एक की हालत गंभीर बनी है।

क्षतिग्रस्त हुई आमने सामने भिड़ीं बाइकें।

गुरुवार की शाम थाना फरीदपुर के कंजा गांव के निकट मेहतरपुर रोड पर मोटर साइकिल अभिषेक पुत्र गुड्डू पाल निवासी नवादा शेखान और दूसरी बाइक शाहनवाज पुत्र सरफराज नाबालिग निवासी रमापुर हाल निवासी भगवंतापुर थाना फरीदपुर की आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिससे दोनों बाइक सवार घायल हुए हैं। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

फतेहगंज पश्चिमी में बड़े भाई को तिलक करती बहन।

शेरगढ़ में भाई को तिलक करके गोला देती बहन। ● अमृत विचार

रिठौरा में भाई दूज पर बहन को उपहार देता भाई। ● अमृत विचार

देवरनियां में भाई को तिलक कर गोला देती बहन।

बहनों ने भाइयों को किया तिलक, लंबी उम्र मांगी

भाई दूज पर बाजार और मिठाई की दुकानों पर रही भीड़, भाइयों ने श्रद्धा और हैसियत के अनुसार दिये उपहार

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : गुरुवार को दीपावली के बाद भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक पर्व भाईदूज जिले में उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में रौनक दिखाई दी। बहनों ने अपने भाइयों के लिए पूजन सामग्री, नारियल, गोला, मिठाई और उपहारों की खरीदारी में जमकर खर्च किया।

फरीदपुर में भाई के टीका करने के बाद मिठाई खिलातीं बहनें। ● अमृत विचार

नवाबगंज में भाई के माथे पर टीका करती बहन। ● अमृत विचार

नवाबगंज में बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाइयों का तिलक किया, आरती उतारी और दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार और मिठाई देकर खुशी जताई। पूरे कस्बे में दिनभर जश्न का माहौल रहा। मिठाइयों, आतिशबाजी और हंसी-खुशी से बाजार गुलजार रहे। हर गली-मोहल्ले में भाईदूज का उल्लास और पारिवारिक स्नेह का नज़ारा दिखाई दिया।

देवरनिया में भाई दूज वाले दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर हाथ में मौली बाँधकर मिठाई खिलाकर नारियल दिया और भाइयों द्वारा भी अपनी बहनों को समर्थ के अनुसार उपहार भेंट किए।

मान्यता है कि यमराज और यमुना के स्नेह से जुड़े इस पर्व का विशेष महत्व है।

● तहसीलों में उमंग और उल्लास से मनाया गया भाई दूज का पर्व

कहा जाता है कि यमराज ने अपनी बहन यमुना के आग्रह पर इस दिन व्रत रखने और पूजन करने वालों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्त रहने का वरदान दिया था। तभी से यह पर्व भाई दूज के रूप में मनाया जाने लगा।

फतेहगंज पश्चिमी में मिठाई की दुकान पर उमड़ी भीड़:

कस्बे में भाई दूज का पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को सुबह से ही बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचीं और विधि-विधान से तिलक कर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनका स्नेह जताया। बाजार में रौनक छाई रही और मिठाई व फलों की दुकानों पर दिनभर भारी भीड़ रही। भाई दूज के अवसर पर कस्बे में आपसी प्रेम और भाईचारे की झलक देखने को मिली।

फतेहगंज पूर्वी में दूर दराज से आकर बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और ईश्वर से लंबी आयु की कामना की । इस मौके पर भाइयों ने भी अपनी-अपनी बहनों के लिए श्रद्धा अनुसार उपहार दिए।

शेरगढ़ : क्षेत्र में भाई-बहन के पवित्र प्यार का प्रतीक पर्व भैया दूज उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान कस्बे में मिठाईयों और फलों की दुकानों पर भीड़ का नजारा देखने को मिला। कस्बे की मुख्य बाजार से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों ने भाइयों के घर पहुंचने के बहनों के अरमानों पर पानी फेरने का प्रयास किया लेकिन कुछ देर में यहां से आवागमन सुचारू हो गया। भैया दूज की सुबह होते ही बहनों ने भाइयों के घर पहुंचने को तैयारियां शुरू कर दीं। क्षेत्र के गांव नगरिया कलां,कबरा किशनपुर,बरीपुरा, रजपुरा कस्बापुर,मोहम्मदपुर,बालपुर समेत क्षेत्र में भैया दूज का त्यौहार उत्साह के साथ मनाया गया।

सेंथल कस्बे में गुरुवार को भैया दूज का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार दिए। सुबह से ही बाजार गुलजार रहे। फलों और मिठाई की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही।

क्योलड़िया में भी भाईदूज का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया।

फरीदपुर में उल्लास से मनाया भाईदूज

फरीदपुर : नगर से लेकर देहात तक घर-आंगन में पूजा, तिलक और उपहारों के बीच भाई-बहन के रिश्ते का त्यौहार हर ओर नजर आया। दुकानों पर सज-धजकर आई महिलाओं और किशोरियों की भीड़ लगी रही। बहनों ने भाइयों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना की।

भाईदूज पर गोला के दाम चढ़े

नवाबगंज अमृत विचार : नवाबगंज में बाजारों में जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, भीड़ बढ़ती गई। स्थानीय सब्जी मंडी से लेकर मुख्य बाजार तक लोगों की चहल-पहल देखने लायक रही। फूलों की दुकानों और मिठाई के ठेलों पर ग्राहकों की लाइनें लगी रहीं। कई दुकानों पर भीड़ के चलते जाम की स्थिति बन गई। गोला के भावों ने इस बार सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। गोला 450 रुपये तक बिका। दुकानदारों ने बताया कि इस बार स्टॉक कम और मांग अधिक होने के कारण दामों में तेजी आई है।

दुनका में 600 रुपये किलो बिका गोला

दुनका : दीपावली के पर्व पर आज सुबह से ही दुकानों से जमकर गोले की खरीदारी हुई। दोपहर बाद दुमका की मार्केट में गोले की किल्लत हो गई, जिसने बहनों को गोला खरीद ने लिए दिक्कत का समाना करना पड़ा। कुछ दुकानदारों ने गोला 600 रुपये प्रति किलो से अधिक रुपेय वसूले। उसके बाद भी मार्केट में गोला उपलब्ध नहीं था।

पालिका ने बहनों को मुहैया कराई फ्री ई रिक्शा की सुविधा

हरी झंडी दिखाकर ई रिक्शा रवाना करते चेयरमैन। ● अमृत विचार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : नगरपालिका परिषद की ओर से भाई दूज के पावन पर्व पर बहनों को नगर में आवा-गमन के लिए फ्री ई-रिक्शा की सुविधा दी गयी। चेयरमैन सैय्यद आबिद अली ने सुबह करीब 8 बजे हरी झंडी दिखाकर पालिका परिसर से 52 ई-रिक्शा रवाना किए।

चेयरमैन ने बताया कि बीते पांच वर्षों से हिंदू बहनों के पर्व रक्षा बंधन और भाई दूज पर नगर में फ्री यात्रा के लिए वह ई रिक्शा चलवाते आ रहे हैं। वर्तमान में नगरपालिका परिषद की ओर से यह सेवा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि ई रिक्शा बहनों को मुफ्त में नगर के सभी बस स्टॉप चौराहों आदि स्थानों पर पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि दिन में सौ ई रिक्शा चलवाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सुबह 52 ई रिक्शा से शुरुआत की गयी। चेयरमैन स्वयं सभासदों के साथ रिक्शा चलाकर आंवला रोडवेज बस स्टॉप पर पहुंचे और वहां मौजूद बहनों को भाई दूज की बधाई दी। इस दौरान रामबहादुर प्रजापति, लियाकत अली, बंटी, जितेंद्र कुमार, इबले हसन, लकी तिवारी, सैय्यद फैज अली, सैय्यद हिदायत अली, आदिल शेख, किशोर सागर आदि मौजूद रहे।

अव्यवस्था : मुख्य मार्गों पर जाम, लोग परेशान

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : भाई दूज पर जहां बहनें भाइयों के घर तिलक करने पहुंचीं, वहीं नगर की अव्यवस्था ने त्योहार की खुशियां फीकी कर दीं। सुबह से ही मुख्य मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ता गया और दोपहर तक हालात भीषण जाम में तब्दील हो गए।

बाईपास चौराहा, तहसील तिराहा, रोड, कबाड़ खाना रोड और बरखन चौराहा पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। पुलिस व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। कई जगह बहनों को घंटों धूप में जाम में फंसे रहना पड़ा। वाहन चालकों और राहगीरों के बीच कई स्थानों पर झड़प जैसी स्थिति बनी रही। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि त्योहार से पहले किसी प्रकार की ट्रैफिक योजना नहीं बनाई गई। जाम में फंसे बुजुर्गों और बच्चों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

फतेहगंज पूर्वी में सुबह से ही सड़कों पर भारी भीड़भाड़ रही । जैतीपुर रोड पर तो रेलवे फाटक के बंद होने से कई बार जाम की स्थिति बनी रही । सड़कों पर भीड़ भाड़ के चलते पुलिस भी खासा मुस्तैद रही । थाना प्रभारी संतोष सिंह, कस्बा प्रभारी लक्ष्मी नारायण सिंह लगातार भ्रमण पर रहे । थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र के सभी चौराहों पर पुलिस पिकेट लगा दी गई है ।

कुंडरा कोठी रिछा जहानाबाद मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन और लोग। ● अमृत विचार

रिछा-जहानाबाद मार्ग पर जाम से जूझे राहगीर

देवरनियां : रिछा-जहानाबाद मार्ग पर कुंडराकोठी में जाम लगा रहा,इससे राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पडा।

रिछा-जहानाबाद मार्ग किनारे स्थित कुंडराकोठी पर दिनभर जाम के हलात बने रहे,मार्ग किनारे दुकानों पर जुटी भीड और बेतकीब आटो- ई रिक्शा से ज्यादा दिक्कत हुई। ऊपर से साप्ताहिक हाट बाजार होने से जाम की समस्या और बढ गई।

बिहारीपुर चौराहे पर लगा जाम

दुनका : बिहारीपुर चौराहे पर वाहनों का लगा जाम पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद खुलवाया सुबह से ही धनेटा शीशगढ़ रोड पर कई बार जाम की स्थिति बन गई लगभग दोपहर 1:00 बजे दुमका में बिहारीपुर चौराहे पर वाहनों के आड़े तिरछे और साइड लेने को निकालने को लेकर कहां पर लंबा जाम लग गया वाहनों का जाम उनका बाजार से लेकर बिहारीपुर चौराहा और मुगल मस्जिद तक पहुंच गया काफी देर जाम में फंसे होने के बाद पुलिस चौकी प्रभारी दुनका ने अपने हमराह साथियों के साथ जाम को खुलवाया तब राहगीरों ने राहत की सांस ली।

चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव मनाया

संवाददाता,आंवला

अमृत विचार : कायस्थ समाज के लोगों ने भगवान चित्रगुप्त के प्रकटोत्सव पर आस्था और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की। लोगों ने कलम-दवात की पूजा कर ज्ञान, विवेक और सफलता का आशीर्वाद लिया।

मोहल्ला खेड़ा स्थित शिक्षक नवीन सक्सेना के आवास पर कायस्थ समाज के लोग एकत्रित हुए और भगवान चित्रगुप्त का विधि-विधान से पूजन कर कलम-दवात की पूजा की। मान्यता है कि भगवान चित्रगुप्त का जन्म कार्तिक शुक्ल द्वितीया को हुआ था। जिसे चित्रगुप्त पूजा या भाई दूज के रूप में मनाया जाता है। मौजूद लोगों ने भगवान चित्रगुप्त से सुख-समृद्धि और ज्ञान की प्राप्ति के लिए आशीर्वाद लिया। कायस्थ समाज केलोगों ने गुरुवार को चित्रगुप्त के प्रकटोत्सव पर कलम दवात की पूजा की और इस दौरान उन्होंने महात्म भी बताया। कार्यक्रम में डॉ.संजय सक्सेना, नवीन कुमार, विशाल सक्सेना, दुर्गेश सक्सेना, सरीन सक्सेना, निखिल सक्सेना, कमल सक्सेना, राजीव सक्सेना आदि मौजूद रहे।

पूजा-अर्चना करते कायस्थ समाज के लोग। ● अमृत विचार

महिला पुलिस ने चलाया मिशन शक्ति अभियान

बिशारतगंज,अमृत विचार: भाई दूज पर महिला ने पुलिस मिशन शक्ति अभियान चलाया। पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

महिला पुलिस टीम ने एसआई शालू तोमर के नेतृत्व में नगर के बाजारों, रेलवे स्टेशन, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर हेल्पलाइन 1930 और स्वास्थ्य सेवा 102/108 जैसे नंबरों के उपयोग की जानकारी दी।

बुझिया पंचायत भवन पर पाथे जा रहे उपले

संवाददाता, मानपुर

अमृत विचार: ग्राम पंचायत बुझिया का पंचायत भवन लंबे समय से बंद पड़ा है और परिसर में गंदगी का अंबार लगा है। भवन में कोई गतिविधि नहीं होने से ग्रामीणों ने यहा उपले पाथना और उन्हें सुखाना शुरु किया है।

पंचायत भवन पर काफी समय से ताला लगा हुआ है। उसके आसपास घास-फूस व गंदगी फैली हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन कई महीनों से नहीं खुला है, जिससे गांव में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं। ग्राम पंचायत भवन बंद होने के सवाल पर प्रधान मानवती ने कहा कि ग्रामीणों ने भवन में गोबर के कंडे रख दिए हैं जिसके लिए उन्होंने लोगों से उन्हें हटाने को कहा है।

पंचायत भवन में सुखते उपले।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
भगन्दर गांठ Piles in Men
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

न्यूज ब्रीफ

शादी का झांसा देकर युवती को भगा ले गया युवक, रिपोर्ट दर्ज

क्योलडिया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव के महिला ने पौत्री को बहलाकर ले जाने का आरोप युवक पर लगाया है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। महिला ने बताया कि उसकी पौत्री को कुलदीप पुत्र कल्याण निवासी बहर जागीर शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया। पौत्री अपने साथ सोने चांदी के जेवर मोबाइल फोन भी साथ ले गई। पुलिस ने नामजद तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जमीनी विवाद में किया हमला, रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में युवक पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में दूसरे पक्ष का युवक गंभीर घायल हो गया। थाना कैंट के झील गौटिया लालफाटक निवासी राहुल ने बताया, कि झील गौटिया में उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि है, जिसका बंटवारा नहीं हो सका है। बुधवार को भूमि बंटवारे के विवाद को लेकर चंद्रपाल निवासी झील गौटिया उसके साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने लोहे की रॉड उनके सिर में मार दी। पुलिस ने चंद्रपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

योगी की आपत्तिजनक तस्वीर की वायरल मुकदमा दर्ज

सिरौली , अमृत विचार : मुख्यमंत्री की आपत्तिजनक तस्वीर एडिट कर सोशल मीडिया पर अपलोड करना एक व्यक्ति को भारी गया है। मुगलपुर थाना सिरौली निवासी सचिन सक्सेना ने पुलिस की तहरीर में बताया कि उसके गांव के आसिफ सैफी ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी की एक आपत्तिजनक तस्वीर एडिट कर सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। जिससे जनमानस में रोष व्याप्त है। पुलिस ने आरोपी आसिफ सैफी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर दिया है।

पति ने ससुर के सिर पर मारी लाठी, पत्नी ने दी तहरीर

भुता, अमृत विचार : क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति पर शादीशुदा होने के बावजूद दूसरी शादी करने और ससुर व पुत्र पर मारपीट करने का आरोप लगाया है पीड़िता ने न्याय के लिए थाने में में दी तहरीर नन्नी देवी पत्नी भानु प्रताप निवासी ग्राम मटकापुर ने तहरीर देते हुए बताया कि उसके पति ने अन्य महिला से शादी कर ली और वह बरेली में किराए के मकान में रहने लगा। इस बात से नाराज होकर मेरे ससुर जमुना प्रसाद ने मेरे पुत्र सौरभ के नाम जमीन की वसीयत कर दी। जिससे पति पुत्र पिता और उससे रंजिश मानने लगा। गुरुवार को सुबह पति ने अपने पिता पर लाठी से प्रहार कर दिया। इससे उनके गंभीर चोट आई है। तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है।

13 दिन बाद 8 के खिलाफ कैंट पुलिस ने लिखी रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : परिचित के घर मिलने गए व्यक्ति के साथ बाहर के 7-8 दबंगों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। घायल ने कैंट थाने में तहरीर दी। लेकिन कैंट पुलिस ने 13 दिन बाद अब रिपोर्ट दर्ज की है। कांधरपुर स्थित शिव धाम कॉलोनी निवासी अर्जुन सिंह ने बताया, कि वह 10 अक्टूबर की शाम बलवीर के घर गए थे। वहां बलवीर का कुत्ता घर से बाहर चला गया। जिसको लेकर वहीं के 7-8 लोग बलवीर के घर लाठी डंडे लेकर आ गए। और गाली गलौज करते हुए उन्हें पीटना शुरू कर दिया। इससे वह घायलहो गये। थाने के कई चक्कर काटने के बाद पुलिस ने उसी तहरीर पर 13 दिन बाद बुधवार को आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रम्पुरा के प्रगतिशील किसान बने ग्रामीण नवाचार के प्रतीक , रासायनिक खेती को कहा अलविदा

जैविक खेती से सफलता की मिसाल बने किसान सुभाष

संवाददाता,शेरगढ़

अमृत विचार : ब्लाक शेरगढ़ के गांव रम्पुरा निवासी प्रगतिशील किसान सुभाष चंद्र गंगवार ने जैविक खेती से सफलता की नई इबारत लिखी है। उन्होंने परंपरागत खेती के बजाय पर्यावरण और स्वास्थ्य के अनुकूल गौ-आधारित जैविक मॉडल अपनाते हुए 2021 से लगातार मुनाफा कमाया है। इस सीजन में वह 40 से 45 बीघा जमीन में जैविक फसलों की बुवाई कर रहे हैं।

किसान सुभाष।

सुभाष इस बार वाराणसी से प्राकृतिक गेहूं का बीज लेकर आए हैं, जिसकी बुवाई एक सप्ताह में की जाएगी। वह दो एकड़ में गेहूं, 40 बीघा में गन्ना और शेष क्षेत्र में बहुवर्षीय अरहर की फसल ले रहे हैं। उनका कहना है कि अरहर का पौधा एक बार लगाने पर वर्ष में दो बार फल देता है और लंबे समय तक खड़ा रहता है। वे बताते हैं 25 फीसदी लागत और 75 फीसदी तक लाभ मिलता है। बीमारियों की रोकथाम भी देसी तरीकों से संभव है, साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। सुभाष ने कृषि में स्नातक किया है और यूट्यूब से सीखकर जैविक पद्धतियों को अपनाया। उनकी मेहनत और नवाचार के चलते उन्हें लाल किले पर गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का अवसर मिला।

अरहर की जैविक खेती के लिए तैयार खेत। ● अमृत विचार

आज सुभाष गंगवार क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं।

वह न केवल खुद जैविक खेती कर रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। दूसरे किसान भी उनसे सीख लेकर जैविक खेती की ओर रुख कर रहे हैं। वह फसलों में देसी गाय का गोबर और गोमूत्र को खाद के रूप में प्रयोग कर रहे हैं। उनका मानना है कि यदि किसान जैविक खेती को अपनाएं तो न केवल बेहतर आमदनी संभव है बल्कि धरती और इंसान दोनों की सेहत भी सुरक्षित रहती है।

युवक को गिराकर फोन तोड़ा, विरोध पर पीटा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- इज्जतनगर में 10 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में युवक को साइकिल से गिराकर उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया गया। विरोध करने पर उसकी पिटाई की। इतना ही नहीं परिजनों ने विरोध किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने छह नामजद समेत 10 आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र के पीर बहोड़ा निवासी मोहम्मद इश्त्याक ने बताया कि बुधवार शाम को साढ़े चार बजे उनका भतीजा फैजान साइकिल से जा रहा था। आरोप है कि मोहल्ले के साजिद, शोएब और फिरोज ने फैजान को साइकिल से गिरा दिया और उसकी जेब में रखा मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। विरोध करने पर इन लोगों ने मारपीट की। भतीजा घर आया तो पीछे-पीछे साजिद, शोएब, फिरोज, उस्मान खां, सलीम, फिरोजी समेत चार अज्ञात लोग घर में घुस आए और गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर सभी ने उसके भाई अशफाक को बेल्टों से मारने लगे और जमीन पर गिराकर गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। पुलिस ने सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किशोरी को खींचकर घेर में ले गया युवक, छेड़छाड़

गांव के ही व्यक्ति के खिलाफ परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट

संवाददाता,फरीदपुर

अमृत विचारः एक दरिंदे ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर, तेरह वर्ष की एक बालिका के साथ घिनौना प्रयास किया। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 अक्टूबर रात उनकी बेटी अपने चाचा को खाना खाने के लिए बुलाने गई थी जब बाकी लोग खाने के लिए चले गए और किशोरी अकेली पीछे रह गई तभी गांव के ही रहने वाले महेश ने उसे दबोच लिया। उसका मुँह दबाकर उसे खींचकर धर्मपाल के घर ले गया। महेश ने किशोरी के साथ अश्लील हरकतें करते हुए छेड़खानी की

जब किशोरी के परिजन उस को ढूंढा, तो वह उन्हें धर्मपाल के मकान में मिली। पीड़िता के परिजनों ने बुधवार को फरीदपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है आरोपी महेश पुत्र नरेशपाल, निवासी ग्राम सहोड़ा कला, के खिलाफ पाक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है।

साथी के साथ मिलकर युवती को खींचने और छेड़छाड़ का किया प्रयास, रिपोर्ट दर्ज

आंवला, अमृत विचार : एक युवक ने अपने साथी के साथ एक युवती से छेड़छाड़ की और खींचकर ले जाने का प्रयास किया। युवती की मां द्वारा विरोध करने पर मारपीट की। युवती की मां ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि बीती 19 अक्टूबर की शाम उसकी बेटी घर के दरवाजे पर खड़ी थी। इसी बीच दो युवक उसकी बेटी से अश्लील बातें करने लगे। युवती ने विरोध किया तो एक युवक जबरदस्ती उसका हाथ पकड़कर खींचने लगा। शोर मचाने पर वह मौके पर पहुंची और विरोध किया। इस पर एक युवक ने उसके घुटने में डंडा मार दिया। दोनों आरोपी जान से मारने और भविष्य में जबरन उठाकर ले जाकर बलात्कार की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीडिता ने बताया कि कृपाल उसकी बेटी को आते जाते पीछा करता था और छेडता था। वह उसके साथ अश्लील हरकते करता था। थाना पुलिस द्वारा सुनवाई न करने पर पीड़िता ने एसएसपी बरेली से शिकायत की। पुलिस ने एसएसपी के आदेश पर कृपाल और शिशुपाल निवासी उदयभानपुर उर्फ आनंदपुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जिम्मेदारों की लापरवाही से नाना-नानी पार्क बदहाल

संवाददाता,शेरगढ़

अमृत विचार : कस्बे में लाखों की धनराशि से निर्मित नानी-नाना पार्क उचित देखभाल एवं रखरखाव के अभाव में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। जिम्मेदारों की मनमानी का शिकार नानी-नाना पार्क अब झाड़ियों के आगोश में है जिसमें आज-कल गंदगी का बसेरा है।

उस समय पार्क के निर्माण होने से नौनिहाल बेहद प्रफुल्लित थे । शहर की तरह कस्बे के बच्चों की पार्क में खेलने की मंशा पूरी हो रही थी। पार्क के अंदर किया गया बागवानी का मनोहारी चित्रण बच्चों का मन मोहता था लेकिन बच्चों के मन में अस्त-व्यस्त पार्क को लेकर टीस है।

पुराने दौर में नाना-नानी के प्रेरक किस्से बच्चों की कल्पना शक्ति को बढ़ाने का सशक्त माध्यम हुआ करते थे। शाम ढलते ही बच्चे दादी-दादा और नानी-नाना की गोद में शिक्षाप्रद किस्से सुनकर खुश नजर आते थे। वहीं नगर पंचायत प्रशासन द्वारा बच्चों के लिए पार्क को विकसित करने की एक अनूठी पहल की गई थी। पार्क के निर्माण के बाद नौनिहाल खेल-खेलने तथा झूला झूलने के साथ ही नए-नए खेलों को लेकर धमाचौकड़ी मचाते नजर आते थे।

पार्क की बदहाल दशा, घास हो चुकी है गायब। दीवार से प्लास्टर भी उखड़ चुका है। ● अमृत विचार

इतना ही नहीं पार्क में उकेरे गए प्रेरक सद्वाक्य बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी सद्भावना की मिसाल बने थे। नाना-नानी पार्क बच्चों के साथ ही लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। लेकिन जिम्मेदारों की बेरुखी से नगर के पश्चिमी सिरे पर लाखों की रकम से निर्मित नानी-नाना पार्क अपने मकसद से भटकता जा रहा है।

पार्क में फैली गंदगी को साफ कराने की ओर भी प्रशासन का ध्यान नहीं ।

पार्क के अंदर व्यवस्थित झूले भी अब दिखाई नहीं देते। यूं कहें कि दीपोत्सव जैसे प्रमुख त्यौहार पर भी नगर पंचायत प्रशासन नानी-नाना पार्क की सफाई तक नहीं करा सका।

हादसे में मृत व्यक्ति की टिंकू के रूप में हुई पहचान

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

- सतुइया पट्टी में बुधवार की रात हुआ था हादसा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के सतुईया पट्टी के पास बुधवार रात्रि में हाईवे पर हुए सड़क हादसे में मौत हुई युवक की शिनाख्त हो गई है। मृतक की पहचान टिंकू निवासी मोहल्ला दुर्गा प्रसाद, निकट रामदुलारी श्याम सुन्दर इंटर कॉलेज, थाना बीसलपुर, जिला पीलीभीत के रूप में हुई है।

बुधवार शाम एक अज्ञात वाहन ने टिंकू को रौंद दिया था हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन तत्काल पहचान नहीं हो सकी थी।

गुरुवार परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त टिंकू के रूप में की। परिजनों ने बताया टिंकू को उसके छोटे भाई ने हरिद्वार काम करने के लिए बुलाया था।

मां- बेटे पर दबंगों का हमला, मामला दर्ज

संवाददाता, आंवला

अमृत विचारः एक मजदूर के साथ दो लोगों ने मारपीट कर जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया। पीडित ने सीओ के आदेश पर 55 दिनो के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कस्बे के मोहल्ला नगरिया सतन निवासी विनोद ने बताया कि वह पुताई मजदूर है और प्रतिदिन आंवला में काम करता है। उसका आरोप है कि मोहल्ले के संजीव सिंह व अशोक सिंह लंबे समय से उससे शराब पीने के लिए रुपये मांगते हैं। मना करने पर वे सार्वजनिक रूप से अश्लील गालियां देते हैं और जाति सूचक शब्द कहकर अपमानित करते हैं। बीती 28 अगस्त की सुबह जब वह काम पर जा रहा था तभी आरोपियों ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से पीट दिया। जव उसकी मां कुसुम बीच-बचाव करने आईं तो उन्हें भी पीटा गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच आरम्भ कर दी।

देवरनियां के दो दर्जन गांवों की सुरक्षा तीन पुलिस कर्मचारियों के सहारे

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचारः रिछा-जहानाबाद मार्ग पर स्थित थाना नवाबगंज की पुलिस चौकी कुंडराकोठी एक चौकी इंचार्ज समेत मात्र तीन पुलिस कर्मियों के सहारे चल रही है। चौकी क्षेत्र में दो दर्जन गांव आते हैं।

कुंडराकोठी पुलिस चौकी दशकों से सिंचाई विभाग की एक कोठी में चल रही है, यह जर्जर हो चुकी है। ब्रिटिश शासनकाल में बनी गोलनुमा कोठी पर पहले सिंचाई विभाग से संबंधित मुकदमे सुने जाते थे,लेकिन इसके निचले हिस्से में पुलिस चौकी संचालित है। चौकी क्षेत्र में चौबीस गांव कुंडराकोठी, कुंडरा, कुंडरिया, मल्हपुर, हसनपुर, भंगा, बालपुर, जोतपुर, मनुनागर, इस्लामनगर गौंटिया, मिलक पिछौडा, सैदपुर, इनायतपुर, गेलाटांडा,कचनारी, कचनेरा, कचनारी गौंटिया, अटरिया,

इसी दो मंजिला गोल कोठी में चल रही कुंडराकोठी चौकी। ● अमृत विचार

- दशकों से सिंचाई महकमे की खंडरनुमा कुंडरा कोठी में चल रही पुलिस चौकी

माधौपुर, बरौर, शेखपुर, जाफरपुर, पचुआ, पचुआ गौंटिया आते हैं। इसके अलावा कुंडराकोठी में हाट बाज़ार भी लगता है।

इतने क्षेत्र की जिम्मेदारी चौकी इंचार्ज जय सिंह निगम के अलावा हेड कांस्टेबल से प्रमोट होकर दरोगा बने चेतन सिंह और कांस्टेबल प्रदीप कुमार ही तैनात हैं। इन्हीं के ऊपर 24 गांवों समेत इलाके की जिम्मेदारी है। जबकि चौकी पर एक चौकी इंचार्ज, एक हेड कांस्टेबल, और पांच कांस्टेबल की तैनाती है। चौकी इंचार्ज के मुताबिक पुलिस कर्मियों की कमी काफी समय से है, और इस बारे में अवगत भी करा दिया गया है।

युवती पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने में 4 युवकों के खिलाफ केस

सिरौली, अमृत विचारः नगर की एक युवती का फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले 4 युवकों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। युवती के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अयान, शोएब, सलमान, कुशाग्र पांडे निवासीगण सिरौली ने इस्टाग्राम व फेसबुक से मेरी पुत्री का फोटो अपलोड कर दिया और उस पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे है। जब मुझे इस बात का पता लगा तो मैं शिकायत लेकर इन युवकों के घर पहुंचा तो इनके घर वालों ने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी है।उक्त लोग पुत्री से आते जाते छेड़छाड़ करते है। इससे उनकी बेटी डरी सहमी है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

इस्लाम के राजनीतिक नजरिये पर चर्चा जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- चर्चा होने पर इस्लाम का सियासी नजरिया और सियासत का तरीका आएगा सामने

अमृत विचार : आल इंडिया मुस्लिम जमात ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर में दिए गए भाषण का समर्थन किया है। इसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि ब्रिटिश उपनिवेश की चर्चा होती है, फ्रांसीसी उपनिवेश की चर्चा होती है, लेकिन राजनीतिक इस्लाम की चर्चा नहीं होती है, जिसने सनातन आस्था पर सबसे ज्यादा कुठाराघात किया। पूर्व में हमारे पूर्वजों ने राजनीतिक इस्लाम के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी है। इस पर भी चर्चा होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सहमति जताते हुए कहा कि इस्लाम के राजनीतिक नजरिये पर चर्चा जरूर होनी चाहिए, ताकि इस्लाम का सियासी नजरिया और सियासत करने का तरीका लोगों के सामने स्पष्ट तौर पर सामने आएं। इस्लाम एक ऐसा धर्म है जो इंसानी जिंदगी के तमाम पहलुओं पर तफसील से रोशनी डालता है। रोजाना की जिंदगी गुजारने का तरीका सिखाता है।

मौलाना ने कहा कि मुस्लिम समाज में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो सियासत को इस्लाम से अलग करके देखते हैं और वह लोग सियासत को गलत काम का पेड़ समझते हैं, जबकि हकीकत में ऐसा नहीं है।मौलाना ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म पर प्रहार की जो बात कही है, वह ऐतिहासिक दृष्टिकोण से दुरुस्त नहीं है। इस्लाम कभी दूसरे धर्म के लोगों पर जबरन और दबाव नहीं डालता बल्कि बातचीत के जरिये समझौते की बात करता है, हां ये जरूर है कि कुछ मुस्लिम शासकों ने अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए गैर मुस्लिमों से जंगें लड़ीं और बहुत सारे ऐसे भी मुस्लिम शासक गुजरे हैं, जो सिर्फ नाम के मुसलमान थे।

भाईदूज पर सजी मिठाई और फलों की दुकानें

मीरगंज, अमृत विचार : कस्बे में गुरुवार को भाई दूज के अवसर पर मिठाई और फलों की दुकानों पर भारी भीड़ रही। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन बाजार में मुस्तैद रहा।

मीरगंज के अंडरपास चौराहा, सिरौली चौराहा और सिंधौली चौराहा जैसे प्रमुख स्थानों पर मिठाई, फल और परचून की दुकानों पर विशेष रूप से भीड़ उमड़ी। दुकानों में यह भीड़ दोपहर बाद तक रही। फिर धीरे धीरे दुकानों में लोगों की आवाजाही कम हुई। पर्व का उल्लास पूरे दिन बना रहा है। कहीं बहने भाई को टीका लगाने जाती हुई दिखीं तो कुछ जगह टीका लगाकर वापस ससुराल जाते हुए दिखी।

सुरक्षा की दृष्टि से इन सभी चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे।नेशनल हाईवे स्थित सिंधौली चौराहे पर पुलिसकर्मियों ने यातायात सुचारु रखने के लिए टेम्पो और ई-रिक्शा को सड़क से हटाते हुए देखा गया, ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

पीड़ा मीरगंज की जनता ने सामूहिक पत्र भेजकर अपनी आवाज रेल मंत्री तक पहुंचाई

रेल मंत्री जी तहसील है पर ट्रेनें नहीं रुकतीं

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचारः तहसील मुख्यालय मीरगंज के लोगों ने अपनी आवाज दिल्ली तक पहुंचाने के लिए सामूहिक रूप से रेल मंत्री को पत्र भेजा है। कस्बे के समीप संचालित नगरिया सादात रेलवे स्टेशन पर लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव मांग रेल मंत्री से की है। उनका कहना है कि मीरगंज में तहसील मुख्यालय होने के बाबजूद नगरिया सादात रेलवे स्टेशन पर मात्र दो ही ट्रेनें रूकती हैं।

मीरगंज के निवासियों ने बताया कि नगरिया सादात रेलवे स्टेशन के आसपास शुगर मिल, आधा

दर्जन इंटर कॉलेज व महाविद्यालय एवं बीटीसी व बीएड और बीपीएड शिक्षण संस्थान हैं। इसके अलावा कई प्रशासनिक कार्यालय और एक मेडिकल कॉलेज है। जिनमें दूर दराज के रहने वाले हजारों महिला व पुरूष नौकरी करते हैं। स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होने से डग्गामार वाहनों से ही लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ती है। जोकि जोखिम भरी और कष्टदायक होती है। ट्रेन से सफर के लिए यहां के लोगों को 35 किमी की दूरी तय करके बरेली जंक्शन पहुंचना पड़ता है।

- 35 किमी दूर बरेली जंक्शन से पकड़नी पड़ती हैं लंबी दूरी की ट्रेनें

सामूहिक मांग पत्र भेजने वालों में संजय कुमार सिंह, अरविंद सिंह, अभिमन्यू प्रसाद, अमरेश राय, आशीष गुप्ता, उमाशंकर ओझा, विजय पाल, हरेंद्र तिवारी, गंगा प्रसाद, विनोद, राजू, जितेंद्र यादव और राजू यादव सहित तमाम क्षेत्रवासियों ने केंद्रीय रेल मंत्री से पत्र भेजकर आग्रह किया है कि नगरिया सादात रेलवे स्टेशन अवध-आसाम, सप्तक्रांति, बाघ और नौचंदी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव किया जाये, ताकि पूर्वांचल और बिहार की दिशा में जाने वाले यात्रियों को राहत मिल सके। इसके अलावा नागरिकों ने पत्र में प्लेटफार्म नंबर-एक व दो के मध्य नगरिया सादात रेलवे स्टेशन पर फ्लाईओवर निर्माण की मांग भी की गई है, ताकि यात्रियों को रेल पटरियों को पार करने की जोखिम भरी प्रक्रिया से निजात मिल सके। लोगों का कहना है कि उपरोक्त ट्रेनां का ठहराव होने से मीरगंज ही नहीं बल्कि आसपास के कस्बां एवं ग्रामीण अंचल के लोगों को दूर दराज का सफर करना आसान हो जायेगी।

हत्या की सूचना, परिजनों ने शराब से मौत बताई

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : गांव मड़ौली में खुरापाती के द्वारा हत्या की सूचना पर पुलिस सक्रिय हो गई और मौके पर पहुंची लेकिन परिजन ने हत्या होने से इंकार करते हुए शराब पीने से मौत की बात लिखकर पुलिस को दी है।

गांव मड़ौली निवासी तन्ने (45) शराब का आदि था। । दीवाली पर्व पर कई दिन से लगातार शराब पीने के कारण बृहस्पतिवार सुबह को उनकी मौत हो गई। दोपहर के बाद किसी खुरापाती ने यूपी 112 पुलिस को हत्या की सूचना कर दी, जिससे थाना प्रभारी अभिषेक कुमार मय फोर्स के गांव पहुंच गए। पुलिस को देख परिजन और ग्रामीण भौचक रह गए। पुलिस पूछताछ में पत्नी रामकली और उनके बेटे नोनी राम ने बताया तन्ने शराब पीने के आदी थे। दिवाली से पहले वह खूब पी रहे थे लेकिन खाना नहीं खा रहे थे। इससे उनकी मौत हो गई। कई घंटे चली जांच पड़ताल के बाद पत्नी रामकली ने हत्या की बात से इनकार किया।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया पड़ताल में हत्या का कोई साक्ष्य नहीं मिला।परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार करते हुए लिखकर दे दिया है। परिजनों और ग्रामीणों ने अधिक शराब से मौत की बात स्वीकारी है।

स्व. शिवचन्द्र राजन

सोलहवीं पुण्यतिथि

अश्रुपूर्ण स्मरण

हर डांट में प्यार जो रहता था,
वो याद बहुत अब आता है,
हर बीता लम्हा अब तो बस,
आंखों में आंसू लाता है,

RAJAN MUSICAL

स्टेशन रोड, सिविल लाईन्स, बरेली।
मो. 9837019122

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

त्योहार

प्रयागराज में गुरुवार को भाई दूज पर यमुना में डुबकी लगाते समय एक बालिका भाई के माथे पर तिलक लगाती हुई। ● एजेंसी

बहेड़ी के स्मैक तस्कर हल्द्वानी में गिरफ्तार

पुलिस ने राइंका मोतीनगर के समीप से पकड़ा, दोनों से 48 लाख रुपये कीमत की स्मैक हुई बरामद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एसओजी और कोतवाली पुलिस ने स्मैक तस्करी में जुटे बड़े स्मैक तस्करों को दबोचा है। शीशगढ़ से स्मैक लेकर निकले बहेड़ी के इन तस्करों को पुलिस ने मोतीनगर हल्द्वानी से गिरफ्तार किया। आरोपी करीब 48 लाख की स्मैक हल्द्वानी में खपाने के इरादे से निकले थे।

पुलिस ने दोनों युवा तस्करों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। साथ ही आरोपियों ने उस तस्कर के बारे में भी बताया है, जिससे वह स्मैक लेकर हल्द्वानी के लिए निकले थे। गुरुवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में मामले का खुलासा करते हुए सीओ सिटी नितिन लोहनी ने बताया कि

पुलिस टीम के साथ स्मैक तस्करी के आरोपी। ● अमृत विचार

23 अक्टूबर को एसओजी और कोतवाली पुलिस की टीम बरेली रोड पर मोतीनगर इंटर कॉलेज के पास छिपकर निगरानी कर रही थी। उन्हें तस्करी की सूचना मिली थी। तभी यूपी नंबर की बाइक पर सवार दो लोग लालकुआं की ओर से आते दिखे। पुलिस पर नजर पड़ते ही आरोपी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस

● **एसओजी और कोतवाली पुलिस ने मोतीनगर से किया गिरफ्तार**

ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी में पुलिस ने उनके पास से 162.14 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम तस्लीम खान पुत्र नन्हे खान निवासी ग्राम रोहनिया थाना बहेड़ी (बरेली) और दूसरे ने मो. राशिद खान पुत्र आलम साह निवासी ग्राम परेवा वैश्य थाना जहानाबाद (पीलीभीत)बताया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद स्मैक वह शीशगढ़ के एक व्यक्ति से लेकर आए थे और हल्द्वानी में खपाने की योजना थी। आरोपियों का कहना है कि शीशगढ़ के तस्कर का उन्हें नाम नहीं पता। उन्होंने पुलिस को तस्कर का मोबाइल नंबर दिया है। सीओ सिटी का कहना है कि बरामद स्मैक की कीमत करीब 48 लाख रुपए है।

एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने गुडवर्क करने वाली टीम को ढाई हजार इनाम की घोषणा की है। पुलिस टीम में मंडी चौकी प्रभारी प्रेम राम विश्वकर्मा, एसओजी प्रभारी राजेश जोशी, कांस्टेबल अमर सिंह, मो. अजहर, संतोष बिष्ट, भूपेन्द्र ज्येष्ठा और अरुण राठौर थे।

अनपढ़ थे, अमीर बनना चाहते थे

हल्द्वानी : तस्लीम की उम्र 36 और मोहम्मद राशिद महज 25 साल का है। दोनों ने पुलिस को बताया कि वह पढ़े-लिखे नहीं है। इस वजह से उन्हें कोई ठीक काम नहीं मिला। इसकी वजह से दिन-ब-दिन उनकी आर्थिकी बिगड़ती गई। जल्द अमीर बनने के लिए उन्होंने स्मैक तस्करी का रास्ता अपना लिया। हालांकि पुलिस को आरोपियों की थ्यौरी पर भरोसा नहीं है। पुलिस का मानना है कि आरोपी लंबे समय से तस्करी में जुटे थे और उन पर कई मुकदमे हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

नाइजीरियाई सेना ने बोको हराम के 50 से अधिक आतंकवादी मारे

अबूजा, एजेंसी : नाइजीरिया की सेना ने देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमलों के जवाब में बोको हराम के 50 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के प्रवक्ता सानी उबा ने एक बयान में कहा कि आतंकवादियों ने गुरुवार तड़के बोर्नो और योबे राज्यों में सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमले किए। इसमें कहा गया है कि जमीनी और हवाई हमलों के संयोजन से सेना को उन चरमपंथियों को शिकस्त देने में मदद मिली, जिन्होंने उत्तरी कैमरून और योबे राज्य में स्थित कतार्को गांव से हमले शुरू किए थे।

वेनेजुएला में विमान दुर्घटना में दो लोगों की जान गई

कराकस, एजेंसी : पश्चिमी वेनेज़ुएला राज्य ताचिरा के पैरामिलो हवाई अड्डे पर बुधवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गयी। वेनेजुएला के राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संस्थान (आईएनएसी) ने यह जानकारी दी है। आईएनएसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "संबंधित प्रोटोकॉल तुरंत सक्रिय कर दिए गए और हवाई अड्डे के विमानन अग्निशामकों ने दुर्घटना पर तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। एजेंसी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

शेख सालेह बिन फौजान अल फौजान नए ग्रैंड मुफ्ती नियुक्त

दुबई, एजेंसी : सऊदी अरब ने बुधवार देर रात शेख सालेह बिन फौजान अल फौजान को देश का नया ग्रैंड मुफ्ती नियुक्त किया। सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार 90 वर्षीय शेख सालेह ने यह पदभार ग्रहण कर लिया है। खबर में बताया गया कि यह निर्णय शाह सलमान ने अपने बेटे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की सिफारिश पर लिया।

चाइनीज मांझे से युवक की गर्दन कटी, पत्नी के सामने गई जान

संवाददाता, रोजा/शाहजहांपुर

अमृत विचार: भैयादूज के दिन खुशियों को मातम में बदल देने वाला दर्दनाक हादसा रोजा क्षेत्र में हुआ। ससुराल जा रहे एक युवक की गर्दन चाइनीज मांझे से कट जाने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी के सामने ही युवक ने दम तोड़ दिया।

कांट थाना क्षेत्र के नगला जाजू निवासी 25 वर्षीय रवि शर्मा अपनी पत्नी मोनी को लेकर लखीमपुर खीरी स्थित ससुराल जा रहे थे। जैसे ही वे लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हांडा कॉलोनी के सामने पहुंचे, चाइनीज मांझा रवि की गर्दन में फंस गया। उन्होंने बाइक रोकने की कोशिश की लेकिन मांझे ने गर्दन बुरी तरह काट दी और दंपती सड़क पर गिर पड़े।

पत्नी मोनी ने बताया कि वे चार माह के बेटे को घर पर छोड़कर मायके जा रही थीं। पति ने कहा था कि शाम तक लौट आएंगे। बाइक पर रवि हेलमेट पहने हुए थे, पर चाइनीज मांझा इतनी तेजी से गर्दन में लिपटा कि बचाव का मौका ही नहीं मिला। रवि की गर्दन से खून बहता देख पत्नी ने बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही क्षणों में उसने पति को खो दिया।

रवि शर्मा।

रवि के चचेरे भाई अवनीश शर्मा ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही से यह तीसरी मौत है। सरकार ने प्रतिबंध लगाया, फिर भी शहर की दुकानों पर खुलेआम चाइनीज मांझा बिक रहा है। इसी लापरवाही ने हमारे भाई की जान ले ली। बता दें कि करीब नौ माह पहले गर्रा पुल के पास भी एक सिपाही की गर्दन चाइनीज मांझे से कटने पर मौत हुई थी। वह अमरोहा का रहने वाला था और अभियोजन सेल में तैनात था।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि हादसा चाइनीज मांझे से हुआ है

नाइजीरिया में तेल टैंकर में विस्फोट से 42 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी: मध्य नाइजीरिया में एक तेल टैंकर में हुए विस्फोट में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गयी है। एक सहायताकर्मी ने बीबीसी को यह जानकारी दी। नाइजर राज्य आपातकालीन सेवा के प्रमुख अब्दुल्लाही बाबा आरा ने बीबीसी को बताया कि हादसे में 52 अन्य लोग को चोटें आयी हैं, जिनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण पलटे हुए टैंकर से तेल इकट्ठा करने के लिए दौड़े, जिसमें अचानक विस्फोट हो गया और भीषण आग लग गयी। भीषण आग में कई लोग बुरी तरह जल गये और उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया और घायलों को इलाज के लिए पास के एक अस्पताल ले जाया गया।

प्रदेश में कई शहरों की हवा हुई जहरीली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में दिवाली बाद वायु प्रदूषण चरम पर है। कई शहरों की हवा जहरीली हो गई है। राज्य के दस प्रमुख शहरों की एक्यूआई की स्थिति तो चिंताजनक है। इनमें लखनऊ, मेरठ, मुज्जफरनगर, हापुड़, बुलंदशहर, मुरादाबाद, कानपुर, प्रयागराज, आगरा व बरेली शामिल हैं।

खासकर दिल्ली से सटे उप्र. के शहरों में वायु प्रदूषण का संकट गहराया हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आबोहवा ज्यादा बदतर है। दरअसल, प्रदेश के कई शहरों में दीपावली पर दो दिन तक हुई आतिशबाजी ने हवा में जहर घोल दिया है। इस कारण प्रदूषण इस कदर

● **लखनऊ, मुरादाबाद, कानपुर आगरा, बरेली, मेरठ, प्रयागराज व अन्य शहरों में चिंताजनक**

बढ़ा कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दो दिन में ही काफी बढ़ गया है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। दिल्ली से सटे यूपी के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता की स्थिति गंभीर हो गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की साइट पर दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को मेरठ में सुबह 10 बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 332, हापुड़ का 244, बुलंदशहर का 214 व लखनऊ का 211, मुरादाबाद का 185, कानपुर का 183, प्रयागराज का 175, आगरा का 173 व बरेली का एक्यूआई 153 दर्ज किया गया है।

पॉल कपूर ने सहायक सचिव के रूप में शपथ ली

वाशिंगटन, एजेंसी: भारतीय-अमेरिकी लेखक और सुरक्षा विशेषज्ञ पॉल कपूर ने अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के नए सहायक सचिव के रूप में आधिकारिक तौर पर शपथ ली है। बुधवार देर रात ब्यूरो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से उनके शपथ ग्रहण करने की घोषणा की। आज सुबह डॉ. कपूर को दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव के रूप में आधिकारिक रूप से शपथ दिलाई गई। सहायक सचिव के रूप में कपूर भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में अमेरिका की कूटनीतिक भागीदारी तथा रणनीतिक साझेदारी से जुड़े मामलों को देखेंगे।

पत्नी के फांसी लगाने पर पति ने शारदा में लगाई छलांग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: पति-पत्नी के बीच चल रहे घरेलू कलह में गुरुवार को एक ओर पत्नी ने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, वहीं घटना से आहत पति ने थाना खमरिया क्षेत्र में ऐरा पुल से शारदा नदी में छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और एनडीआरएफ की टीम युवक की तलाश कर रही है, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका है। घटनाओं से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

बताया जाता है कि कोतवाली क्षेत्र के कहारनपुरवा मजरा बम्हौरी निवासी गोलू उर्फ रामनिवास का अपनी पत्नी पूनम उर्फ पूना देवी (26) से लंबे समय से विवाद चल रहा था। आए दिन के झगड़ों से परेशान पत्नी ने गुरुवार तड़के करीब तीन बजे अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों ने पूनम को फंदे पर झूलता देखा तो चीख-पुकार मच गई। पत्नी की मौत की खबर सुनकर गोलू उर्फ रामनिवास गहरे सदमे में चला गया। उसने घर से निकलकर खमरिया थाना क्षेत्र के ऐरा पुल पर पहुंचकर शारदा नदी में छलांग लगा दी। देखते ही देखते वह पानी में समा गया। सूचना पर परिवार के लोग और पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी नदी में तलाश कराई, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। कुछ घंटों बाद पहुंची एनडीआरएफ की टीम मोटर बोट के साथ नदी में उतरी और उसकी तलाश शुरू कर दी है।

प्रतिबंधित दवाइयां देकर बहू की हत्या

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : ससुरालियों ने कम दहेज लाने पर बहू को प्रतिबंधित दवाइयां देकर मौत के घाट उतार दिया। आरोप था कि शादी के बाद से ही ससुराली एक करोड़ रुपये और कार लाने का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

आवास विकास निवासी बलराम अग्रवाल ने बताया कि उसकी बेटी ज्योति अग्रवाल का विवाह 22 अप्रैल 2023 को प्रतापपुर नानकमत्ता निवासी दीपांशु मित्तल के साथ बड़ी धूमधाम के साथ किया था। शादी के कुछ माह बाद ही पति दीपांशु मित्तल, सास इंदु मितल, ससुर सुनील मित्तल, ननद दिव्यांशी व जेठ हिमांशु मित्तल कम दहेज लाने का ताना मारने लगे और एक करोड़ रुपये, एक फॉर्च्यूनर कार की डिमांड करने लगे। शादी के बाद बेटी ने पुत्री को जन्म दिया।

इसके बाद ससुराल वाले बेटा नहीं होने का भी ताना मारने लगे। आरोप था कि पुनः लड़की होने पर बेटी का गर्भपात करवा दिया गया। तब से ही बेटी की हालत बिगड़ने लगी। जब बेटी को नोएडा अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों ने बताया कि ज्योति की घातक दवाइयां देकर उसकी हालत बिगाड़ी गई है। 10 जुलाई को विवाहिता की हालत बिगड़ी और 11 जुलाई को उपचार के दौरान बेटी ने दम तोड़ दिया।

ज्योति पर मढ़ा था नशा करने का आरोप

रुद्रपुर : पिता बलराम अग्रवाल ने अपनी तहरीर में जिक्र किया है कि उसकी बेटी पढ़ी लिखी थी और इकलौती होने के कारण बेहद ही लाड़ली थी, लेकिन चार जुलाई 2025 को ससुरालियों ने यह बताया कि ज्योति अजीब व्यवहार कर रही है और उसे नशा मुक्ति केंद्र नोएडा ले जाया जा रहा है। तो यह अकल्पनीय लांछन सुनकर बड़ी हैरानी हुई, क्योकि ज्योति बेहद सुलझी हुई लड़की थी, जबकि मेडिकल परीक्षण में ब्रेन ब्लीडिंग की पुष्टि हुई। साथ ही डॉक्टरों ने यह भी पुष्टि की थी कि हालत नशे की वजह से नहीं, बल्कि गलत दवा देकर ब्रेन ब्लीडिंग होना बताया।

ज्योति।

पश्चिमी हथियारों से यूक्रेनी हमलों के खिलाफ रूस की प्रतिक्रिया जोरदार होगी: पुतिन

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि अगर यूक्रेन को रूस के भीतर तक हमला करने के लिए टॉमहॉक क्रूज मिसाइल जैसे लंबी दूरी के हथियार दिए जाते हैं तो रूस की प्रतिक्रिया जोरदार और चौंकाने वाली होगी। पुतिन ने रूसी भौगोलिक सोसायटी की यहां 17वीं कांग्रेस के मौके पर टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में यह टिप्पणी की।

पुतिन ने बुडापेस्ट वार्ता के रद्द होने, रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए जाने और रूसी क्षेत्र में अंदर तक हमला करने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा लंबी दूरी के हथियार प्राप्त किए जाने की संभावना से जुड़े संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए यह कहा। उन्होंने नाराजगी जताते हुए ताजा प्रतिबंधों को रूस पर दबाव बनाने का एक और प्रयास बताया। पुतिन ने कहा कि कोई भी स्वाभिमानी देश बाहरी दबाव के आगे नहीं झुक सकता, खासकर रूस जैसा देश कभी नहीं। उन्होंने याद दिलाया

● **रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर नए प्रतिबंध से पुतिन खफा**

कि रूस पर अधिकतर अमेरिकी प्रतिबंध (अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में पहले कार्यकाल में लगाए गए थे। पुतिन ने कहा कि 16 अक्टूबर को फोन पर बातचीत के दौरान बुडापेस्ट में एक बैठक का प्रस्ताव ट्रंप ने ही रखा था कि हमारा मानना है कि इसे रद्द नहीं बल्कि स्थगित किया गया है।

पुतिन ने दोनों पक्षों के पर्दे के पीछे संपर्क बनाए रखने का संकेत देते हुए कहा किहमारा मानना है कि बातचीत किसी विवाद या युद्ध से बेहतर है। उन्होंने चेतावनी दी कि रूसी कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध अमेरिकी उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालेंगे जिन्हें वैश्विक तेल की आसमान छूती कीमतों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

नेता की हत्या के विरोध में काले कपड़े पहनकर जताया विरोध

कोलंबो,एजेंसी: श्रीलंका की मुख्य विपक्षी पार्टी समागी जना बालवेगया (एसजेबी) ने स्थानीय परिषद के अध्यक्ष की हत्या पर सरकार की असंवेदनशील प्रतिक्रिया को लेकर गुरुवार को संसद में काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन किया।

दक्षिणी मटारा जिले में वेलिगामा स्थानीय प्राधिकरण के प्रमुख लासांथा विक्रमसेकरा की मंगलवार को उनके कार्यालय में एक अज्ञात बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना एक वर्ष पहले नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार के सत्ता में आने के बाद पहली राजनीतिक हत्या है।

पुलिस बल के प्रभारी सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री आनंद विजेपाला ने बुधवार को संसद को बताया कि विक्रमसेकरा का आपराधिक अतीत था और उनके अंडरवर्ल्ड से संबंध थे। उन्होंने कहा कि विक्रमसेकरा के खिलाफ छह अदालती मामले लंबित हैं और पहले भी उन्हें सजा सुनाई गई थी। विजेपाला की टिप्पणी की विपक्षी सदस्यों ने तीखी आलोचना की। एसजेबी ने विजेपाला पर स्थानीय परिषद के अध्यक्ष को अपराधी बताने का आरोप लगाया। एसजेबी सांसद मुजीबर रहमान ने मंत्री की टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि विक्रमसेकरा जनता के वोटों से अध्यक्ष बने थे। विजेपाला ने कहा कि विक्रमसेकरा की हत्या एक गिरोह की प्रतिद्वंद्विता का परिणाम थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत

ई- निविदा सूचना सं0- 05/अधि0/अभि0/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत के अंतर्गत सड़क गड्ढामुक्ति, शारदा सागर जलाशय की जगल सफाई, सीपेज ड्रेन सफाई व वी0आर0बी0 पुर्ननिर्माण हेतु निम्नलिखित निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से दिनांक 30.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से भरी जायेंगी एवं ई-टेण्डरिंग से प्राप्त निविदायें अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में मुख्य अभियन्ता महोदय (शारदा), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, बरेली द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक 30.10.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से ऑनलाइन खोली जायेंगी। आमंत्रित निविदायें दिनांक 25.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 30.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है।

लाट सं0	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत जी0एस0टी रहित (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख में) (@2% paid online)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0 में) (paid online)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
01	जनपद-पीलीभीत के अंतर्गत शारदा सागर जलाशय के किमी0 0.000 से किमी0 4.950 तक की सड़क की गड्ढामुक्ति का कार्य।	33.00	0.66	15 दिवस	300+54+ 500= 854	बी व उच्च
02	जनपद-पीलीभीत के अंतर्गत शारदा सागर जलाशय के किमी0 5.000 से किमी0 10.000 तक की सड़क की गड्ढामुक्ति का कार्य।	32.10	0.65	15 दिवस	300+54+ 500= 854	बी व उच्च
03	जनपद-पीलीभीत के अंतर्गत शारदा सागर डैम के किमी0 0.000 से किमी0 10.000 तक जंगल सफाई का कार्य।	3.10	0.065	15 दिवस	150+27+ 500= 677	सी व उच्च
04	जनपद-पीलीभीत के अंतर्गत शारदा सागर डैम के किमी0 10.000 से किमी0 20.000 तक जंगल सफाई का कार्य।	6.05	0.125	15 दिवस	225+41+ 500= 766	सी व उच्च
05	जनपद-पीलीभीत के अंतर्गत शारदा सागर डैम पर सीपेज लॉन्ग ड्रेन किमी0 10.00 से किमी0 17.200 तक सफाई का कार्य।	3.30	0.07	15 दिवस	150+27+ 500= 677	सी व उच्च
06	न्यूरिया ड्रेन के किमी0 5.555 पर स्थित वी0आ0बी0 के पुर्ननिर्माण का कार्य।	12.00	0.24	60 दिवस	300+54+ 500= 854	सी व उच्च
07	कल्यानपुर ड्रेन के किमी0 0.757 पर स्थित वी0आ0बी0 के पुर्ननिर्माण का कार्य।	10.00	0.20	60 दिवस	300+54+ 500= 854	सी व उच्च

एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा। कार्यालय बन्द होने की दशा में यह ई-निविदा अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेंगी। निविदा नोटिस प्रपत्र एवं शर्तो की जानकारी http:/etender.up.nic.in व विभागीय बेवसाईट http:/idup.gov.in पर उपलब्ध है।

नोट- 1. पेन्टिंग के कार्यो में मैक्सफाल्ट / इमलशन ठेकेदार को स्वयं क्रय करना होगा जिसकी सी0आर0सी (इनवायस) भुगतान से पूर्व कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
2. जी0एस0टी0 नियमानुसार ठेकेदार को देय होगी।

अधिशासी अभियन्ता
शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत।

UP-239182 दिनांक 18.10.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

राजाजी टाइगर रिजर्व में सफारी 19 नवंबर से

देहरादून, अमृत विचार : वन विभाग ने राजाजी टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सफारी 19 नवंबर से शुरू होगी । इसके लिए सफारी वाहन स्वामियों से 25 अक्टूबर तक आवेदनपत्र वेबसाइट या कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। वन अधिकारियों के अनुसार, राजाजी टाइगर रिजर्व हर वर्ष जंगल सफारी के लिए 15 नवंबर को खोला जाता है। पर्यटक जंगल सफारी का आनंद 15 जून तक ले सकते हैं। पार्क प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बढ़ते कदम

मुख्यमंत्री की पहल से करोड़ों के निवेश पाइपलाइन में, जल्द धरातल पर उतरेंगे प्रोजेक्ट

औद्योगिक विकास को नई दिशा दे रही फोकस डेस्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश अब केवल देश का सबसे बड़ा राज्य नहीं, बल्कि भारत का सबसे तेजी से उभरता निवेश केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से नवाचारपूर्ण प्रयासों को निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में गठित फोकस सेक्टर डेस्क ने निवेश प्रक्रिया को न सिर्फ सरल बनाया, बल्कि औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थापित फोकस सेक्टर डेस्क के जरिये प्रदेश में टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में करोड़ों रुपये के निवेश प्रस्ताव पाइपलाइन में हैं। ये प्रोजेक्ट जल्द ही धरातल पर उतरने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। योगी सरकार की पारदर्शी नीति, तेज मंजूरी प्रक्रिया और निवेशक-हितैषी वातावरण ने उत्तर प्रदेश को औद्योगिक विकास का नया मॉडल बना दिया है।

● **टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और जीसीसी सेक्टर में खुली विकास की राह**

टेक्सटाइल सेक्टर में आईटीटीए, एईपीसी, सीआईआई, सीआईटीआई और एनआईटीआरए जैसी संस्थाओं के सहयोग से ग्रासिम, ट्राइडेंट, रिलायंस, जीईएसएल और श्याम संस जैसी कंपनियां निवेश कर रही हैं। वहीं, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में एसआईएएम, एसीएमए, एसएमईवी, और एआरएआई के साथ अशोक लेलैंड, मिंडा और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियों के प्रोजेक्ट मंजूरी के दौर में हैं। केमिकल सेक्टर में रिलायंस इंडस्ट्रीज और दीपक नाइट्राइट जैसे बड़े समूह निवेश की तैयारी में हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में डिक्सन, एम्बर, एचसीएल-फॉक्सकॉन, हायर और एलजी जैसी कंपनियों की परियोजनाएं प्रदेश को भारत का अगला टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग हब बना रही हैं।

नैसकॉम के सहयोग से एडोब, एएमडी और जेपी मॉर्गन जैसी ग्लोबल कंपनियां उत्तर प्रदेश में अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। इससे प्रदेश को विश्वस्तरीय साझेदारी और डिजिटल अर्थव्यवस्था में नई पहचान मिल रही है। योगी सरकार के विजन और इन्वेस्ट यूपी की रणनीति ने प्रदेश में औद्योगिक विस्तार और लाखों रोजगार सृजन की संभावनाओं को नया बल दिया है। आने वाले समय में ये निवेश उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भरता और औद्योगिक नेतृत्व की दिशा में और आगे ले जाएंगे।

तेजस्वी इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार, एनडीए के नेताओं ने कसे तंज

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने की घोषणा, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी होंगे उपमुख्यमंत्री का चेहरा

पटना, एजेंसी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके साथ गठबंधन में एक बड़ी कशमकश की वजह बना मुद्दा निपट गया। हालांकि राजग के कई नेताओं ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने पर तंज कसे हैं।

विपक्षी गठबंधन के सभी सहयोगी दलों की उपस्थिति में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि यह निर्णय उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की सहमति से लिया गया है। गहलोत ने यह भी बताया कि यदि 'इंडिया' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की सरकार बनती है तो विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी एक उपमुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने कहा कि सहनी के साथ पिछड़े वर्ग से आने वाले एक अन्य नेता को भी उपमुख्यमंत्री पद दिया जाएगा।

बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने इसके बाद आरोप लगाया कि राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने दबाव डालकर अपने बेटे तेजस्वी को महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करवाया है। भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चौधरी ने कहा कि आज लोकतंत्र और बिहार को शर्मसार करने वाला दिन है। उन्होंने आरोप लगाया, लालू यादव ने जैसे 15 साल तक बिहार में राज किया, वैसे ही अब अपने गठबंधन में गुंडागर्दी कर सभी सहयोगी दलों पर दबाव बनाकर अपने बेटे को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कराया है।

बिहार चुनाव

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने तेजस्वी को किया मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित।

इंडिया के दो उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया, कई सीटों पर अब भी आमने-सामने

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के दो उम्मीदवारों ने बृहस्पतिवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। नवादा जिले के वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार सतीश कुमार और मधुबनी जिले के बाबूबरही सीट से विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) की उम्मीदवार बिंदु गुलाब यादव ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। इस घटनाक्रम के बाद वारसलीगंज से राजद की अनीता और बाबूबरही से राजद के अरुण कुमार सिंह 'महागठबंधन' के अधिकृत उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि कई सीटों पर 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल कांग्रेस, राजद और वामपंथी पार्टियां आपस में भिड़ने की स्थिति में हैं, क्योंकि सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक मतभेद अब भी समाप्त नहीं हो पाए हैं।

महिलाओं के लिए की गई तेजस्वी की घोषणाओं पर तेज हुई सियासी जंग

नीतीश ने किया कटाक्ष... बिहार के लोग जानते हैं कि किसने किया असली काम

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और उन पर खोखले वादों से महिलाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। नीतीश ने कहा कि बिहार के लोग जानते हैं कि उनके लिए असली काम किसने किया है। तेजस्वी का नाम लिए बगैर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, बिहार की जनता ने उन्हें मौका दिया था, लेकिन उन्होंने जनता की सेवा करने के बजाय सत्ता का उपयोग अपने निजी हितों के लिए किया। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उस वक्त आई जब एक दिन पहले तेजस्वी यादव ने अनुबंधित कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने और जीविका स्व-सहायता समूहों से जुड़ी करीब दो लाख कम्युनिटी मोबिलाइज़र महिलाओं का मासिक मानदेय बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने का वादा किया था। नीतीश ने कहा, कुछ लोग चुनाव के ठीक पहले खुद को जीविका दीदियों और बिहार की आधी आबादी का मसीहा बताने की कोशिश कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि 'जीविका दीदियों' के नाम पर वे अपने परिवार की रोजी-रोटी तलाश रहे हैं।

यह नीतीश का आखिरी चुनाव, सबको साथ लेकर बनाएंगे नया बिहार: तेजस्वी

पटना। महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित होने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि मौका मिलने पर वह सभी वर्गों को साथ लेकर नया बिहार बनाएंगे। उन्होंने यह दावा भी किया कि गृह मंत्री अमित शाह ने यह फैसला कर लिया है कि अब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं होंगे तथा यह उनका आखिरी चुनाव होगा। महागठबंधन ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए जाने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, यह हमारे लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं था, लेकिन चूंकि मीडिया में कई तरह की अटकलें चल रही थीं, इसलिए हमने इसे स्पष्ट करना जरूरी समझा। उन्होंने कहा, महागठबंधन ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, उसके लिए मैं सभी दलों का आभारी हूं। यह भरोसा बिहार की जनता का भी है। अब हमारा एक ही लक्ष्य है :20 साल पुरानी निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकना। तेजस्वी यादव ने दावा किया, भाजपा नीतीश जी के साथ अन्याय कर रही है। अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि नीतीश जी मुख्यमंत्री नहीं होंगे।

मैथिली की सभा में पाग के अपमान पर मचा घमासान, निंदा प्रस्ताव रखा

दरभंगा। दरभंगा के अलीनगर में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में यूपी की बलिया की महिला विधायक केतकी सिंह द्वारा मिथिला के गौरवशाली धरोहर एवं संस्कृति के प्रतीक पाग के अपमान पर बवाल मच गया है। केतकी सिंह ने एक चुनावी सभा में पाग को यह कहकर फेंक दिया कि यह मिथिला का सम्मान नहीं है। मिथिला का सम्मान मैथिली ठाकुर है।

इसके बाद विद्यापति सेवा संस्थान ने निंदा प्रस्ताव पारित कर भाजपा आलाकमान से उनके खिलाफ कठोर अनुशासनिक कार्रवाई करने एवं सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करने की मांग की है। मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पंडित कमला कांत झा की अध्यक्षता में गुरुवार को संस्थान के कार्यालय में आहूत बैठक में लाए गए निंदा प्रस्ताव का समर्थन करते हुए महासचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि मिथिला की गौरवशाली सांस्कृतिक प्रतीक पाग का सरेआम अपमान करने से करोड़ों मिथिलावासियों की भावना आहत हुई है। उन्होंने उनके द्वारा किए गए इस कुकृत्य को जघन्य अपराध बताते हुए कठोर अनुशासनिक कार्रवाई करने की मांग की है। मिथिलांचल राज्य की मांग करने वाली संस्था विद्यापति सेवा संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. बुचरू पासवान ने कहा कि मिथिला में पाग का स्थान सर्वोपरि है। यह मिथिलावासी के मान, गुमान और सम्मान से जुड़ा हुआ है।

राजग के विकास और महागठबंधन के विनाश के बीच मुकाबला : नड्डा

औरंगाबाद (बिहार), एजेंसी

● भाजपा अध्यक्ष ने औरंगाबाद में जनसभा को किया संबोधित

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विकास और 'इंडिया' गठबंधन के 'विनाश' के बीच की लड़ाई है। औरंगाबाद की जनसभा में नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधा और उसे ऐसी परजीवी पार्टी बताया, जो अपने छोटे सहयोगी दलों को समाप्त कर देती है।

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी रंगदारी, जंगलराज और दबंगई की प्रतीक है। नड्डा ने महागठबंधन द्वारा तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने पर कहा कि बिहार की जनता राजद और कांग्रेस के शासनकाल के इतिहास से वाकिफ़ है। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि वह दौर अराजकता, जंगलराज और विकास की राह में रुकावटों का दौर था, जिसने बिहार को दशकों पीछे धकेल दिया। महागठबंधन सिर्फ सत्ता के लिए बनाया गया अपवित्र गठबंधन है, जो राज्य के लिए केवल विनाश लाएगा। नड्डा ने तेजस्वी यादव द्वारा युवाओं को रोजगार देने और पलायन रोकने के वादे पर तंज कसते हुए कहा कि राजद की ऐसी घोषणाएं भूमि के बदले नौकरी घोटाले की याद दिलाती हैं। उन्होंने राजद के इस चुनावी वादे की आलोचना की कि बिहार के हर परिवार को सरकारी नौकरी दी जाएगी। नड्डा ने सवाल उठाया कि इसके लिए धन कहां से आएगा और वेतन कैसे दिया जाएगा।

तेजस्वी के वादे जमीन छीनने की साजिश

पटना। भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने तेजस्वी यादव के चुनावी वादों को अव्यावहारिक करार देते हुए दावा किया कि राजद लोगों को सरकारी नौकरी देने के बहाने उनकी जमीन छीनने की साजिश रच रहा है। उन्होंने ये टिप्पणी राजद शासनकाल के दौरान भूमि के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए की। भाजपा नेता ने कहा कि तेजस्वी यादव ने राज्य के 2.6 करोड़ परिवारों में से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। इसके लिए 12 लाख करोड़ रुपये की जरूरत होगी, जबकि बिहार का कुल बजट तीन लाख करोड़ है। ऐसे में वे यह वादा कैसे पूरा करेंगे?

महागठबंधन का साझा घोषणापत्र होगा जारी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन की तरफ से साझा घोषणापत्र अगले हफ्ते पटना में जारी किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार 28 अक्टूबर को महागठबंधन का साझा घोषणापत्र जारी किया जा सकता है जिसमें महिलाओं पर विशेष फोकस किया गया है। सूत्रों का कहना है कि इसके साथ ही नौकरी, पलायन और रोजगार पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। महागठबंधन के साझा संकल्प पत्र में इस बार 'आर्थिक न्याय' पर विशेष ध्यान देने की तैयारी है। साथ ही इसमें रोजगार, शिक्षा, महिलाओं

नेशनल ब्रीफ

कर्नाटक में बैलों को काबू करने के खेल के दौरान चार की मौत

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले में बृहस्पतिवार को बैलों को काबू करने के खेल के दौरान अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहली मौत हावेरी तालुका में, दूसरी तिलावल्ली में, तीसरी देवीहोसुर गांव में और चौथी हंगल में हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों में से दो की पहचान चंद्रशेखर कोडिहल्ली और गनीसाब के रूप में हुई है, जिनकी उम्र लगभग 70 साल थी। कर्नाटक में सांडों को काबू करने के खेल को 'होरी हब्बा' के नाम से जाना जाता है। यह एक पारंपरिक ग्रामीण खेल है, जिसमें प्रतिभागी दिवाली के त्योहार के दौरान सजाए गए बैलों से बंधे पुरस्कारों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। पुलिस के अनुसार, मौतों के संबंध में अलग-अलग मामले दर्ज कर लिए गए हैं और इनकी जांच की जा रही है।

तैराकी के अभ्यास के दौरान एनडीए कैडेट की डूबने से मौत

पुणे। पुणे के खड़कवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 18 वर्षीय कैडेट की बृहस्पतिवार को तैराकी के अभ्यास के दौरान डूबकर मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया, "यह घटना शाम को लगभग पांच बजे प्रशिक्षकों की देखरेख में कमजोर तैराकों के लिए आयोजित तैराकी अभ्यास के दौरान हुई। प्रशिक्षु स्विमिंग पूल के किनारों पर तैर रहे थे। इस दौरान कैडेट आदित्य दी यादव को पानी में बेसुध अवस्था में पाया गया। दो लाइफ गार्ड तुरंत पूल में उतरे और आदित्य को बाहर निकाला।" अधिकारी के मुताबिक, आदित्य को पहले घटनास्थल पर और फिर एमएच खड़कवासला में तुरंत सीपीआर व अन्य चिकित्सा सहायता दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। अधिकारी के अनुसार, घटना के सही कारण का पता लगाने के लिए औपचारिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

चौथे दिन भी बेहद खराब श्रेणी रही दिल्ली की वायु गुणवत्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बृहस्पतिवार को तेज सतही हवाओं की वजह से मामूली सुधार हुआ, लेकिन लगातार चौथे दिन भी यह बहुत खराब श्रेणी में बनी रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम चार बजे 305 रहा। आनंद विहार में एक्यूआई 410 दर्ज किया गया जो सभी निगरानी केंद्रों में सबसे अधिक है। सीपीसीबी द्वारा बनाए गए समीर ऐप के अनुसार, शहर भर के 38 निगरानी केंद्रों में से 23 ने बहुत खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की, जबकि 14 खराब श्रेणी में रहे। दिल्ली बृहस्पतिवार को देश का पांचवां सबसे प्रदूषित शहर रहा, जबकि हरियाणा का बहादुरगढ़ 325 एक्यूआई के साथ शीर्ष स्थान पर रहा।

राज्यसभा चुनाव में नेका का समर्थन करेगी कांग्रेस-पीडीपी

श्रीनगर। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके छह विधायक जम्मू-कश्मीर में चार राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवारों को वोट देंगे। कांग्रेस ने कहा कि उसने सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ अपने मतभेदों को अधिक तवज्जो नहीं देने का फैसला किया है। नेकां के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को लिखे एक पत्र में, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने कहा कि पार्टी ने शुक्रवार को होने वाले राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवारों का समर्थन करने का फैसला किया है। पीडीपी ने भी बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस को एक दिन बाद होने वाले राज्यसभा चुनाव में समर्थन देने की घोषणा की और कहा कि वह फासीवादी ताकतों को रोकना चाहती है।

कोर्ट की अनुमति बगैर नाबालिग की संपत्ति नहीं बेच सकते अभिभावक

ऐसे हस्तांतरण को नामंजूर करने के लिए मुकदमे की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों से जुड़े संपत्ति लेनदेन पर महत्वपूर्ण फैसले में व्यवस्था दी है कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वयस्क होने पर अपने स्वाभाविक अभिभावकों द्वारा अदालत की मंजूरी के बिना संपत्ति हस्तांतरण को अस्वीकार करने के लिए मुकदमा दायर करने की जरूरत नहीं है।

शीर्ष अदालत ने 7 अक्टूबर को कहा कि कोई नाबालिग वयस्क हो जाता है, तो वह अभिभावक द्वारा संपत्ति के हस्तांतरण को अस्वीकार कर सकता है, जैसे कि उस संपत्ति को स्वयं बेच देना या किसी को स्थानांतरित कर देना। यह फैसला न्यायमूर्ति पंकज मिथल और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने केएस शिवप्पा बनाम श्रीमती के नीलाम्मा मामले में सुनाया। न्यायमूर्ति मिथल ने कहा कि सुरक्षित निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नाबालिग के अभिभावक द्वारा निष्पादित 'अमान्य करने योग्य' (वॉयडेबल) लेनदेन को वह नाबालिग वयस्कता हासिल करने पर ऐसे लेनदेन को निरस्त करने के लिए मुकदमा दायर करके या निर्विवाद प्रवर्तन से अस्वीकार कर सकता है।

प्रश्न ये था कि क्या नाबालिगों के लिए यह जरूरी है कि वे अभिभावक द्वारा निष्पादित पूर्व विक्रय विलेख को रद्द कराने को वयस्क होने पर तय समयावधि में वाद दायर करें। प्रश्न ये है कि क्या वयस्क होने के तीन वर्ष के भीतर उनके आचरण से इस तरह के विक्रय विलेख को अस्वीकृत किया जा सकता है।

● कर्नाटक के एक संपत्ति विवाद के मामले में सुनाया फैसला

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

पीठ ने हिन्दू अप्राप्तवयता संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा 7-8 का हवाला दिया। कहा, नाबालिग के अभिभावक को अदालत की अनुमति बिना उसकी संपत्ति के किसी भी हिस्से को बंधक रखने, बेचने, उपहार देने या अन्य प्रकार से हस्तांतरित करने या यहां तक कि ऐसी संपत्ति के किसी भी हिस्से को पांच साल से अधिक अवधि के लिए या उसके वयस्क होने की तारीख से एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए पट्टे पर देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

पिता ने बेच दिए थे बच्चों के नाम खरीदे दो भूखंड

यह विवाद कर्नाटक के दावणगेरे के शामनूर गांव में दो भूखंडों- संख्या 56 और 57 का था, जिसे 1971 में रुद्रप्पा ने अपने तीन नाबालिग बेटों, महारुद्रप्पा, बसवराज और मुंगेशप्पा के नाम खरीदा था। जिला अदालत से अनुमति लिए बिना, रुद्रप्पा ने ये प्लॉट बेच दिए। प्लॉट संख्या 56 एसआई बिदारी को बेचा और 1983 में बीटी जयदेवम्मा ने इसे खरीदा। नाबालिगों के वयस्क होने के बाद उन्होंने और उनकी मां ने 1989 में वही प्लॉट केएस शिवप्पा को बेचा। जयदेवम्मा के स्वामित्व के दावे वाले दीवानी मुकदमा अंतत: कर्नाटक हाईकोर्ट ने खारिज किया, जिसने नाबालिगों को स्वयं के बिक्री विलेख के माध्यम से पिता की बिक्री को अस्वीकार करने के अधिकार को बरकरार रखा। ऐसा लेन-देन प्लॉट संख्या 57 के साथ हुआ।

सीजेआई पर जूता फेंकने के मामले में सुनवाई 27 को

उच्चतम न्यायालय कार्यवाही के दौरान इस माह के प्रारंभ में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर जूता उछालने का प्रयास करने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना कार्रवाई संबंधी याचिका पर 27 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई 27 अक्टूबर की वाद सूची के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा दायर याचिका पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई होगी। छह अक्टूबर को 71 वर्षीय किशोर ने प्रधान न्यायाधीश की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया था।

पूर्व डीजीपी के बेटे की मौत की सीबीआई जांच की सिफारिश

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के पुत्र की मौत की सीबीआई जांच की सिफारिश की है। पूर्व डीजीपी को उनके बेटे की संदिग्ध मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। हाल ही में उनके खिलाफ इस मामले में केस दर्ज किया गया था।

सूत्रों ने कहा कि केंद्र द्वारा राज्य सरकार के अनुरोध को स्वीकार करने के बाद तफ्तीश की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंप दी जाएगी। हरियाणा पुलिस ने मुस्तफा और उनकी पत्नी एवं पंजाब की पूर्व मंत्री रज़िया सुल्ताना के खिलाफ उनके 35 वर्षीय पुत्र अकील अख्तर की मौत से संबंधित मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अख्तर को 16 अक्टूबर को हरियाणा के पंचकूला में उनके आवास पर मृत पाया गया था। इस मामले में अख्तर की पत्नी और बहन को भी नामजद किया गया है।

हत्या और आपराधिक साजिश के आरोप में प्राथमिकी 20 अक्टूबर को दर्ज की गई। इस बाबत पंजाब के मलेरकोटला के शमशुद्दीन ने अकील की मौत में साजिश का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पहले कहा था कि शिकायतकर्ता ने बताया कि अख्तर की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। शमशुद्दीन ने पंचकूला पुलिस को कहा कि वह इस परिवार को अच्छी तरह से जानता है। शिकायतकर्ता ने एक कथित वीडियो का हवाला दिया, जो अगस्त में अख्तर ने रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने अपने पिता और अन्य परिवार के सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

मुस्तफा 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वह पंजाब के डीजीपी (मानवाधिकार) रह चुके हैं, जबकि उनकी पत्नी राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री थीं। मुस्तफा ने अपने बेटे की मौत से जुड़े सभी आरोपों को पूरी तरह से गलत बताया है।

● हरियाणा सरकार का केंद्र को पत्र पूर्व डीजीपी पर दर्ज हुआ था केस

असमः आदिवासियों के लिए दो बच्चों की नीति की गई खत्म

गुवाहाटी। असम सरकार ने सरकारी नौकरी पाने के संबंध में आदिवासियों, चाय बागान में काम करने वाली जनजातियों, मोरान और मोटोक के लिए दो बच्चों के नियम को खत्म करने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि इन समुदायों को विलुप्त होने से बचाने के लिए उन्हें जनसंख्या नियंत्रण उपायों के दायरे से बाहर रखने का निर्णय लिया गया है। मंत्रिमंडल ने जनजाति, मोरान, मोटोक और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को जनसंख्या नीति के तहत बच्चों की संख्या दो तक सीमित करने के प्रावधान से छूट देने का फैसला किया है।

सीएमएस-03 उपग्रह का प्रक्षेपण नवंबर में

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख वी नारायणन ने बृहस्पतिवार को बताया कि संगठन ने अपने भारी-भरकम रॉकेट एलवीएम-3 के दो प्रक्षेपणों की योजना बनाई है, जो इस साल के अंत तक दो उपग्रहों सीएमएस-03 और निजी अमेरिकी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड को कक्षा में स्थापित करेंगे।

नारायणन ने कहा कि 30 जुलाई को प्रक्षेपित किया गया नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह अभी 'कैलिब्रेशन' चरण में है और 10-15 दिनों के भीतर यह सक्रिय हो जाएगा। उन्होंने कहा, उपग्रह बेहतर स्थिति में है और दोनों पेलोड अच्छी तरह काम कर रहे हैं। इसरो प्रमुख ने 'उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन 2025' की घोषणा के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अंतरिक्ष एजेंसी के भविष्य के मिशनों की जानकारी दी।

● इसरो प्रमुख नारायणन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

उन्होंने बताया कि गगनयान परियोजना पर 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है। नारायणन ने कहा, अगले महीने की शुरुआत में, हम सीएमएस-03 उपग्रह को स्थापित करने के लिए एलवीएम3-एम5 को प्रक्षेपित करेंगे। इसरो अधिकारियों के अनुसार, सीएमएस-03 जिसे जीसैट7-आर के नाम से भी जाना जाता है और इसे दो नवंबर को प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है। नारायणन ने कहा कि अमेरिकी कंपनी का 6.5 टन वजनी उपग्रह ब्लूबर्ड-6 इस वर्ष के अंत तक प्रक्षेपित किये जाने की उम्मीद है। इसरो प्रमुख ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें उपग्रह मिल गया है और हम प्रक्षेपण के लिए काम कर रहे हैं तथा प्रक्षेपण के लिए रॉकेट को तैयार किया जा रहा है। इसरो द्वारा प्रक्षेपित किये जाने वाले सबसे भारी वाणिज्यिक उपग्रहों में से एक, ब्लूबर्ड-6 को 19 अक्टूबर को अमेरिका से भारत लाया गया।

रक्षा मंत्रालय ने 79,000 करोड़ के खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की रक्षा खरीद परिषद की बैठक की अध्यक्षता

रक्षा मंत्रालय ने सेना की क्षमता को बढ़ाने के लिए नाग मिसाइलों, युद्धक जहाजों और इलेक्ट्रॉनिक खुफिया एवं निगरानी प्रणालियों सहित 79,000 करोड़ के हथियार और सैन्य साजो-सामान खरीदने के प्रस्तावों को गुरुवार को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की बैठक की अध्यक्षता की।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद खरीद पर यह दूसरा बड़ा फैसला है। 5 अगस्त को 67,000 करोड़ की खरीद को मंजूरी दी गई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि डीएसी ने 79,000 करोड़ रुपये की कुल लागत के विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी। भारतीय नौसेना के लिए, लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स (एलपीडी), 30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी), एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इन्फ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी दी गई। एलपीडी की खरीद से नौसेना को सेना और वायु सेना के साथ जल-थल अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी। नौसेना चार एलपीडी खरीदने पर विचार कर रही है।

दिल्ली में मुठभेड़ बिहार के चार वांछित अपराधी मारे गए

नई दिल्ली। रोहिणी इलाके में दिल्ली और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में चार वांछित अपराधी मारे गए। ये अपराधी बिहार में वसूली और हत्या के मामलों में संलिप्त थे।

जेसीपी क्राइम सुरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपियों में सीतामढ़ी जिले के रंजन पाठक, बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश सहनी, मनीष पाठक और अमन ठाकुर है, जो 'सिग्मा गिरोह' थे। सरगना रंजन पाठक पर 25,000 का इनाम था और वह आठ मामलों में वांछित था। पुलिस ने रंजन को खूंखार अपराधी बताते हुए कहा कि तीन महीन में वह वसूली व हत्या के चार मामलों से पांच में लिप्त रहा था।

संवैधानिक शासन प्रणाली में अदालतों की अपरिहार्य भूमिका

भूटान की आधिकारिक यात्रा पर गए सीजेआई गवई ने स्कूल ऑफ लॉ के कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

जनता के विश्वास को न्यायपालिका की 'सबसे मूल्यवान संपत्ति' बताते हुए सीजेआई बीआर गवई ने बृहस्पतिवार को कहा कि संवैधानिक शासन प्रणाली और संविधान के कार्यक्षेत्र को पूरा करने में न्यायालयों की सक्रिय एवं अपरिहार्य भूमिका है।

सीजेआई ने कहा कि संवैधानिक शासन में न्यायालयों की शायद सबसे स्थायी भूमिका कानून के शासन में जनता के विश्वास को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि न्यायालयों द्वारा दिए गए निर्णय, भले ही अलोकप्रिय हों, निष्पक्षता और नैतिक साहस को प्रतिबिंबित करने वाले होने चाहिए। भूटान की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए न्यायमूर्ति गवई ने रॉयल इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, थिम्पू में जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (जेएसडब्ल्यू) स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वक्तव्य दिया। उन्होंने 'न्यायालय और संवैधानिक शासन' विषय पर अपने संबोधन में न्यायालयों की सक्रिय भूमिका सहित कई पहलुओं पर प्रकाश डाला।

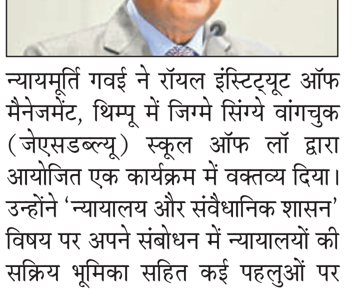

सीजेआई ने कहा, मैं आपको और ज्यादा उदाहरणों से बोझिल नहीं करूंगा, लेकिन मैं एक व्यापक बिंदु पर जोर देना चाहता हूं: किसी भी देश की अदालतों की संवैधानिक शासन प्रणाली में और संविधान के कार्यक्षेत्र को पूरा करने में एक सक्रिय एवं अपरिहार्य भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका इस प्रक्रिया में न केवल संवैधानिक पाठ की व्याख्या करके, बल्कि संस्थाओं के बीच मध्यस्थ, मौलिक अधिकारों के संरक्षक और पर्यावरण एवं सामूहिक कल्याण के रक्षक के रूप में भी योगदान देती है। उन्होंने कहा, इस प्रकार अदालतों की एक विशिष्ट स्थिति है, उन्हें संवैधानिक संतुलन बनाए रखने का कर्तव्य सौंपा गया है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि न्याय की भावना शासन में व्याप्त रहे।

शक्तियों का पृथक्करण लोकतंत्र का ढांचा है : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि शक्तियों का पृथक्करण भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का ढांचा है, वहीं न्यायिक समीक्षा इसकी धड़कन है। श्रीलंका के उच्चतम न्यायालय में 'जीवंत संविधान: भारतीय न्यायपालिका संविधानवाद को कैसे आकार देती है और उसकी रक्षा करती है' विषय पर व्याख्यान में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि देश ने शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का दृढ़तापूर्वक पालन किया है। उन्होंने कहा, भारत शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के अमल का एक शानदार उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसका एक प्रमुख उदाहरण उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में नियुक्तियों पर न्यायपालिका का अधिकार है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह तंत्र न्यायालय के अंदर और बाहर, दोनों जगह, प्रशासनिक कार्यक्षमता के संबंध में न्यायपालिका की स्वायत्तता को संरक्षित करता है।

अगर औरत आजाद नहीं हो सकती तो मर्द कभी आजाद नहीं हो सकता।

–इस्मत चुगताई, उर्दू साहित्यकार

वैश्विक उपलब्धि

देश वैश्विक वन क्षेत्र रैंकिंग में दसवें से नौंवे स्थान पर पहुंच गया है। यह नई पायदान मात्र संख्यात्मक उपलब्धि नहीं, बल्कि पर्यावरणीय, नीतिगत और नैतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। वनों की अंधाधुंध कटाई से दुनिया में गहराते पारिस्थितिकी संकट के समय में भारत की कामयाबी वैश्विक पर्यावरणीय क्षेत्र मं प्रेरणास्पद है। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत के कुल करीबन 24 फीसद क्षेत्र में पिछले एक दशक के दौरान लगभग 1,500 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। खास बात यह कि यह बढ़ोतरी जल, जंगल और जमीन बचाने वाले जन आंदोलनों की गति और प्रभाव के कम होने के बाद हुई है। जन आंदोलनों के प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता, परंतु सरकारी नीतियों, तकनीकी साधनों और सामुदायिक भागीदारी ने इस मामले में बहुत अग्रणी भूमिका निभाई है। ग्रीन इंडिया मिशन, राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम, कंपेंसटरी अफॉरेस्टेशन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिंग अथॉरिटी और मनरेगा के तहत वृक्षारोपण कार्य, एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों ने हरियाली को इस पायदान पर ऊपर चढ़ने में मदद की है। इन अभियानों में आम लोगों की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही है।

पिछले कुछ वर्षों में राज्यों को करोड़ों रुपये दिए गए, ताकि राज्य कटे वनों के बदले में नए पौधे लगा सकें। इन्हीं प्रयासों की वजह से बीते सालों में वन क्षेत्र के आंकड़ों में आशातीत वृद्धि दर्ज की गई है। ब्राजील, इंडोनेशिया और अफ्रीका के देशों में बड़े पैमाने पर वन विनाश जारी है, इस उपलब्धि में इस वैश्विक गिरावट का बड़ा हाथ है, ऐसे में यह सफलता भले स्थायी न हो पर यह उस संघर्ष की शुरुआत है, जो 'संख्याओं की हरियाली' से आगे जाकर 'प्रकृति की वास्तविक हरियाली' की ओर ले जाती है।

यह नंगा सच है कि विकास, औद्योगिकीकरण, खनन और शहरी विस्तार के नाम पर वनों की जबरदस्त कटाई से भारत में पिछले दशक में लगभग 14 लाख हेक्टेयर प्राकृतिक वन क्षेत्र नष्ट हुआ है। सवाल है कि कटते जंगलों के दौर में वन क्षेत्र बढ़ कैसे रहा है? असल में कटे पुराने, जैव विविधता संपन्न प्राकृतिक वनों की जगह नए कृत्रिम वनों या वृक्षारोपण क्षेत्र बढ़ते जा रहे हैं। ये हरियाली ला सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक वनों जैसे पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव आवास या जल संरक्षण का विकल्प कभी नहीं बन सकते। इस तरह जंगल काटकर उनकी जगह नए पौधे लगाना पर्यावरणीय दृष्टि से केवल एक 'संकेतात्मक उपाय' भर है, न कि वास्तविक विकल्प। प्राकृतिक वनों की मिट्टी, जैव विविधता और सूक्ष्म जलवायु दशकों में बनती है। नये पौधों को उस स्तर तक पहुंचने में 40–50 वर्ष लग सकते हैं, इसलिए यह वृद्धि आंकड़ों में तो है, धरातल पर नहीं। भविष्य के लिए जरूरी है कि सरकार वृक्षारोपण के साथ-साथ प्राकृतिक वन संरक्षण, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वन्यजीव आवास सुरक्षा पर समान रूप से बल दे। पर्यावरणीय शिक्षा, जलवायु-अनुकूल शहरी नियोजन और टिकाऊ विकास की नीति को जीवनशैली का हिस्सा बना कर ही हम इस क्षेत्र में देश को कुछ वर्षों में और ऊपर ला सकेंगे।

प्रसंगवश

80 बरस का हुआ यूएनओ कितना रह गया प्रासंगिक

वर्ष 1945 में दुनिया के 50 देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था।

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गईं कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं।

इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई, हालांकि विडंबना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 80 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 80 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मापदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं, लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है, हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है, लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है।

आर्थिक परिदृश्य में वृद्धि और असमानता का द्वंद्व

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट-2025, 2024 में भारतीयों की संपत्ति और निवेश के बदलते रुझानों को उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान घरेलू वित्तीय संपत्ति में 14.5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई, जो पिछले आठ वर्षों में सबसे बड़ी छलांग है। प्रतिभूतियों में 28.7 प्रतिशत, बीमा और पेंशन योजनाओं में 19.7 प्रतिशत और बैंक जमा में 8.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि भारतीय समाज अब केवल बचत-केंद्रित सोच से आगे बढ़कर निवेश-केंद्रित मानसिकता की ओर अग्रसर हो रहा है। इस बदलाव में निवेशकों की संख्या और जोखिम-सचेत, दीर्घकालिक सोच वाले निवेशकों की भागीदारी दोनों बढ़ी है।

शेयर बाजार की गतिविधि भी इस बदलाव की पुष्टि करती है। 2020 में सक्रिय निवेशकों की संख्या 4.9 करोड़ थी, जो मार्च 2024 तक बढ़कर 13.2 करोड़ तक पहुंच गई। दिसंबर 2024 के अंत तक बीएसई शेयर बाजार पूंजीकरण और जीडीपी का अनुपात 136% तक पहुंच जाना यह संकेत देता है कि निवेशक अधिक परिपक्व, दीर्घकालिक सोच वाले और जोखिम सचेत हो रहे हैं। घरेलू निवेशकों की बढ़ती संख्या और वित्तीय उत्पादों में विविधता ने अर्थव्यवस्था को नया आत्मविश्वास दिया है, हालांकि संपत्ति वृद्धि के साथ आर्थिक असमानता भी लगातार बढ़ रही है। 2024 में देश की कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% लोगों के पास केंद्रित था, जबकि 2004 में यह अनुपात 58 प्रतिशत था। औसत और मध्यक संपत्ति का अनुपात 2.6 से बढ़कर 3.1 हो गया, जो आर्थिक दूरी के बढ़ते अंतर का एक संकेत है।

> एलियांज ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट-2025, 2024 में भारतीयों की संपत्ति और निवेश के बदलते रुझानों को उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान घरेलू वित्तीय संपत्ति में 14 .5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई।

वित्तीय साक्षरता में सुधार हुआ है, लेकिन व्यापक स्तर पर यह अभी भी सीमित है। केवल 38.9 प्रतिशत भारतीय वयस्क वित्तीय रूप से सक्षम हैं। शहरी क्षेत्रों में यह 41.9 प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 37.6 प्रतिशत। दक्षिण भारत में 46 प्रतिशत, जबकि मध्य भारत में केवल 32.9 प्रतिशत पर सिमटा हुआ है। यह असमानता शिक्षा और अवसर के वितरण में भिन्नता को उजागर करती है और संकेत देती है कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच अब भी सामाजिक और भौगोलिक कारकों पर निर्भर है।

बैंकिंग समावेशन में सुधार हो रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन सूचकांक के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में यह 67 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो मार्च 2024 के 64.2 प्रतिशत से 4.3 अंक अधिक है। महिलाओं की स्थिति भी सुधरी है। उनके पास 39.2 प्रतिशत बैंक खाते हैं और वे कुल जमा का 39.7 प्रतिशत योगदान कर रही हैं। ग्रामीण महिलाओं की बैंकिंग पहुंच 42.2 प्रतिशत तक बढ़ी है। डिजिटल वित्तीय सेवाओं में भी 60 प्रतिशत भारतीय महिलाएं स्मार्टफोन का उपयोग कर रही हैं, जबकि ग्रामीण महिलाओं द्वारा डिजिटल लेनदेन में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि तकनीक वित्तीय अवसरों को व्यापक बना रही है और पारंपरिक बाधाओं को धीरे-धीरे कम कर रही है।

हालांकि यह तस्वीर पूरी तरह संतुलित नहीं है। डिजिटल डिवाइड, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की कम भागीदारी और सीमित वित्तीय जागरूकता यह दिखाते हैं कि आंकड़ों में दिख रही वृद्धि का लाभ अभी समाज के सभी हिस्सों तक नहीं पहुंच रहा। वित्तीय उत्पादों तक पहुंच का अर्थ केवल खाता खुलवाना या ऐप डाउनलोड करना नहीं है। इसका प्रभावी और सुरक्षित उपयोग होना आवश्यक है। यही वह बिंदु है, जहां असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

यहां निवेश व्यवहार में विविधता दिखती है। शेयर बाजार और फ्यूचर-ऑप्शन ट्रेडिंग उच्च लाभ के अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन जोखिम, जटिलताएं और अस्थिरता अधिक है। इन निवेश माध्यमों के लिए गहन जानकारी, कंपनियों की वित्तीय रिपोर्ट और उद्योग विश्लेषण की समझ आवश्यक है, इसलिए सीमित जानकारी और अनुभव के अभाव में कई लोग इन विकल्पों से बचते हैं। क्रिप्टोकरेंसी जैसी नई संभावनाएं भी मौजूद हैं, लेकिन अत्यधिक अस्थिरता और नियामक अनिश्चितता निवेशकों को हिचकिचाहट में रखती है, ऐसे में अधिकांश लोग अब भी सुरक्षित विकल्पों, बैंक बचत खाते और फिक्स्ड डिपॉजिट को प्राथमिकता देते हैं। सोना और चांदी सदियों से भरोसेमंद विकल्प रहे हैं। 2024-25 में इन धातुओं ने निवेशकों को आकर्षित किया, खासकर जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव खासा देखा गया। लोग सोना-चांदी को मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता का माध्यम मानते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति मिश्रित है। वैश्विक वित्तीय साक्षरता का औसत लगभग 33 प्रतिशत है, जबकि भारत में यह 35 प्रतिशत के आसपास है। सतही तुलना में भारत थोड़ा आगे दिखता है, लेकिन विकसित देशों की 55–75 प्रतिशत की दर से अभी भी पीछे है। वित्तीय साक्षरता और संपत्ति वितरण के असंतुलन का प्रभाव सीधे आर्थिक स्थिरता और अवसरों पर पड़ता है। जब केवल एक-तिहाई आबादी वित्तीय रूप से सक्षम है, तो लाभ और अवसर कुछ वर्गों तक ही सीमित रहेंगे। यही कारण है कि शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी के पास दो-तिहाई से अधिक संपत्ति केंद्रित है। यह केवल संख्याओं की कहानी नहीं है, बल्कि समाज की दीर्घकालीन स्थिरता और समावेशन पर भी असर डालता है।

भारत की मौजूदा आर्थिक स्थिति को 'वृद्धि' और 'विसंगति' के द्वंद्व में देखा जा सकता है। एक ओर निवेश, संपत्ति वृद्धि और महिलाओं की भागीदारी उत्साहजनक हैं, वहीं दूसरी ओर संपत्ति और अवसर वितरण में खाई लगातार बढ़ रही है। यह द्वंद्व भविष्य की आर्थिक नीतियों और निवेश संरचना की सबसे बड़ी कसौटी बनने वाला है।

आमने सामने

खेसारी लाल को यहां पर भेज दिया है। इन लोगों के पास अब कोई उम्मीदवार बचा ही नहीं है। आपके यहां पर एक नाचने वाले को ही भेज दिया। यह लालू प्रसाद यादव का बिहार नहीं है जो अराजकता के लिए बदनाम था।

–सम्राट चौधरी
भाजपा नेता

राजनीति में कुछ लोग कलाकारों को नीचा दिखाकर खुद को ऊंचा दिखाना चाहते हैं, लेकिन जनता सच्चाई जानती है। मेरे गानों की वजह से छपरा में जलजमाव नहीं हुआ, बच्चों की पढ़ाई नहीं रुकी और अस्पतालों की हालत भी मेरी वजह से नहीं बिगड़ी। –खेसारी यादव
आरजेडी उम्मीदवार

ट्रंप के दबाव की रणनीति व बदलती भू- राजनीति

डॉ. विकास शुक्ला

कानपुर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी और अनर्गल बयानबाजी बढ़ती ही जा रही है। कभी भारत तो कभी ब्राजीज और चीन पर टैरिफ का बम फोड़ने वाले ट्रंप ने पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को ड्रग तस्कर बताकर उन पर इनाम रख दिया। वेनेजुएला की नौकाओं और पोत पर आए दिन हमले करा रहे ट्रंप ने अब कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को ड्रग तस्कर बता दिया है। इतना ही नहीं ट्रंप ने कोलंबिया को अमेरिकी मदद रोकने की घोषणा के साथ ही चेतावनी दी है कि अगर पेट्रो ने ड्रग तस्करी रोकने को लेकर उचित कदम नहीं उठाया तो अमेरिका खुद कार्रवाई करेगा।

ब्रिक्स देशों को डॉलर के मुकाबले मुद्रा न बनाने के लिए लगातार धमका रहे ट्रंप को जवाब देने का समय आ गया है। चीन ने रेयर अर्थ की अमेरिका को आपूर्ति रोक कर ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। भारत ने रूस से तेल की खरीद का भुगतान चीनी मुद्रा में करके उन्हें बता दिया है कि भारत झुकने वाला नहीं है। जरूरत है कि चीन और भारत जैसा कदम दुनिया के अन्य देश भी उठाएं, ताकि अमेरिकी दादागिरी बंद हो और टैरिफ की मार से राहत मिले।

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी भारत, कभी ब्राजील व चीन पर टैरिफ का बम फोड़ते हैं तो अब वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को ड्रग तस्कर बता दिया है।

अमेरिका पूरी दुनिया को अपने तरीके से चलाना चाहता है। पहले ईराक में सद्दाम हुसैन, लीबिया में कर्नल गद्दाफी का खात्मा करने वाले अमेरिका ने सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद और बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट कराया। अब वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को सत्ता से हटाने की कोशिश में लग गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि जहां उनके मनमुताबिक राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं है, उन्हें किसी न किसी तरीके से सत्ता से बेदखल किया जाए। इसके लिए ट्रंप हर हथकंडा अपनाने को तैयार हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो को अवैध ड्रग तस्कर बताया है। उन्होंने लिखा है कि पेट्रो देशभर में छोटे और बड़े खेतों में भारी मात्रा में ड्रग्स की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। पेट्रो इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहे, जबकि अमेरिका की तरफ से उन्हें बड़ी आर्थिक मदद और सब्सिडी मिल रही है। अगर वे इसे नहीं रोकेंगे तो अमेरिका कार्रवाई करेगा। पेट्रो ने अभी ट्रंप के आरोपों का जवाब नहीं दिया है, लेकिन माना जा रहा है कि मादुरो की तरह ही वे भी ट्रंप के विरुद्ध आवाज बुलंद करेंगे। ट्रंप के इस बयान से अमेरिका और कोलंबिया के रिश्तों में और तनाव आने की संभावना है।

अमेरिका के विदेश विभाग ने गुस्तावो पेट्रो का वीजा भी रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब पेट्रो न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल होने आए थे। कहा जा रहा है कि ट्रंप पेट्रो से इसलिए नाराज हैं, क्योंकि वे उनकी नीतियों का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने कभी उनकी हां में हां नहीं मिलाई। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो भी अमेरिका की साम्राज्यवादी नीति के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे हैं। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने वेनेजुएला के समुद्र तट पर अपने युद्धपोत और सैनिक भेजे, तो उन्होंने भी सेना को मोर्चे पर तैनात कर दिया और ट्रंप को यह संदेश दे दिया कि अब बहुत हुआ वे झुकेंगे नहीं। यही वजह है कि वे ट्रंप की आंखों में खटक रहे हैं।

रूस से तेल आयात करने पर भारत पर भारी भरकम टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने चीन पर भी सौ फीसद टैक्स लगा दिया है। ब्राजील की तरह ही चीन के राष्ट्रपति ने ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। रेयर अर्थ की अमेरिका को बड़ी जरूरत है, लेकिन चीन ने इस पर नियंत्रण बढ़ाकर अमेरिका की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। इससे ट्रंप और उनके सहयोगियों की छटपटाहट साफ दिख रही है। अभी भी कुछ देश ऐसे हैं जो ट्रंप की मनमानी का विरोध करने को तैयार नहीं हैं। वे भूल रहे हैं कि ट्रंप बारी-बारी हर देश पर अपनी नीतियों को थोपेंगे, क्योंकि उनके लिए दोस्ती नहीं बल्कि व्यापार की नीति हावी है। पूरी तरह से व्यापारी बन चुके ट्रंप ने अपने सबसे भरोसेमंद दोस्त भारत को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

अमेरिकी अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री और राजनीतिक विशेषज्ञ और विदेश नीति के जानकार उनकी इस नीति का विरोध कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप हैं कि मानते नहीं। भारत को झुकाने के लिए ही उन्होंने बार-बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को अमेरिका बुलाया, लेकिन वे भूल गए कि अब भारत की कमान नरेंद्र मोदी के हाथ में है, जो उनके दबाव में नहीं आने वाले हैं। भारत ने ट्रंप को उनकी भाषा में जवाब देना शुरू कर दिया है। रूस से तेल खरीद में भारत ने चीनी मुद्रा में भुगतान शुरू करके ट्रंप को बड़ी चुनौती दी है। अमेरिका, अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर पुनः कब्जा करना चाहता हैं, लेकिन भारत ने रूस, चीन के साथ मिलकर इसका विरोध किया है। इससे अमेरिका के तेवर ढीले हुए हैं पर अकड़ अब भी बाकी है। जरूरत तो इसी बात की है कि अमेरिका के सताए अन्य देश भी अब भारत, चीन और रूस जैसे देशों के साथ खड़े हों और ट्रंप को उनकी भाषा में जवाब दें, ताकि अमेरिकी दादागिरी रुके।

सोशल फोरम

एक बादशाह की बदनसीबी

17 अक्टूबर 1858 को बाहदुर शाह जफर मकेंजी नाम के समुद्री जहाज से रंगून पहुंचा दिए गए थे। शाही खानदान के 35 लोग उस जहाज में सवार थे, कैप्टन नेल्सन डेविस रंगून का इंचार्ज था, उसने बादशाह और उसके लोगों को बंदरगाह पर रिसीव किया और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी हुकूमत के बादशाह को लेकर अपने घर पहुंचा। बहादुर शाह जफर कैदी होने के बाद भी बादशाह थे, इसलिए नेल्सन परेशान था, उसे ये ठीक नहीं लग रहा था कि बादशाह को किसी जेल खाने में रखा जाए, इसलिए उसने अपना गैराज खाली करवाया और वहीं बादशाह को रखने का इंतजाम कराया।

हिस्ट्री अनफोल्डेड

फेसबुक

बहादुर शाह जफर 17 अक्टूबर 1858 को इस गैराज में गए और सात नवंबर 1862 को अपनी चार साल की गैराज की जिंदगी को मौत के हवाले कर के ही निकले।

सात नवंबर 1862 को बादशाह की खादिमा परेशानी के हाल में नेल्सन के दरवाजे पर दस्तक देती है। बर्मी खादिम आने की वजह पूछता है। खादिमा बताती है कि बादशाह जिंदगी की आखिरी सांसें गिन रहे हैं। खादिम कहता है, "अभी साहब कुत्ते को कंघी कर रहे हैं। मैं उन्हें डिस्टर्ब नहीं कर सकता। खादिमा जोर-जोर से रोने लगती है। आवाज सुनकर नेल्सन बाहर आता है। खादिमा की गुजारिश सुनकर वो गैराज पहुंचता है।

बादशाह की आखिरी आरामगाह में बदबू फैली हुई थी और मौत की खामोशी थी बादशाह का आधा कंबल जमीन पर और आधा बिस्तर पर। नंगा सर तकिए पर था, लेकिन गर्दन लुढ़की हुई थी। आंख बहार को निकली हुई थी और सूखे होंठों पर मक्खी भिनभिना रही थी। नेल्सन ने जिंदगी में हजारों चेहरे देखे थे, लेकिन इतनी बेचारगी किसी के चेहरे पर नहीं देखी थी। वो बादशाह का चेहरा नही बल्कि दुनिया के सबसे बड़े भिखारी का चेहरा था। उसके चेहरे पर एक ही फरमाइश थी, आजाद सांस की।

हिंदुस्तान के आखिरी बादशाह की जिंदगी खत्म हो चुकी थी। कफन-दफन की तैयारी होने लगी। शहजादा जवान बख्त और हाफिज मोहम्मद इब्राहीम देहलवी ने गुसुल दिया। बादशाह के लिए रंगून में जमीन नहीं थी। सरकारी बंगले के पीछे खुदाई की गई और बादशाह को खैरात में मिली मिट्टी के नीचे दफन कर दिया गया। उस्ताद हाफिज इब्राहीम देहलवी की आंखों को सामने 30 सितंबर 1837 के मंजर दौड़ने लगे, जब 62 साल की उम्र में बहादुर शाह जफर तख्त नशीं हुए थे। वो वक्त कुछ और था ...ये वक्त कुछ और था। इब्राहीम दहलवी सूरह तौबा की तिलावत करते हैं। नेल्सन कब्र को आखिरी सलामी पेश करता है और एक सूरज गुरूब हो जाता है!

सामयिकी

नेपाल में लोकतंत्र बहाली की तैयारी व सियासत

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में हाल ही हिंसात्मक आंदोलन और अंतरिम सरकार के अस्तित्व में आने के करीब एक माह बाद माओवादी केंद्र ने पहली मर्तबा जनसभा की। इस मौके पर उन्होंने नेपाली मीडिया से भी बात की। बातचीत में उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से चुनाव की तैयारी में जुटने का आवाहन करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार ने जिस समय सीमा के भीतर चुनाव की घोषणा की है उस पर कायम रहते हुए चुनाव कराया जाना चाहिए।

नेकपा (माओवादी केंद्र) अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' बुधवार को मधेश प्रदेश के महोत्तरी के राम गोपालपुर में पार्टी द्वारा आयोजित जनसभा और पार्टी प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। नेपाल में हाल ही में हुए तख्तापलट और हिंसात्मक आंदोलन के बाद किसी राजनीतिक दल का यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। राम गोपालपुर जाने के लिए जनकपुर धाम हवाई अड्डे पर पहुंचे प्रचंड ने पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत करते हुए सरकार से आग्रह किया कि वह शीघ्र ही चुनाव के लिए आवश्यक माहौल तैयार करे।

प्रचंड ने कहा, "निर्वाचन तय समय पर होना चाहिए। सरकार को इसे गंभीरता से लेते हुए अनुकूल वातावरण बनाना चाहिए। सरकार की हाल ही में राजनीतिक दलों के साथ हुई वार्ता से यह संकेत मिला है कि सरकार धीरे-धीरे चुनाव की दिशा में गंभीर हो रही है, लेकिन अभी भी पूर्ण वातावरण तैयार नहीं हुआ है। प्रचंड ने कहा कि असाधारण परिस्थितियों में गठित अंतरिम सरकार पहले ही चुनाव की घोषणा कर चुकी है, इसलिए अब सभी दलों को निर्वाचन की तैयारी में पूरी तरह जुट जाना चाहिए।

सत्ता से हटाए गए केपी शर्मा ओली चुनाव में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। उन्होंने तय समय-सीमा में चुनाव पर भी संदेह जताया है। पिछले दिनों अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम में उन्होंने साफ कह दिया कि एमाले चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। एमाले के इस घोषणा के बाद नेपाल की राजनीति में अनिश्चितता का खतरा उत्पन्न हो गया है। ओली सरकार में प्रमुख सहयोगी रही नेपाली कांग्रेस का चुनाव को लेकर अभी कोई बयान सामने नहीं आया है। जहां तक अन्य राजनीतिक दलों की बात है तो माना जा रहा है कि देर-सवेर अन्य राजनीतिक दल चुनाव में आएंगे ही।

एमाले, नेपाली कांग्रेस के बाद माओवादी केंद्र तीसरा बड़ा राजनीतिक दल है। माओवादी केंद्र के चुनाव का समर्थन करने के बाद मुमकिन है, नेपाली कांग्रेस भी चुनाव को लेकर अपना रुख स्पष्ट करे। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने वायदे के मुताबिक छः महीने में चुनाव कराने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सरकार नेपाली जनता को निर्भय और स्वतंत्र वातावरण में मतदान करने का अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

इकोसिस्टम के लिए खतरा
कीटों की घटती प्रजातियां

हाल ही में एक एक खबर पढ़ी कि 'पिछले 150 वर्षों में लाखों कीट प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं और हर साल शेष कीट बायोमास का 1 से 2.5 प्रतिशत तक नष्ट हो रहा है।' बड़ी बात यह है कि इन कीटों का पतन सिर्फ और सिर्फ महाद्वीपों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पृथ्वी के सबसे दूर बसे द्वीप भी इसकी चपेट में हैं। बहरहाल यह बहुत गंभीर और चिंताजनक पर्यावरणीय मुद्दा है कि आज दुनियाभर में चींटियां, मधुमक्खियां, तितलियां और अन्य परागण करने वाले कीट (पालीनेटर) कम हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो आज दुनियाभर में कीटों का संसार खतरे में है। उल्लेखनीय है कि महाद्वीपों और द्वीपों पर कीटों के पतन को वैज्ञानिक 'इनसेक्ट एपोकलिप्स' यानी 'कीट प्रलय' के नाम से जानते हैं। वास्तव में इनके घटने के कई कारण हैं। मसलन इनमें क्रमशः खेती में कीटनाशकों का अंधाधुंध और अवैज्ञानिक प्रयोग, कीटों के प्राकृतिक आवासों (हेबिटेट) का लगातार नष्ट होना, जलवायु परिवर्तन, बढ़ता पर्यावरणीय प्रदूषण (मिट्टी, जल, वायु) बीमारियां और परजीवी आदि को शामिल किया जा सकता है। यहां तक कि प्रकाश और ध्वनि प्रदूषण भी कीटों की विलुप्ति का एक बड़ा कारण बनकर उभरा है।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

जापान के ओकिनावा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एंटोमोलॉजिस्ट इवान इकोनोमो ने फिजी द्वीपसमूह की चींटी प्रजातियों के जीनोम विश्लेषण से बताया है कि यहां स्वदेशी चींटी प्रजातियां 79 प्रतिशत घट गई हैं। गिरावट इंसानों के द्वीपों पर करीब 3,000 साल पहले आगमन के साथ शुरू हुई और पिछले 300 वर्षों में यूरोपीय संपर्क, वैश्विक व्यापार और आधुनिक कृषि के फैलाव के साथ तेज हो गई। यह शोध जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी पर लगभग 5.5 मिलियन कीट प्रजातियां हो सकती हैं, जिनमें से लगभग 1 मिलियन को ही अब तक वैज्ञानिकों ने पहचाना और नामित किया है। इसका अर्थ यह है कि लगभग 80 प्रतिशत कीट प्रजातियां अभी भी अज्ञात हैं, जो जैविक अनुसंधान के लिए एक बड़ा क्षेत्र प्रस्तुत करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) के अनुसार जुलाई 2016 तक 58 कीट प्रजातियां पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि 46 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं और एक प्रजाति केवल वन्यजीवों में ही विलुप्त हो चुकी है। यहां यदि हम कीटों की विलुप्ति दर की बात करें, तो वैश्विक स्तर पर, पिछले 150 वर्षों में कीटों की लगभग 5 से 10 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जो लगभग 2,50,000 से 5,00,000 प्रजातियों के बराबर है। गौरतलब है कि जर्मनी में 63 नेचर रिजर्व्स में उड़ने वाले कीट 30 वर्षों में 75 प्रतिशत तक घट गए। इतना ही नहीं, अमेरिका में बीटल की संख्या 45 वर्षों में 83 प्रतिशत घटी और तितलियों की कई प्रजातियां संकट में हैं। यूरोप की घासभूमि में तितलियों की आबादी केवल एक दशक में 36 प्रतिशत घटी है।

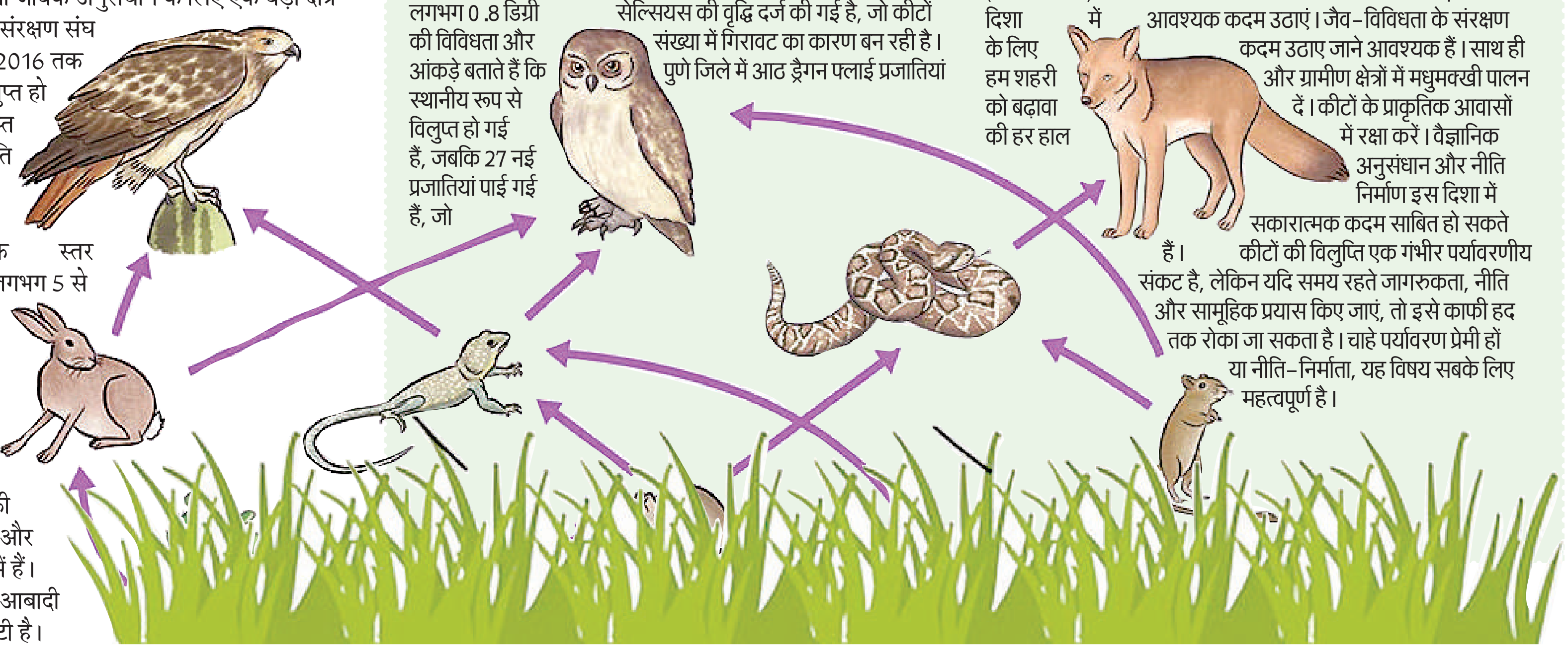

कीट प्रलय का भारत में असर

कीट प्रलय का असर भारत में भी दिख रहा है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार मेलघाट, महाराष्ट्र में प्रकाश प्रदूषण ने मेफ्लाई और अन्य कीटों की संख्या को लगभग 2 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से घटा दिया है। जंगलों के पास बने रिसॉर्ट्स और उनकी तेज रोशनी कीटों के प्राकृतिक चक्र को तोड़ रही है। भारत के हिमालय प्रदेश में मधुमक्खियों और तितलियों जैसे परागणकर्ता की संख्या और विविधता लगातार घटती चली जा रही है। पश्चिमी घाट, जिसे भारत का जैव-विविधता हॉटस्पॉट माना जाता है, में कीटों की संख्या में गिरावट एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। यह क्षेत्र 6,000 से अधिक कीट प्रजातियों का घर है, जिनमें से कई प्रजातियां केवल यहीं पाई जाती हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार दक्षिणी पश्चिमी घाट में तापमान में लगभग 0 .8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कीटों की विविधता और संख्या में गिरावट का कारण बन रही है। आंकड़े बताते हैं कि पुणे जिले में आठ ड्रैगन फ्लाई प्रजातियां स्थानीय रूप से विलुप्त हो गई हैं, जबकि 27 नई प्रजातियां पाई गई हैं, जो पर्यावरणीय बदलावों का संकेत देती हैं। इतना ही नहीं, पश्चिमी घाट की बात करें तो जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की रिसर्च बताती है कि सुरक्षित जंगलों में मूल चींटी प्रजातियां फल-फूल रही हैं, लेकिन कॉफी, चाय और रबर के बागानों में आक्रामक प्रजातियां हावी हो रही हैं।

बहरहाल कीटों की गिरती संख्या न केवल पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) के लिए, बल्कि मानव जीवन के लिए भी खतरे की घंटी है, क्योंकि ये परागण, पोषक चक्रण और खाद्य श्रृंखला के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इसलिए हमारे देश में विशेषकर पश्चिमी घाट में कीटों की विविधता और संख्या की रक्षा के लिए तत्काल और प्रभावी संरक्षण उपायों की आवश्यकता है। आज कीटों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। मसलन इसके लिए हमें यह चाहिए कि हम रसायनों (कीटनाशकों) के उपयोग में कटौती करें। आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएं। जैव-विविधता के संरक्षण के लिए कदम उठाए जाने आवश्यक हैं। साथ ही हम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दें। कीटों के प्राकृतिक आवासों की हर हाल में रक्षा करें। वैज्ञानिक अनुसंधान और नीति निर्माण इस दिशा में सकारात्मक कदम साबित हो सकते हैं। कीटों की विलुप्ति एक गंभीर पर्यावरणीय संकट है, लेकिन यदि समय रहते जागरुकता, नीति और सामूहिक प्रयास किए जाएं, तो इसे काफी हद तक रोका जा सकता है। चाहे पर्यावरण प्रेमी हों या नीति-निर्माता, यह विषय सबके लिए महत्वपूर्ण है।

विज्ञान फैक्ट

धातुएं, जो हवा और पानी के संपर्क में आने पर फट जाती हैं

कुछ धातुएं हवा और पानी के संपर्क में आते ही तीव्र प्रतिक्रिया करती हैं और कभी-कभी फट भी जाती हैं। ये धातुएं क्षार धातुएं कहलाती हैं। जैसे लिथियम, सोडियम, पोटैशियम, रुबिडियम, सीजियम और बहुत दुर्लभ रूप से फ्रैंशियम है। इनका बाहरी कक्षा में केवल एक इलेक्ट्रॉन होता है, इसलिए ये उस इलेक्ट्रॉन को आसानी से त्याग कर ऑक्सीकृत हो जाती हैं और तीव्र रासायनिक प्रतिक्रियाएं करती हैं। ये धातुएं हवा के ऑक्सीजन व नमी के संपर्क में आकर तेजी से ऑक्सीकृत होकर ऑक्साइड, हाइड्रॉक्साइड या पेरोऑक्साइड बना लेती हैं, इसलिए खुले हवा में रखें तो सतह पर झनझनाहट या कुछ मामलों में चिंगारी भी पैदा करती है। यह प्रतिक्रिया उष्मा उत्पन्न करती है। सोडियम और खासकर पोटैशियम / रुबिडियम/ सीजियम में जितनी अधिक सक्रियता, उतनी अधिक उष्मा, जिससे उभरता हुआ हाइड्रोजन शराब पकड़ सकता है और विस्फोट/जलन हो सकती है। लिथियम का प्रतिक्रिया दर थोड़ी धीमी होती है, सीजियम व रुबिडियम अत्यंत उग्र प्रतिक्रियाशील होते हैं।

वाल्डिवियन समशीतोष्ण वर्षावन
दक्षिण अमेरिका की प्रकृति का खजाना

चिली और अर्जेंटीना के दक्षिणी हिस्से में बसा वाल्डिवियन समशीतोष्ण वर्षावन प्रकृति की अनोखी रचना है। लगभग 2,50,000 वर्ग किलोमीटर में फैला यह प्राचीन वन अपने घने पेड़ों, दुर्लभ वनस्पतियों और विविध जीव-जंतुओं के लिए जाना जाता है। यहां पाए जाने वाले फिट्जरोया कपरेसॉयड्स या अलर्से पेड़ दक्षिण अमेरिका का सबसे विशाल वृक्ष है, जो 3,000 वर्षों से अधिक तक जीवित रह सकता है। यह वृक्ष न केवल अपनी आयु के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वन में कई दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियां भी पाई जाती हैं, जिनमें ह्यूमुल हिरण प्रमुख है। इसके अलावा यहां मैजेलनिक कठफोड़वा जैसी पक्षियों की अनोखी प्रजातियां भी निवास करती हैं। यह वर्षावन शोधकर्ताओं और पर्यावरणविदों के लिए किसी खजाने से कम नहीं, क्योंकि यह समशीतोष्ण वर्षावनों की जैव-विविधता को समझने के लिए एक आदर्श स्थल प्रदान करता है। वाल्डिवियन वन वास्तव में दक्षिण अमेरिका की प्राकृतिक संपदा का चमकता प्रतीक है।

जंगल की दुनिया

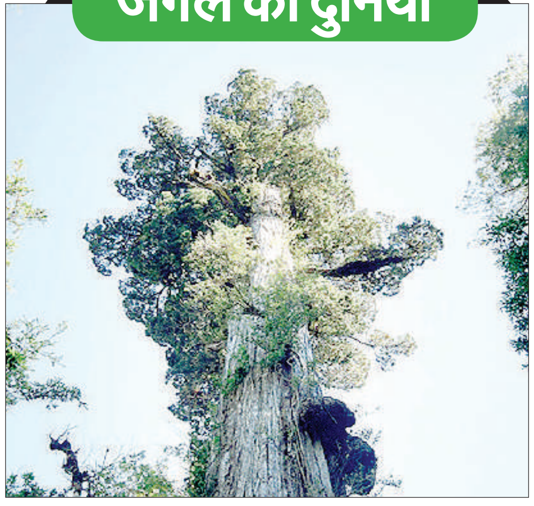

टेक अपडेट्स

iQOO 15 मोबाइल लॉन्च

हाल ही में iQ कंपनी ने iQOO 15 मोबाइल लॉन्च किया है। कंपनी ने इस बार परफॉर्मेंस, कैमरा और बैटरी- तीनों में जबरदस्त अपग्रेड दिए हैं। Vivo के इस सब-ब्रांड ने अपने नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन को चीन में Snapdragon 8 EliteGen 5 चिपसेट, 7,000mAh बैटरी और तीन 50 MP कैमरों के साथ पेश किया है। इसकी शुरुआती कीमत (करीब 52,000) रखी गई है, फोन के चार वैरिएंट में उपलब्ध होगा।

परफॉर्मेंस और प्रोसेसर- यह फोन 3nm Snapdragon 8 Elite Gen 5 चिपसेट पर चलता है, जिसमें Adreno 840 GPU मिलता है। इसके साथ Q3 गेमिंग चिप दी गई है, जो गेमिंग अनुभव को और स्मूथ बनाती है। फोन में Android 16 आधारित OriginOS 6 ऑपरेटिंग सिस्टम है।

कैमरा सेक्शन- iQOO 15 में तीन 50MP कैमरों का सेटअप दिया गया है-

50MP प्राइमरी सेंसर (f/1.88)

50MP पेरिस्कोप लेंस (100x डिजिटल जूम)

50MP अल्ट्रा-वाइड कैमरा

सेल्फी के लिए 32MP फ्रंट कैमरा मौजूद है, जो 4K वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट करता है।

बैटरी और चार्जिंग- फोन में 7,000mAh की बैटरी दी गई है, जो 100W वायर्ड और 40W वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। इसके साथ अल्ट्रासोनिक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर भी है।

सजावट के साथ पर्यावरण संतुलन भी जरूरी

आज की दुनिया तेजी से विकास कर रही है, परंतु यह विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब वह पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर चले। सतत विकास का यही मूल उद्देश्य है-आज की आवश्यकताओं की पूर्ति इस प्रकार करना कि भविष्य की पीढ़ियां भी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। कृषि क्षेत्र में, विशेषकर फलोत्पादन में, छोटे-छोटे क्रियाकलापों का पर्यावरण पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। उन्हीं में से एक है-फलों के साथ पत्तियां तोड़ देना। यह कार्य देखने में भले ही सामान्य लगे, लेकिन इसका गहरा प्रभाव पौधों की सेहत, पर्यावरणीय संतुलन और खेती की स्थायित्व क्षमता पर पड़ता है। किसानों और फल विक्रेताओं को इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अनावश्यक दोहन ठीक नहीं

- बहुत बार फलों को सजाने के लिए फलों के साथ अधिक पत्तियां तोड़ी जाती हैं-उदाहरण के लिए पूजा, उपहार टोकरी, होटल व्यवसाय या प्रदर्शनियों में। यह एक प्रकार की प्राकृतिक सजावट का व्यापारिक दोहन बन गया है।
- यह कार्य जब तक संतुलन के साथ और सीमित मात्रा में किया जाए, तब तक ठीक है। परंतु यदि बड़े पैमाने पर, बिना संवेदनशीलता के, पत्तियां तोड़ी जाएंगी, तो यह पर्यावरणीय हानि की दिशा में एक और कदम होगा।

डॉ. विकास पटेल
असिस्टेंट प्रोफेसर, बरेली

पत्तियों की जैविक भूमिका

पत्तियां पौधे का 'भोजन निर्माण केंद्र' होती हैं। इनका कार्य केवल सौंदर्यवर्धन नहीं होता, बल्कि ये पौधों के जीवन का आधार हैं:

- प्रकाश-संश्लेषण : पत्तियां सूर्य के प्रकाश की सहायता से कार्बन डाइऑक्साइड और जल को मिलाकर ग्लूकोज (भोजन) बनाती हैं।
- श्वसन और वाष्पोत्सर्जन : पत्तियां ही श्वसन और वाष्पोत्सर्जन जैसी प्रक्रियाएं संचालित करती हैं, जिससे पौधा अपने तापमान को नियंत्रित रखता है।
- फल परिपक्वता में योगदान : फल के आसपास की पत्तियां उसके पोषण में सहायक होती हैं और उसके आकार, रंग, मिठास और गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।
- जब फल के साथ पत्तियां भी तोड़ दी जाती हैं, तो पौधा एक झटके में अपनी ऊर्जा बनाने की क्षमता खो देता है, जिससे आगे की वृद्धि और उत्पादन प्रभावित होता है।

प्रभावी पहल

- कटाई की तकनीकों में सुधार करें : फल इस तरह से तोड़े जाएं कि उनकी आस-पास की मुख्य पत्तियां सुरक्षित रहें।
- प्रशिक्षण एवं जागरूकता : किसानों को यह बताया जाए कि पत्तियों का महत्व क्या है और वे फल उत्पादन को कैसे प्रभावित करती हैं।
- ग्राहक को शिक्षित करें : उपभोक्ताओं को भी जागरूक करें कि वे फल को केवल उसके सौंदर्य से नहीं, बल्कि उसके उत्पादन प्रक्रिया की समझ से देखें।
- प्राकृतिक सौंदर्य का संरक्षण करें : जितना संभव हो, पत्तियों के बिना सजावट की वैकल्पिक विधियां अपनाएं।

क्यों है यह प्रक्रिया समस्याग्रस्त

- फसल की दीर्घकालिक उत्पादकता पर असर : बार-बार पत्तियों का अनावश्यक हटाया जाना पौधों की उत्पादकता को घटाता है।
- पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है : पौधे कमजोर हो जाते हैं और कीटों या बीमारियों का आसानी से शिकार बनते हैं।
- मिट्टी की उर्वरता पर प्रभाव : जब पौधा अस्वस्थ होता है, तो उसका जैविक चक्र बाधित होता है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है।

क्या है नीतिगत सुझाव

- कृषि विभाग और मंडियां फल विक्रेताओं के लिए दिशा-निर्देश तय करें कि अनावश्यक रूप से पत्तियां न तोड़ी जाएं।
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन कार्यक्रमों में इस विषय को भी शामिल किया जाए।
- स्कूल और कृषि महाविद्यालयों में इस पर जागरूकता पाठ्यक्रम जोड़े जाएं।
- "पौधों के सतत विकास के अनुक्रम में फल विक्रेता और किसान फलों के साथ पत्तियां कभी न तोड़ें"-यह कोई मात्र सुझाव नहीं, बल्कि एक चेतावनी और संवेदनशील आह्वान है। यह प्रकृति के साथ हमारे व्यवहार का प्रतिबिंब है। जब हम छोटी बातों को गंभीरता से लेना शुरू करेंगे, तभी हम बड़े स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला सकेंगे। पत्तियों को न तोड़ना एक छोटी, पर अत्यंत महत्वपूर्ण आदत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली, उत्पादन और संतुलित विकास का रास्ता सुनिश्चित कर सकती है।

रोचक किस्से
स्टबिन्स फिर्थ

स्टबिन्स फिर्थ पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता थे, जो एक खास वैज्ञानिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, वह भी एक बेहद आश्चर्यजनक प्रोजेक्ट पर। एक प्रशिक्षु डॉक्टर के रूप में वे इस विचार से इस हद तक ग्रस्त हो गए थे कि पीत ज्वर संक्रामक नहीं है। वे इसे साबित करने की कोशिश में हद से ज्यादा कोशिश करते रहे। सिर्फ एक भरोसेमंद ब्लेड और सच्चाई जानने की अपनी अटूट इच्छा से लैस, फिर्थ ने पहले अपनी बांहें चीरीं और पीत ज्वर के मरीजों की उल्टी को अपने जख्मों पर लगा लिया। जब इससे कोई फर्क नहीं पड़ा, तो उन्होंने उल्टी अपनी आंखों में डाल ली, उस जहरीले तरल को पी लिया, उसे भून लिया और उसके धुएं में सांस ली और पागलपन के अपने आखिरी कृत्य में संक्रमित मरीजों के खून, पेशाब और लार से खुद को ढक लिया। आखिरकार फिर्थ ने अपने सिद्धांत को साबित कर दिया, बशर्ते वे बीमार न हुए। हालांकि अब हम जानते हैं कि यह सब उन्होंने उन मरीजों के नमूने लेने की वजह से भी किया था, जो संक्रमण की अंतिम अवस्था से गुजर चुके थे। दूसरे शब्दों में फिर्थ ने संक्रमित उल्टी निगल ली, लेकिन इससे रोग पर कोई नई रोशनी नहीं पड़ी।

बिजनेस ब्रीफ

समय से पीछे एसईसीएल की 12 परियोजनाएं

नई दिल्ली। कोल इंडिया की इकाई एसईसीएल की 12 कोयला खनन परियोजनाएं पर्यावरण मंजूरी और भूमि अधिग्रहण में देरी से तय समय से पीछे चल रही हैं। सरकार के आयात कम करने के लिए घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के बीच ये परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, उक्त परियोजनाओं में से तीन खदानों की लागत 500 करोड़ से अधिक है। पांच की लागत 150 करोड़ से अधिक है। दो की लागत 100 करोड़ से अधिक है। एक की लागत 50 करोड़ से अधिक है। वहीं एक की लागत 20 करोड़ से अधिक है। इनमें से कुछ परियोजनाएं अमादंड खुली खदान, आमगांव खुली खदान परियोजना और विजय पश्चिम भूमिगत खदान हैं। 18 परियोजनाएं तय समय पर चल रही हैं।

एसबीआई को ग्लोबल फाइनेंस ने किया पुरस्कृत

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को विश्व बैंक/आईएमएफ की वार्षिक बैठक में न्यूयॉर्क स्थित ग्लोबल फाइनेंस से दो प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। देश के सबसे बड़े ऋणदाता बैंक ने दो खिताब ('वर्ल्ड्स बेस्ट कंज्यूमर बैंक 2025' और 'बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025') जीते। एसबीआई ने कहा कि यह दोहरी मान्यता बैंक की नवाचार, वित्तीय समावेशन और ग्राहक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र में उसकी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करती है।

पावरग्रिड की हुई 3375 करोड़ की दो परियोजनाएं

नई दिल्ली। पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 3,375 करोड़ रुपये की दो प्रमुख परियोजनाओं का अधिग्रहण किया है। ये भारी लोड वाले पारेषण गलियारों पर भार कम करने, बिजली की विश्वसनीयता में सुधार लाने और विभिन्न क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा के निर्बाध हस्तांतरण को सुगम बनाने में मदद करेंगी। पावरग्रिड ने कहा कि इसके अतिरिक्त, वे आगामी पंप स्टोरेज परियोजनाओं से बिजली की निकासी में भी सहयोग करेंगे। उसने बोली से दो एसपीवी विंध्याचल वाराणसी और एसआर डब्ल्यूआर पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड हासिल किए हैं।

मूलचंदानी बने हुंदै इंडिया के राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख

नई दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने सुनील मूलचंदानी को अपने फंक्शन हेड (राष्ट्रीय बिक्री) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मूलचंदानी इससे पहले मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (मध्य क्षेत्र) थे। उन्हें मोटर वाहन और वाणिज्यिक क्षेत्रों में 24 वर्ष से अधिक का अनुभव है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने कहा कि उनकी नियुक्ति एचएमआईएल के अपने राष्ट्रीय बिक्री ढांचे को मजबूत करने और प्रमुख बाजारों में ग्राहकों के साथ गहरे संबंध बनाने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है। मूलचंदानी ने 1999 में पुणे विवि से इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल) में स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

ऊर्जा उत्पादन के लिए एसएईएल खरीदेगी धान

नई दिल्ली। एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी, एसएईएल इंडस्ट्रीज, बिजली उत्पादन के लिए 20 लाख टन धान अपशिष्ट खरीदेगी। एसएईएल के पास पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में (राजस्थान में एक निर्माणाधीन परियोजना सहित) 11 अपशिष्ट से ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) निर्माण संयंत्र हैं, जिनकी कुल क्षमता 165 मेगावाट है। कंपनी ने कहा कि उसे इस साल कटाई की शुरुआत में 20 लाख टन धान अपशिष्ट खरीदने और ईंधन एग्रीगेटर के माध्यम से इसे स्वच्छ बिजली में बदलने की उम्मीद है। एसएईएल के सीईओ लक्षित आवला ने कहा कि कृषि अपशिष्ट को स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तित करके, हम न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत बनाने का प्रयास कर रहे हैं, बल्कि पराली जलाने की समस्या से भी निपटने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रीमियर ने ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण में रखा कदम

नई दिल्ली। प्रीमियर एनर्जीज ने ट्रांसकॉन इंडस्ट्रीज में 51% हिस्सेदारी का 500.3 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण के क्षेत्र में कदम रखने की गुरुवार को घोषणा की। प्रीमियर ने कहा कि यह अधिग्रहण पूरी तरह से एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदाता बनने की उसकी रणनीति में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि उसने ट्रांसकॉन इंडस्ट्रीज में 51% स्वामित्व हासिल करने के लिए 500.3 करोड़ के पक्के समझौते किए हैं। प्रीमियर के एमडी एवं सीईओ चिरंजीव सलूजा ने इसकी पुष्टि की है।

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

डेलॉयट इंडिया ने बढ़ती मांग एवं नीतिगत सुधारों के बीच वृद्धि का लगाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

डेलॉयट इंडिया ने बढ़ती मांग एवं नीतिगत सुधारों के बीच चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का गुरुवार को अनुमान लगाया। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

पेशेवर सेवा कंपनी डेलॉयट ने कहा कि घरेलू मांग में तेजी, उदार मौद्रिक नीति तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 जैसे संरचनात्मक सुधारों से वृद्धि को बल मिलने की संभावना है। कम मुद्रास्फीति, क्रय शक्ति में सुधार के साथ खर्च बढ़ाने में योगदान देगी। डेलॉयट इंडिया की 'भारत आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है जो डेलॉयट के पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर औसतन 6.8 प्रतिशत बनी हुई है।

• डेलॉयट ने कहा- घरेलू मांग में तेजी, उदार मौद्रिक नीति तथा जीएसटी 2.0 से वृद्धि को बल मिलने की संभावना

डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि त्योहारों के दौरान मांग में वृद्धि उपभोग व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि से होने की संभावना है। इसके बाद मजबूत निजी निवेश की उम्मीद है क्योंकि व्यवसाय अनिश्चितताओं का सामना करने और बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

निवेश धारणा में सुधार की उम्मीद

मजूमदार ने कहा कि भारत साल के अंत तक अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ समझौता कर लेगा, जिससे समग्र निवेश धारणा में सुधार होने की उम्मीद है। पहली एवं तीसरी तिमाही में मजबूत वृद्धि से समग्र वार्षिक वृद्धि को बल मिलने की संभावना है। चालू वित्त वर्ष में वृद्धि, वैश्विक चुनौतियों को लेकर संवेदनशील बनी है। अनिश्चितताएं और अमेरिका के साथ समझौता भारत की असमर्थता, ऐसे संभावित जोखिम हैं जो भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रभावित कर सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच पर प्रतिबंध और पश्चिमी देशों में उच्च मुद्रास्फीति, भारत में मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकते हैं।

कंपनियों का राजस्व मामूली बढ़ा, दूसरी तिमाही में परिचालन लाभ 0.6% कम

• क्रिसिल रेटिंग्स ने किया 600 कंपनियों के प्रदर्शन का विश्लेषण

मुंबई, एजेंसी

भारतीय कंपनियों का राजस्व जुलाई-सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। गुरुवार को जारी रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, परिचालन लाभ में सालाना आधार पर 0.6% की कमी आई है।

एजेंसी ने कहा कि बिजली, कोयला, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा और इस्पात क्षेत्रों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद दूसरी तिमाही में कॉरपोरेट राजस्व में सालाना आधार पर मामूली 5-6% की वृद्धि की उम्मीद है। एजेंसी ने 600 कंपनियों के प्रदर्शन का विश्लेषण किया और कहा कि धीमी वृद्धि वाली इन कंपनियों का कुल राजस्व में एक-तिहाई योगदान है। क्रमिक रूप से जुलाई-सितंबर के दौरान राजस्व वृद्धि पूर्ववर्ती अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में एक प्रतिशत अधिक होगी।

लाभप्रदता के दृष्टिकोण से मोटर वाहन, औषधि और एल्युमीनियम की कंपनियों को बढ़ी हुई लागत का भार ग्राहकों पर डालने में कठिनाई हुई तथा परिचालन लाभ जुलाई-सितंबर तिमाही में 0.50-1% कम होने का अनुमान है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने आईटी सेवा क्षेत्र पर दबाव डाला, जहां राजस्व वृद्धि 1% तक सीमित रहने का अनुमान है। वहीं इस्पात में राजस्व में 4% की वृद्धि की उम्मीद है, जबकि इस्पात की कीमतों में गिरावट से 9% की मात्रा में वृद्धि हुई है। विद्युत क्षेत्र का राजस्व संभवतः मात्र 1% बढ़ा जो मानसून के दीर्घावधि औसत के 108% रहने एवं नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में 10% की वृद्धि से जल विद्युत उत्पादन में हुई वृद्धि से प्रभावित हुआ, जिससे कोयला उत्पादन की मांग में कमी आई। कोयला क्षेत्र की राजस्व वृद्धि संभवतः स्थिर रही। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से कम कीमतों पर नए भंडार से यात्री वाहनों और एफएमसीजी जैसे खंडों में अस्थायी व्यवधान उत्पन्न हुआ।

चमड़ा उद्योग के राजस्व में आ सकती है 10-12% की कमी

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा 50% का शुल्क लगाने के बाद चालू वित्त वर्ष में भारतीय चमड़ा और संबद्ध उत्पाद कंपनियों के राजस्व में 10–12% की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि अमेरिका भारतीय चमड़ा उद्योग के लिए प्रमुख निर्यात बाजार है। निर्यात पर अधिक निर्भरता से, जीएसटी की दरों में कटौती, आयकर में कमी, नियंत्रित मुद्रास्फीति और कम ब्याज दर जैसे अनुकूल आर्थिक कारकों से घरेलू मांग में मामूली सुधार के बावजूद कंपनियों की आय में गिरावट की आशंका है। भारत में चमड़ा और संबद्ध उत्पाद उद्योग के राजस्व में इस वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 10–12% की गिरावट आ सकती है।

एथनॉल आवंटन को लेकर 350 डिस्टिलरी में अनिश्चितता व्याप्त

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में 350 से अधिक चालू डिस्टिलरी को नवीनतम एथनॉल निविदा के तहत अपर्याप्त खरीद आदेशों के कारण अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग निकायों ने आवंटन पद्धति पर चिंता जताई है जो मौजूदा इकाइयों की तुलना में नई प्रवेशकों को तरजीह देती है।

डिस्टिलरी में एथनॉल को आसवन (डिस्टिलेशन) प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाया जाता है जिसमें गन्ने के शीरे, मक्के या अन्य बायोमास-आधारित सामग्री से प्राप्त शर्करा का किण्वन किया जाता है। डिस्टिलरी इथेनॉल वह इथेनॉल (एक प्रकार का अल्कोहल) है जो आसवन (डिस्टिलेशन) प्रक्रियाओं से बनाया जाता है, जिसमें गन्ने के शीरे, मक्के या अन्य बायोमास-आधारित सामग्री से प्राप्त शर्करा का किण्वन किया जाता है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा जारी एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 निविदा हितधारकों की आलोचना का सामना कर रही है। जिनका आरोप है कि आवंटन मानदंड कृत्रिम असंतुलन उत्पन्न कर रहा है जबकि पूर्व प्रतिबद्धताओं के तहत डिस्टिलरी को दरकिनार कर रहा है।

• नई निविदा को लेकर उद्योग निकायों ने आवंटन पद्धति पर जताई चिंता

भारत-अमेरिका के बीच जल्द निष्पक्ष व्यापार समझौते की उम्मीद : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष निकट भविष्य में एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते की दिशा में काम करेंगे।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल पिछले सप्ताह अमेरिकी समकक्षों के साथ व्यापार वार्ता करने को वाशिंगटन में था। तीन दिवसीय वार्ता 17 अक्टूबर को समाप्त हुई। गोयल ने कहा कि हम अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं, हमारी टीमें लगी हुई हैं। हाल ही में वाणिज्य सचिव अमेरिका गए थे और उन्होंने अपने समकक्षों से मुलाकात की थी। हम उनके साथ बातचीत जारी रखे हुए हैं और आगे बढ़ रहे है। हमें उम्मीद है कि हम निकट भविष्य में एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते की दिशा में काम करेंगे।

जर्मनी में एसएमई कंपनियों और भारतीय व्यवसायों के सीईओ के साथ गोलमेज पर चर्चा के दौरान केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

भारत-जर्मनी ने निवेश बढ़ाने के तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और जर्मनी ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और कौशल जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और जर्मन संघीय अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीच के बीच बर्लिन में बैठक हुई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चर्चा सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी। गोयल ने संघीय चांसलरी में आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार तथा जर्मनी के जी7 एवं जी20 शेरपा डॉ. लेविन होले से भी मुलाकात की।

2024 में डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 99.7%: आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

• रिपोर्ट के अनुसार, भुगतान प्रणाली में हुई तेज वृद्धि

देश में 2024 के दौरान भुगतान प्रणाली में मात्रा के हिसाब से डिजिटल भुगतान लेनदेन 99.7% और मूल्य के हिसाब से 97.5% रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की गुरुवार को जारी रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई।

रिपोर्ट अनुसार, यह प्रवृत्ति 2025 की पहली छमाही में भी जारी रही। रिजर्व बैंक की जून की अर्धवार्षिक भुगतान प्रणाली रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हाल के वर्षों में भुगतान प्रणाली में काफी तेजी से वृद्धि हुई है। देश में भुगतान प्रणाली कई प्रकार के तरीकों का समूह है, जो उपयोगकर्ताओं की जरूरतों के लिए बनाया गया है। इनमें कागज आधारित साधन जैसे चेक और डिजिटल भुगतान दोनों हैं। डिजिटल भुगतान प्रणालियों में एनईएफटी, आईएमपीएस, आरटीजीएस, एनएसीएच, डेबिट और क्रेडिट कार्ड, प्रीपेड भुगतान और यूपीआई हैं। सभी प्रकार के भुगतान में वृद्धि हो रही है, सिवाय कागज आधारित साधनों के। मूल्य के हिसाब से चेक कुल लेनदेन का 2.3% हिस्सा है। 2019 में कुल 3,248 करोड़ भुगतान हुए थे, जो 2024 तक बढ़कर 20,849 करोड़ हो गए। इसी अवधि में कुल भुगतान की रकम 1,775 लाख करोड़ से बढ़कर 2,830 लाख करोड़ रुपये हो गई। 2025 को समाप्त छमाही में 12,549 करोड़ लेन-देन हुए। इसमें 1,572 लाख करोड़ की राशि है। भुगतान में लगभग सारी वृद्धि डिजिटल भुगतान लेनदेन के कारण हुई है।

पीएसयू कंपनियां : भारत की आर्थिक रीढ़

पीएसयू यानी पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग (सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम) वे कंपनियां होती हैं, जिनमें सरकार का स्वामित्व या नियंत्रण बहुमत में होता है। पीएसयू कंपनियां भारत की आर्थिक रीढ़ हैं जो बुनियादी ढांचे से लेकर ऊर्जा, बैंकिंग, खनन, तेल, दूरसंचार, और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में योगदान देती हैं। आमतौर पर इन कंपनियों में केंद्र या राज्य सरकार की हिस्सेदारी 51% या उससे अधिक होती है। इनका गठन जनता के हित और राष्ट्रीय विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। इनका उद्देश्य केवल मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखना और रोजगार सृजन करना भी होता है।

कंपनियों की संरचना

पीएसयू कंपनियों का गठन सरकार द्वारा विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इनका स्वामित्व केंद्र या राज्य सरकार के पास होता है और प्रबंधन में सरकारी अधिकारी या नियुक्त निदेशक मंडल शामिल होते हैं। उदाहरण के तौर पर ओएनजीसी, एनटीपीसी, एसबीआई, कोल इंडिया, भेल जैसी कंपनियां प्रमुख रूप से सार्वजनिक उपक्रम हैं।

चुनौतियां और सुधार

पीएसयू कंपनियां राष्ट्रीय विकास में अहम भूमिका निभाती हैं, फिर भी इन पर राजनीतिक हस्तक्षेप, धीला निर्णय-प्रक्रिया, और प्रतिस्पर्धा की कमी जैसी चुनौतियां बनी रहती हैं। सरकार लगातार इनकी कार्यप्रणाली को निजी कंपनियों के समान दक्ष बनाने के लिए डिसइन्वेस्टमेंट (विनिवेश) और कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुधारों पर काम कर रही है।

कंपनियों के प्रकार

- **महानवरत्न :** ओएनजीसी, आईओसीएल, एनटीपीसी, एसएआईएल
- **नवरत्न :** बेल, गेल, हॉल
- **मिनीरत्न :** आरआईटीएईएस, आईआरसीटीसी, कॉनकॉर
- इनका वर्गीकरण प्रदर्शन, लाभप्रदता, और स्वायत्तता पर किया जाता है।

निवेशकों के लिए महत्व

पीएसयू कंपनियां निवेशकों के लिए स्थिर और भरोसेमंद निवेश विकल्प हैं क्योंकि इनमें सरकार की गारंटी और नीति समर्थन होता है। इनके शेयर लंबे समय में अच्छे डिविडेंड यील्ड देते हैं और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माने जाते हैं।

भारतीय आलू दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों में बना रहे हैं अपनी पकड़ : जीटीआरआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रसंस्कृत आलू उत्पाद दक्षिण पूर्व एशियाई बाजारों में अपनी पैठ बढ़ा रहे हैं। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि निर्जलित (डिहाइड्रेटेड) आलू के दानों एवं पेलेट्स का निर्यात 2021-22 के 1.14 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 6.33 करोड़ डॉलर हो गया है जिससे यह भारत की सबसे तेजी से बढ़ती प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात श्रेणी बन गई है।

निर्जलित आलू के दाने एवं पेलेट्स... सूखे हुए आलू उत्पाद हैं जो 'मैश' किए हुए आलू के लिए एक सुविधाजनक विकल्प हैं, जिन्हें पानी डालकर फिर से तैयार किया जा सकता है। अन्य प्रसंस्कृत आलू उत्पादों के निर्यात जो अच्छी वृद्धि दर दर्ज कर रहे हैं, उनमें आटा, स्टार्च, चिप्स और रेडी-टू-ईट (खाने के लिए तैयार) आदि शामिल हैं। इनका निर्यात 2021-22 के 62 लाख डॉलर से बढ़कर गत वित्त वर्ष 2024-25 में 1.88 करोड़ डॉलर हो गया है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि 80% निर्यात मलेशिया, फिलिपीन, इंडोनेशिया, जापान और थाइलैंड को जाता है जो दक्षिण पूर्व एशिया के स्नैक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में भारत के एकीकरण को दर्शाता है।

• आलू के दानों एवं पेलेट्स का निर्यात 2021-22 के 1.14 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 6.33 करोड़ डॉलर हुआ

उत्तर प्रदेश और गुजरात दे रहे बढ़ावा

गुजरात और उत्तर प्रदेश नए निर्जलीकरण संयंत्रों, अनुबंध खेती एवं कोल्ड-चेन बुनियादी ढांचे के साथ इस तेजी को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे 5.6 करोड़ टन वार्षिक आलू की फसल का समर्थन प्राप्त है। जहां यूरोप ऊर्जा लागत एवं अनियमित फसलों से जूझ रहा है और चीन घरेलू मांग को प्राथमिकता दे रहा है, वहीं भारत, एशिया के स्नैक और क्यूएसआर (त्वरित-सेवा रेस्तरां) उद्योगों के लिए आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। मलेशिया, भारत का सबसे बड़ा डिहाइड्रेटेड आलू के दानों एवं पेलेट्स का खरीदार है जिसका आयात 51 लाख अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2.21 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया है।

जीएम सोयाबीन डीओसी आयात पर लगाएं रोक : सोपा

नई दिल्ली, एजेंसी

• वाणिज्य मंत्रालय से आयात की अनुमति न देने का किया आग्रह

• कहा- देश में पर्याप्त घरेलू आपूर्ति, अनुमति से किसानों को नुकसान

सोयाबीन प्रसंस्करणकर्ता संघ (सोपा) ने गुरुवार को वाणिज्य मंत्रालय से अमेरिका से 'आनुवंशिक रूप से संवर्धित' (जीएम) सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के आयात की अनुमति देने के प्रस्ताव को अस्वीकार करने का आग्रह किया।

संघ ने कहा कि देश में सोयाबीन डीओसी की पर्याप्त घरेलू आपूर्ति है और जीएम उत्पादों के आयात की अनुमति देने से किसानों को नुकसान होगा। उद्योग निकाय ने वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल को लिखे पत्र में कहा कि भारत के पास वर्तमान में अक्टूबर से सितंबर तक चलने वाले विपणन सत्र 2025-26 की संपूर्ण घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सोयाबीन डीओसी का पर्याप्त से भी अधिक भंडार है। सोपा ने कहा कि जीएम सोयाबीन डीओसी के आयात की अनुमति से भारत के कृषि क्षेत्र पर विनाशकारी परिणाम होंगे। संगठन ने चेतावनी दी कि पहले से ही सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमतों से जूझ रहे किसानों को इस अनुमति से गंभीर नुकसान होगा और अधिक आपूर्ति से बाजार दरों में गिरावट आएगी। इस कदम से भारत के घरेलू सोयाबीन प्रसंस्करण उद्योग और आत्मनिर्भर भारत नीति को भी नुकसान होगा। भारत ने उच्च गुणवत्ता वाले गैर-जीएम सोयाबीन उत्पादों के आपूर्तिकर्ता के रूप में अच्छी प्रतिष्ठा बनाई है।

मेहली को आजीवन ट्रस्टी बनाने का टाटा ने रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट ने अपनी तीन प्रमुख चैरिटेबल संस्थाओं में मेहली मिस्त्री को ट्रस्टी (न्यासी) के रूप में दोबारा नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा है, जिससे उन्हें आजीवन ट्रस्टी बनाया जा सकेगा।

सूत्रों ने कहा कि टाटा ट्रस्ट के सीईओ ने अन्य सदस्यों को इस आशय के प्रस्ताव से अवगत कराया। इस प्रस्ताव के तहत मिस्त्री को सर रतन टाटा ट्रस्ट, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और बाई हीराबाई जमसेतजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन में दोबारा नियुक्त किया जाना है। टाटा समूह के दिवंगत प्रमुख रतन टाटा के करीबी रहे मिस्त्री पहली बार 2022 में टाटा ट्रस्ट में नियुक्त हुए थे। उनका तीन साल का कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। ट्रस्ट ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

समाधान | शुरुआती निवेश को निष्पादित करने की प्रक्रिया को मानकीकृत करने के लिए सेबी ने रखा प्रस्ताव

केवाईसी सत्यापन के बाद ही खोल सकेंगे म्यूचुअल फंड खाता

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड खाता खोलने और शुरुआती निवेश को निष्पादित करने की प्रक्रिया को मानकीकृत करने का प्रस्ताव पेश किया है, ताकि यह खाता केवल केवाईसी सत्यापन के बाद ही खोले जाएं। फिलहाल म्यूचुअल फंड के नए खाते खोलने के लिए केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) प्रक्रिया अनिवार्य है, लेकिन कुछ मामलों में खाता केवाईसी पूरी होने से पहले ही खुल जाते हैं।

ऐसा होने से निवेशकों और म्यूचुअल फंड योजनाओं का संचालन करने वाली परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अधूरे या गलत केवाई विवरण होने से निवेशक नए खातों में लेनदेन नहीं कर पाते हैं और उन्हें खातों को भुनाने या लाभांश पाने में भी दिक्कतें आती हैं। इसके अलावा एएमसी को भी योजना की जानकारी साझा करने और राशि जमा कराने में कठिनाई होती है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रस्ताव रखा कि एएमसी को फंड खाता केवल सत्यापित केवाईसी दस्तावेज़ों के मिलने के बाद ही खोलना होगा। फिर दस्तावेज़ों को केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) को अंतिम सत्यापन के लिए भेजा जाएगा। उस फंड खाते में केवल तभी निवेश होगा जब केआरए उसे केवाईसी अनुपालन वाला चिह्नित कर दे। निवेशकों को केवाईसी प्रक्रिया के हर चरण में पंजीकृत ईमेल और मोबाइल नंबर से सूचना दी जाएगी। एएमसी और केआरए को कामकाज को नए प्रस्तावित नियमों के हिसाब से ढालने के निर्देश दिए गए हैं। सेबी ने इस प्रस्ताव पर 14 नवंबर तक सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

केवाईसी सत्यापन के नियम और कानून

- म्यूचुअल फंड खाता केवल तभी खोला जाएगा जब ग्राहक का केवाईसी पूरी तरह सत्यापित हो जाए। एएमसी ((संपत्ति प्रबंधन कंपनी))को यह सुनिश्चित करना होगा कि सत्यापित केवाईसी दस्तावेज़ मिलने के बाद ही फंड खाता खोला जाए। केवाईसी पूरा हुए बिना कोई निवेश या लेनदेन नहीं किया जा सकेगा। एएमसी को दस्तावेज़ों को केवाईसी पंजीकरण एजेंसी के पास भेजना होगा।
- केआरए द्वारा केवाईसी अनुपालन के रूप में चिह्नित किए जाने के बाद ही निवेश संभव होगा। निवेशकों को केवाईसी प्रक्रिया के हर चरण में पंजीकृत ईमेल और मोबाइल नंबर के माध्यम से जानकारी दी जाएगी।
- सिस्टम अपडेट और अनुपालन निर्देश :एएमसी और केआरए दोनों को अपनी प्रणाली और प्रक्रियाओं को नए नियमों के अनुसार अपडेट करना होगा। सेबी ने इस प्रस्ताव पर 14 नवंबर तक सार्वजनिक टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी सेना ने मादक पदार्थ तस्करी करने वाले जहाज को डुबोया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आठवें मादक पदार्थ तस्कर जहाज को डुबो दिया, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई। यह प्रशांत क्षेत्र में इस तरह का पहला हमला था, जिसमें दो लोग मारे गए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को एक्स पर में लिखा, कल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर युद्ध विभाग ने एक नामित आतंकवादी संगठन द्वारा संचालित एवं पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक जहाज पर घातक गतिज हमला किया। उन्होंने ने जहाज पर मादक पदार्थ ले जाने और एक ज्ञात मादक पदार्थ तस्करी पारगमन मार्ग से गुजरने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, जैसे अल-कायदा ने हमारी मातृभूमि पर युद्ध छेड़ा था, वैसे ही ये कार्टेल हमारी सीमा और हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे हैं। न कोई शरण मिलेगी, न कोई क्षमा, केवल न्याय।

दुबई: दिवाली समारोह में भारतीय छात्र की हृदयाघात से मौत

दुबई। यूएई का गोल्डन वीजा हासिल करने वाले 18 वर्षीय भारतीय छात्र की दिवाली समारोह के दौरान दुबई में हृदयाघात के कारण मृत्यु हो गई। गल्फ न्यूज की बुधवार की खबर के अनुसार, मिडलसेक्स यूनिवर्सिटी दुबई में बीबीए मार्केटिंग के प्रथम वर्ष के छात्र वैष्णव कृष्णकुमार की मंगलवार को 'दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी' में दिवाली समारोह के दौरान अचानक मृत्यु हो गई। रिपोर्ट में कहा गया कि उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे हृदय गति रुकने के कारण मृत घोषित कर दिया। परिवार के अनुसार, दुबई पुलिस का फॉरेंसिक विभाग जांच कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वैष्णव को हृदय संबंधी कोई ज्ञात समस्या नहीं थी।

अमेरिका : नशे में धुत भारतीय ट्रक चालक ने मारी टक्कर, तीन मरे

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में भारतीय मूल के ट्रक चालक पर नशे में गाड़ी चलाने और एक दुर्घटना का कारण बनने का आरोप लगाया गया है। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय मीडिया ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फॉक्स न्यूज ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि जशनप्रीत सिंह (21) ने मंगलवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया में धीमी गति से चल रहे वाहनों को कथित तौर पर अपने ट्रक से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंह ने अपने ट्रक को ट्रैफिक जाम में घुसाने से पहले कभी ब्रेक नहीं मारा था।

भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज

लंदन, एजेंसी

- जलवायु संकट से आगाह करती है अमृत की पुस्तक द बर्निंग अर्थ

भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत की पुस्तक 'द बर्निंग अर्थः एन एनवायरनमेंटल हिस्ट्री ऑफ द लास्ट 500 इयर्स' को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज से सम्मानित किया गया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के तहत 25,000 पाउंड दिए जाते हैं। यह पुरस्कार दुनियाभर की सर्वश्रेष्ठ गैरकाल्पनिक पुस्तकों को दिया जाता है।

अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर सुनील अमृत का जन्म केन्या में हुआ था। उनके माता-पिता दक्षिण भारतीय हैं। वे सिंगापुर में पलेबढ़े और इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक प्राप्त हैं। अमृत की इस नवीनतम पुस्तक को बुधवार शाम लंदन में ब्रिटिश एकेडमी में एक समारोह में पुरस्कृत किया गया। निर्णायकों ने इस पुस्तक को जलवायु संकट के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। अमृत ने कहा कि मुझसे कई बार पूछा गया है कि क्या 'द बर्निंग अर्थ' निराश करने वाली पुस्तक है। उन्होंने कहा, इसमें निस्संदेह मानव और पर्यावरणीय पीड़ा का विवरण है, लेकिन यह भी दिखाता है कि इन दोनों का संबंध गहराई से जुड़ा रहा है।

अंतहीन गुलामी से मिलेगी मुक्ति

कफाला सिस्टम खत्म

सऊदी अरब में करीब 75 साल पुराना कफाला लेबर स्पॉन्सरशिप सिस्टम खत्म कर दिया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसके बाद सऊदी अरब में उन लाखों विदेशी श्रमिकों को राहत मिलेगी जो रोजगार के लिए यहां पहुंचने के बाद अंतहीन गुलामी के लिए मजबूर हो जाते थे। दरअसल, सऊदी अरब में कफाला सिस्टम 1950 के दशक में तेल अर्थव्यवस्था के विस्तार के दौरान विदेशी श्रम की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए शुरू किया गया था। इसके तहत प्रवासी श्रमिकों को एक स्थानीय प्रायोजक से जोड़ा जाता था, जिसे कफील कहते थे। कफील ज्यादा से ज्यादा श्रम दोहन के लिए श्रमिकों के साथ जानवरों जैसे बर्ताव के लिए जाने जाते थे। अब अंतर्राष्ट्रीय दबाव में कफाला खत्म तो कर दिया गया है लेकिन इससे श्रमिकों की जिंदगी में कोई बदलाव आएगा, इस पर संदेह जताया जा रहा है।

शोषण - दुर्व्यवहार

- कफाला सिस्टम के तहत श्रमिकों को उनके मूल मानवाधिकारों से भी वंचित कर दिया गया था।
- दुर्व्यवहार की शिकायत करने की मनाही, ऐसा करने पर उन्हें देश से निकाले जाने की आशंका।
- घरेलू कामगार महिलाओं के सामने शारीरिक और यौन शोषण का शिकार होने की मजबूरी।
- कानूनी मदद लेने का कोई रास्ता नहीं था क्योंकि ये भी प्रायोजक की अनुमति पर निर्भर था।

श्रमिकों पर अमानवीय नियंत्रण

- कफाला सिस्टम नियोक्ताओं को श्रमिकों पर पूर्ण नियंत्रण देता था, इससे यह गुलामी के समान हो गया था।
- नियोक्ता श्रमिकों के पासपोर्ट और पहचान पत्र जब्त कर लेते थे ताकि वे उनकी मर्जी बिना कहीं न जा सकें।
- श्रमिक अपने कफील की अनुमति के बिना नौकरी नहीं बदल सकते थे, इससे वे शोषण का शिकार होते थे।
- वेतन में देरी या देने से मना कर देने पर भी श्रमिकों की ओर से विरोध करने की कोई गुंजाइश नहीं होती थी।
- श्रमिकों को अक्सर लंबे समय तक काम करना पड़ता था, वे अमानवीय स्थितियों में रहने के लिए मजबूर थे।

इन देशों में भी कफाला सिस्टम

खाड़ी सहयोग परिषद के कई देशों में कफाला सिस्टम लागू है, जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन और लेबनान शामिल हैं। इनमें से कुछ देशों ने हाल के वर्षों में सुधार किए हैं, लेकिन पूरी तरह से इसे खत्म नहीं किया गया है।

मुख्य रूप से प्रभावित देश

सऊदी अरब में कफाला सिस्टम से दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के श्रमिक मुख्य रूप से प्रभावित थे।

देश में प्रवासी श्रमिकों की संख्या 1.3 करोड़ से भी ज्यादा, इनमें भारतीय श्रमिकों की संख्या लगभग 25 लाख।

इसके अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और फिलीपींस जैसे देशों के भी लाखों श्रमिक सऊदी अरब में हैं।

अमानवीयता का विरोध

मानवाधिकार संगठनों के साथ कई देशों की सरकारों की ओर से लगातार कफाला सिस्टम के विरोध में आवाज उठाई जा रही थी। फिलीपींस और नेपाल समेत कुछ देशों ने अपने नागरिकों को खाड़ी देशों में काम पर जाने से रोकने जैसे कदम भी उठाए हैं।

कफाला खत्म होने के मुख्य लाभ

- प्रवासी श्रमिक अपने नियोक्ता की अनुमति के बिना नौकरी बदल सकेंगे और इच्छानुसार देश भी छोड़ सकेंगे।
- प्रवासी श्रमिकों के पास बेहतर वेतन व काम चुनने का मौका होगा, इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।
- सऊदी अरब को भी अपनी वैश्विक छवि बेहतर होने के साथ देश में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद।

नेतन्याहू के दांव पर भड़के अमेरिकी उपराष्ट्रपति, कहा- ये अपमानजनक

वेंस के दौरे के बीच इजराइली संसद में हुआ वेस्ट बैंक के विलय के लिए मतदान

यरुशलम, एजेंसी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने दौरे के बीच वेस्ट बैंक के विलय पर इजराइल की संसद में हुए मतदान की सख्त आलोचना की। उन्होंने इसे मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट और अपमानजनक बताया। उधर, इससे पहले वेंस से वार्ता के दौरान इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में तुर्किये की उपस्थिति के साथ कई बिंदुओं पर विरोध जताया।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस दो दिन पहले इजराइल के दौरे पर पहुंचे थे। उनके दौरे के बीच ही इजराइल की संसद नेसेट में वेस्ट बैंक के विलय को लेकर मतदान कराया गया। वेंस ने इजराइल यात्रा के समापन पर प्रस्थान करने से पहले तेल अवीव के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इस कदम को एक अपमान बताया। वेंस ने कहा, यदि यह मतदान एक राजनीतिक स्टंट था तो यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट है। वेंस ने इजराइल की संसद नेसेट में हुए मतदान को लेकर कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से इसे अपमानजनक मानता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की नीति यह है कि वेस्ट बैंक को इजराइल द्वारा नहीं हड़पा जाएगा।

इससे पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने येरूशलम में बुधवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ अपनी बैठक में युद्धविराम समझौते के अगले चरणों के कार्यान्वयन की इच्छा व्यक्त की। नेतन्याहू ने कुछ ऐसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को भी रेखांकित किया जिनका समाधान न होने पर आगे की प्रगति बाधित हो सकती है। उन्होंने गाजा पट्टी में तुर्किये की किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप न करने की इजराइल की मांग और गाजा पट्टी के प्रशासन में फिलिस्तीनी प्राधिकरण या हमास की किसी भी भागीदारी पर अपने विरोध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का उल्लेख किया। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण और गाजा पट्टी के पूर्ण विसैन्यीकरण के बाद ही इजराइली सेना पूरी तरह पीछे हटेगी। विवाद का प्रमुख बिंदु नेतन्याहू की गाजा पट्टी के प्रशासन में फिलिस्तीनी प्राधिकरण को शामिल न करने की मांग है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस।

युद्ध विराम के बाद पहली बार डब्ल्यूएचओ ने गाजा से गंभीर रूप से बीमार मरीजों को निकाला

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गाजा पट्टी से 41 गंभीर रूप से बीमार मरीजों और 145 सहयोगियों को सफलतापूर्वक निकाल लिया है। यह युद्धविराम लागू होने के बाद पहली ऐसी कार्रवाई है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसस ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डब्ल्यूएचओ ने गाजा से 41 गंभीर मरीजों और 145 सहयोगियों की चिकित्सा निकासी का नेतृत्व किया, यह युद्धविराम के बाद पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 मरीजों को अभी भी चिकित्सा निकासी की तत्काल आवश्यकता है और वे गाजा के बाहर उपचार के लिए अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। टेड्रोस ने राष्ट्रों से एकजुटता दिखाने और इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए सभी संभावित मार्ग खोलने की अपील दोहराई।

यूरोपीय संघ के नेताओं ने गाजा में अपनी भूमिका की मांग की

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ के नेता गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में अधिक सक्रिय भूमिका निभाए जाने की मांग कर रहे हैं। ब्रसेल्स में बृहस्पतिवार को होने वाले शिखर सम्मेलन में मुख्यतः यूक्रेन और रूस पर चर्चा होने की संभावना है। यूरोपीय संघ के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा गाजा में अस्थिर युद्धविराम और युद्धग्रस्त तटीय क्षेत्र में स्थिरता के लिए यूरोपीय संघ के संभावित समर्थन पर भी चर्चा किए जाने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ फिलिस्तीनियों को सहायता प्रदान करने में सबसे आगे रहा है और यह इजराइल का शीर्ष व्यापारिक साझेदार है। लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीडेन ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि यूरोप सक्रिय भूमिका निभाए क्योंकि गाजा में संकट अभी खत्म नहीं हुआ है, शांति स्थाई नहीं है। ईयू अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सितंबर में इजराइल के खिलाफ प्रतिबंध लगाने और आंशिक व्यापार निलंबन की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य गाजा में शांति समझौते पर पहुंचने के लिए उस पर दबाव बनाना था।

आसियान में भी ट्रंप से नहीं होगी मुलाकात वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अटकलों पर लगा विराम, भारत में चल रहे त्योहारों को बताया कारण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 वें आसियान -भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेने के निर्णय से उनकी मलेशिया यात्रा और वहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। मलेशियाई प्रधानमंत्री के मुताबिक मोदी ने भारत में चल रहे त्योहारों को शिखर सम्मेलन में न जाने का कारण बताया है।

दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन (आसियान) -भारत शिखर सम्मेलन 26 से 28 अक्टूबर तक कुआलालंपुर में हो रहा है। गुरुवार को पहले प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में स्वयं यह जानकारी दी, बाद में विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 26 अक्टूबर को इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। भारत का कहना है कि आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करना उसकी एक्ट ईस्ट नीति और हमारे हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ है। साथ ही वक्तव्य में कहा गया है कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 27 अक्टूबर को कुआलालंपुर में 20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष और मेजबान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बात कर यह जानकारी दी है कि वह इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेंगे। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मोदी ने उन्हें फोन किया और व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के मुद्दे पर चर्चा की। मोदी ने उन्हें बताया है कि वह सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे क्योंकि भारत में इस समय त्योहार चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर अभी कोई सहमति नहीं बन पाई है और यह कयास लगाए जा रहे थे कि मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन में ट्रंप और मोदी के बीच मुलाकात के दौरान इसमें प्रगति हो सकती है।

सिंगापुर: पटाखे फोड़ने पर भारतीय गिरफ्तार

सिंगापुर। सिंगापुर में दिवाली के जश्न के दौरान आतिशबाजी करने के आरोप में बृहस्पतिवार को 39 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया। शहर में आतिशबाजी पर प्रतिबंध है। चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, दिलीप कुमार निर्मल कुमार ने पिछले हफ्ते कार्लिस्ले रोड के खुले मैदान में आतिशबाजी की, जो बंदूक, विस्फोटक और हथियार नियंत्रण अधिनियम 2021 के तहत अपराध है। यह मामला तब सामने आया जब आतिशबाजी का एक वीडियो क्लिप ऑनलाइन पोस्ट किया गया।

तंजानिया में आम चुनाव से कुछ दिन पहले शीर्ष विपक्षी नेता गिरफ्तार

दार एस सलाम। तंजानिया में अगले हफ्ते होने वाले आम चुनाव से पहले असहमति जताने वालों पर कार्रवाई के बीच मुख्य विपक्षी पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, चाडेमा के उप-अध्यक्ष जॉन हेचे को पार्टी नेता टुंडू लिस्सू के राजद्रोह के मुकदमे में शामिल होने की कोशिश करते समय हिरासत में लिया गया। चाडेमा ने एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार वरिष्ठ पार्टी नेताओं को गिरफ्तार करने और उन्हें 29 अक्टूबर को होने वाले चुनावों तक हिरासत में रखने की योजना बना रही है। सरकार ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। चाडेमा ने कहा कि हेचे को बुधवार को दार एस सलाम स्थित उच्च न्यायालय पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया।

वर्ष के अंत तक रूस से तेल खरीदना बंद करेगा भारत : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने 1 हफ्ते में 5वीं बार तेल खरीद का मुद्दा उठाया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना दावा दोहराया है कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई है और वह साल के अंत दिसंबर तक लगभग बंद कर देगा। साथ ही कहा कि यह एक प्रक्रिया है और इसमें कुछ समय लगेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह चीन को भी ऐसा करने के लिए राजी करने की कोशिश करेंगे। चीन और भारत रूसी कच्चे तेल के दो सबसे बड़े खरीदार हैं।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, भारत ने मुझसे कहा है कि वे (रूसी तेल खरीदना) बंद करने जा रहे हैं, यह एक प्रक्रिया है, आप बस अचानक रुक नहीं सकते। वर्ष के अंत तक, वे इसे लगभग बंद कर देंगे, यानी लगभग 40 प्रतिशत तक कम कर देंगे। भारत बहुत महान है। बुधवार को मैंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की। वह शानदार हैं। पिछले कुछ दिनों से ट्रंप यह दावा कर रहे हैं कि भारत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी करेगा।

अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर लगाए नए प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी

रूस पर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ाने को अमेरिका ने मास्को की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को यह घोषणा करते हुए मास्को की निरर्थक युद्ध समाप्त न करने की जिद की कड़ी आलोचना की।

बेसेंट ने कहा कि रोसनेफ्ट और लुकोइल सहित दर्जनों सहायक कंपनियों पर लगाए गए ये प्रतिबंध राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महीनों से पड़ रहे द्विदलीय दबाव के बाद लगाए गए हैं, जिसमें रूस के तेल उद्योग को और कड़े प्रतिबंधों के दायरे में लाने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा, यह समय हत्या बंद करने और तत्काल युद्धविराम का है। बेसेंट ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वित्त मंत्रालय अतिरिक्त कार्रवाई करने को तैयार है, ताकि राष्ट्रपति ट्रंप के युद्ध समाप्त करने के प्रयासों को समर्थन मिल सके। उन्होंने कहा, हम अपने सहयोगियों से अपील करते हैं कि वे भी इन प्रतिबंधों में हमारे साथ शामिल हों और इनका पालन करें।

बेसेंट ने यह टिप्पणी उस समय की जब नाटो महासचिव मार्क रुटे वॉशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप से वार्ता के लिए मौजूद थे। नाटो गठबंधन यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के समन्वय में लगा है, जिनमें से कई हथियार कनाडा और यूरोपीय देशों द्वारा अमेरिका से खरीदे गए हैं। प्रतिबंध की यह घोषणा ऐसे समय आई जब रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने यूक्रेन के कई हिस्सों को निशाना बनाया। इन हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला और उसकी दो छोटी बेटियां शामिल थीं।

- अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा- जरूरत पड़ी तो और भी कार्रवाई करेंगे

रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध से रिलायंस को झटका व्यापारियों के जरिए तेल खरीदती रहेंगी पीएसयू

नई दिल्ली। रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों से रिलायंस इंडस्ट्रीज के रूस से कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ने के आसार हैं जबकि सरकारी रिफाइनरियां फिलहाल मध्यस्थ व्यापारियों के माध्यम से खरीद जारी रख सकती हैं। उद्योग जगत के सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां अनुपालन जोखिमों का आकलन कर रही हैं, लेकिन रूसी कच्चे तेल के प्रवाह को तुरंत रोकने की संभावना नहीं है क्योंकि वे अपनी आवश्यकता का सभी तेल व्यापारियों से खरीदते हैं जिनमें से अधिकतर यूरोपीय व्यापारी हैं जो प्रतिबंधों के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को अपने आयात को फिर से संतुलित करना पड़ सकता है क्योंकि यह सीधे रूस की रोसनेफ्ट से कच्चा तेल खरीदती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार है और रूस से देश के प्रतिदिन 17 लाख बैरल आयात का लगभग आधा हिस्सा खरीदती है। रिलायंस ने दिसंबर 2024 में रूस की कंपनी रोसनेफ्ट के साथ 25 वर्ष तक प्रतिदिन 5,00,000 बैरल रूसी तेल आयात करने के लिए एक सावधिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह बिचौलियों से भी तेल खरीदता है। कंपनी को इस पर प्रतिक्रिया हासिल करने के लिए ईमेल किया गया लेकिन उससे कोई जवाब नहीं मिला।

यूरोपीय संघ ने भी कई और प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ाने के लिए बृहस्पतिवार को रूस पर कई और आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

हालांकि, रूसी अधिकारियों ने पश्चिमी देशों के दंडात्मक उपायों को काफी हद तक अप्रभावी बताते हुए खारिज कर दिया। इन प्रतिबंधों को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के लिए जीत के तौर पर देखा जा रहा है, जो अपने देश में युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस के खिलाफ कड़े उपाय लागू करने की मांग करते आए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 24 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 25 अक्टूबर 01.19 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

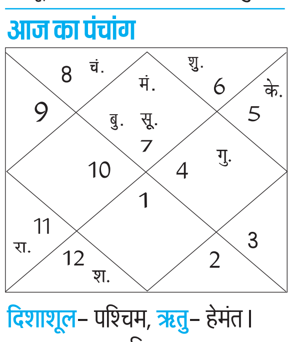

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज राजनीति क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए दिन अच्छा है। नौकरी, व्यापार तथा छात्रों को पढ़ाई से जुड़ी यात्रा के योग बन सकते हैं। रिश्तेदारों का आना-जाना लगा रहेगा। आपकी प्रतिभा में निखार आएगा और धन से जुड़ी समस्याओं का अंत होगा।

वृष — आज स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। वाहन इत्यादि चलाते समय सावधानी रखें। मकान-जमीन के कार्यों से धन लाभ की प्राप्ति के योग बन सकते हैं। वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी से संबंध मधुर होंगे।

मिथुन — आज सरकारी कार्य बिना अवरोध के पूर्ण होंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को शिक्षकों का साथ मिलेगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाकर चलें।

कर्क — आज नौकरी में स्थितियां पहले से और अच्छी होंगी। व्यापारिक क्षेत्र से अधिक मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। सेहत ठीक रहेगी, लेकिन फिर भी खानपान का ध्यान रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज का दिन कठिन, लेकिन लाभप्रद भी रहेगा। आपको कुछ अलग और रचनात्मक काम करने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का अधिक दबाव रहेगा। किसी बात को लेकर परिवार में मतभेद हो सकते हैं।

कन्या — आज आपको कई नए और उत्साहवर्धक कार्य मिलेंगे। आपको अपने सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा व आपस में संबंध भी बेहतर होंगे। आप अपने काम के लिए लंबे समय से तैयारी कर रहे हैं, आपको उसका प्रतिफल मिलेगा।

तुला — आज आप उन सभी क्षेत्रों में सफल होंगे, जिनमें आप प्रयास करेंगे। आप किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर परेशान हो सकते हैं। आर्थिक मामलों आपके पक्ष में रहेंगे, आपकी कमाई अच्छी रहेगी। आप निवेश के द्वारा भी कमाई कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज युवा साथी अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान व आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त होगा। वैवाहिक जीवन बेहद रोमांटिक रहेगा। घर में प्रसन्नता का माहौल रहने वाला है। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे।

धनु — आज जीवनशैली में कुछ बदलाव आ सकते हैं, जिसे अपनाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है। व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें।

मकर — आज व्यापार को लेकर नए अनुबंध हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। बॉस आपकी राय व विचारों के आधार पर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है।

कुंभ — आज नया काम शुरु न करें। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। पुरुष जातकों की महिला सहकर्मियों से अनबन हो सकती है। समाज में आपका वर्चस्व कम हो सकता है। दांपत्य संबंधों में अविश्वास की स्थिति उत्पन्न न होने दें।

मीन — आज आपकी योजनाएं समय पर पूर्ण होंगी। दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहना उचित नहीं है। पूर्व में की गई मेहनत का सुखद परिणाम प्राप्त होगा। प्रेम विवाह को परिवार की सहमति मिल सकती है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

सुडोकू -139

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				4		1	3	
6		3	7					
1				8				7
		2			9			
	3		6					
			1			2		
9		7		5				
			8		2	9		
2	4			6				

सुडोकू - 138 का हल

5	6	2	3	4	9	1	8	7
8	7	9	5	1	6	3	2	4
4	1	3	7	8	2	9	6	5
2	5	7	1	9	4	8	3	6
6	4	1	8	3	5	7	9	2
3	9	8	6	2	7	5	4	1
1	2	5	9	6	8	4	7	3
9	3	4	2	7	1	6	5	8
7	8	6	4	5	3	2	1	9

> हाल ही में जो तकनीक मैं अपना रहा हूं, वह ऐसी नहीं है जिसे मैंने अचानक बदला हो। पिछले एक साल से मैं सीधा खड़ा रहना चाहता था, खासकर उन विकेटों पर जहां उछाल उम्मीद से थोड़ा ज्यादा होता है। मैने अपने कोच के साथ इस पर काम किया और यह मुझे काफी रास आ रही है।
> –श्रेयस अय्यर

हाईलाइट

रंजना ने पैदल चाल में रजत पदक जीता

रिफा (बहरीन) : भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25.88 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियी 24:15.27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रहीं। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25:26.93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।

शीर्ष-8 की दौड़ में कायम यूपी योद्धाज

नई दिल्ली : यूपी योद्धाज ने त्यागराज इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 107वें मैच में यू मुंबा को 35-32 के अंतर से हारकर खुद को शीर्ष-8 की दौड़ में बनाए रखा है, लेकिन इस हार के साथ मुंबा का शीर्ष-4 में जाना संभव नहीं हो सका। यूपी को 18 मैचों में सातवीं जीत मिली है। इस जीत ने उसे आठवें स्थान पर पहुंचा दिया है और अगर पटना पाइरेट्स अपने अंतिम मैच में बहुत बड़े अंतर से हार गई तो यूपी प्लेआफ खेल लेगी। यूपी की इस जीत में सुरेंदर गिल (7) के अलावा डिफेंस में सुमित (5) और हितेश (4) ने कमाल किया। मुंबा के लिए अजीत चव्हाण ने 11 अंक बनाए। इसके बाद यूपी ने डिफेंस में अंक लेकर लीड ले ली।

टीम इंडिया ने गंवा दी वनडे सीरीज

दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से हराया, रोहित चले, लेकिन विराट फिर खाता नहीं खोल सके

एडिलेड, एजेंसी

एडम जंपा और जेवियर बार्टलेट की उम्दा गेंदबाजी के बाद मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को दो विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली। भारत के 265 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शॉर्ट (74 रन, 78 गेंद, चार चौके, दो छक्के) और कोनोली (नाबाद 61 रन, 53 गेंद, पांच चौके, एक छक्के) के अर्धशतक से 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में 17 साल बाद भारत को वनडे मैच हराया है।

शॉर्ट ने मैट रेनशॉ (30) तथा कोनोली के साथ समान 55 रन की साझेदारियां की। कोनोली ने इसके बाद मिचेल ओवेन (36 रन, 23 गेंद, दो चौके, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 39 गेंद में 59 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

भारत ने इससे पहले रोहित (73 रन, 97 गेंद, सात चौके, दो छक्के) और श्रेयस अय्यर (61 रन, 77 गेंद, सात चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच तीसरे विकेट की 118 रन की साझेदारी से नौ विकेट पर 264 रन बनाए। अक्षर पटेल (44 रन, 41 गेंद, पांच चौके) ने भी उपयोगी पारी खेली जबकि हर्षित राणा (नाबाद 24) और अर्शदीप सिंह (13) ने नौवें विकेट के लिए 29 गेंद में 37 रन जोड़कर टीम का स्कोर 260 रन के पार पहुंचाया। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के बाद वापसी करने वाले लेग स्पिनर जंपा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 60 रन देकर चार विकेट लिए। बार्टलेट ने 39 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया ने सतर्क शुरुआत की। ट्रेविस हेड (28) और कप्तान मिचेल मार्श (11) ने सात ओवर में 26 रन जोड़े। अर्शदीप ने मार्श को विकेटकीपर लोकेश राहुल के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। हेड ने मोहम्मद सिराज पर छक्का जड़ा लेकिन राणा (59 रन पर दो विकेट) की गेंद पर मिड ऑफ पर कोहली को कैच दे बैठे। शॉर्ट 23 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब नितीश कुमार रेड्डी की गेंद पर प्वाइंट पर अक्षर ने उनका कैच टपका दिया। ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक 20वें ओवर में पूरा हुआ।

रेनशॉ (30) ने नितीश पर छक्का जड़ा लेकिन अक्षर (52 रन पर एक विकेट) की सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए।

एडम जंपा (मध्य) ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एजेंसी

कुछ कैच छूटने से मुश्किलें बढ़ीं : गिल

एडिलेड : भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया से दूसरा वनडे गुरुवार को दो विकेट से हारने के बाद कहा कि मुझे लगता है हमारे पास बस पर्याप्त रन थे। जब आप कुछ कैच छोड़ देते हैं तो उस स्कोर का बचाव करना कभी आसान नहीं होता। भारत ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने विकेट गंवाने के बावजूद 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर जीत और सीरीज अपने नाम कर ली। मैच के बाद गिल ने प्रेजेंटेशन में कहा जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती गई, विकेट और बेहतर होता गया। पहले मैच में टॉस ज्यादा अहम था, इस बार उतना नहीं रहा। दोनों टीमों ने लगभग पूरे 50 ओवर खेले। पहली पारी के शुरुआती 10-15 ओवरों के बाद विकेट काफी स्थिर हो गया था। (रोहित के बारे में) लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए वापसी करना कभी आसान नहीं होता, मैं कहूंगा कि वह एक बड़ी पारी खेलने से चूक गए।

भारत

264/9 (50 ओवर)

रोहित शर्मा का हेजलवुड बो स्टार्क	73
शुभमन गिल का मार्श बो बार्टलेट	09
विराट कोहली पगबाधा बो बार्टलेट	00
श्रेयस अय्यर बो जंपा	61
अक्षर पटेल का स्टार्क बो जंपा	44
लोकेश राहुल बो जंपा	11
वाशिंगटन का हेजलवुड बो बार्टलेट	12
नितीश रेड्डी स्टं कैरी बो जंपा	08
हर्षित राणा नाबाद	24
अर्शदीप सिंह बो स्टार्क	13
मोहम्मद सिराज नाबाद	00

गेंदबाजी : स्टार्क 10-0-62-2, हेजलवुड 10-2-29-0, बार्टलेट 10-1-39-3, ओवेन 2-0-20-0, जंपा 10-0-60-4, कोनोली 3-0-11-0, शॉर्ट 3-0-23-0, हेड 2-0-16-0

ऑस्ट्रेलिया

265/8 (46.2 ओवर)

मिचेल मार्श का राहुल बो अर्शदीप	11
ट्रेविस हेड का कोहली बो राणा	28
मैथ्यू शॉर्ट का सिराज बो राणा	74
मैट रेनशॉ बो अक्षर	30
एलेक्स कैरी बो वाशिंगटन	09
कूपर कोनोली नाबाद	61
ओवन का अर्शदीप बो वाशिंगटन	36
बार्टलेट का गिल बो अर्शदीप	03
मिचेल स्टार्क का अक्षर बो सिराज	04
एडम जंपा नाबाद	00

गेंदबाजी : सिराज 10-0-49-1, अर्शदीप 8.2-0-41-2, राणा 8-0-59-2, वाशिंगटन 7-0-37-2, नितीश 3-0-24-0, अक्षर 10-0-52-1

रोहित शर्मा।

भारतीय महिला टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

- **बारिश से प्रभावित मैच में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रनों से हराया**
- **स्मृति मंधाना व प्रतिका रावल ने खेली शतकीय पारियां, रॉड्रिग्स ने लगाया पचासा**

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम स्मृति मंधाना (109 रन) और प्रतिका रावल (122 रन) की शतकीय पारियों के बाद अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां बारिश से प्रभावित आईसीसी महिला वनडे विश्व कप मैच में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चौथी टीम बन गई। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

पिछले तीन मैच में हार के बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को अंतिम चार में पहुंचने के लिए डीवाई पाटिल स्टेडियम में जीत की दरकार थी। और इसमें मदद की मंधाना (109 रन) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रावल (122 रन) के शतक तथा दोनों के बीच बनी पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 212 रन की साझेदारी ने। साथ ही जेमिमा रोड्रिग्स की 76 रन की तेज तर्रार नाबाद पारी से भारत ने 49 ओवर में तीन विकेट पर 340 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

पर बारिश से प्रभावित इस मैच में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 44 ओवर में 325 रन का लक्ष्य मिला। लेकिन ब्रुक हालिडे (81 रन) और इसाबेल गेज (नाबाद 65 रन) के अर्धशतकों के बावजूद टीम 44 ओवर में आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। भारतीय गेंदबाजों में रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ ने दो दो विकेट झटके जबकि स्नेह राणा, श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और रावल को एक एक विकेट मिला। बारिश के कारण भारतीय पारी के दौरान 90 मिनट तक खेल रूका रहा जिसके बाद इसे 49-49 ओवर का कर दिया गया। लेकिन भारतीय पारी खत्म होते ही फिर बारिश आ गई जिससे ओवर में कटौती की गई और न्यूजीलैंड को 44 ओवर खेलने को मिले। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसने दूसरे ही ओवर में सूजी बेट्स का विकेट गंवा दिया जो क्रांति गौड़ की गेंद को पुल करने के प्रयास में कैच आउट हुईं। रेणुका सिंह ने फिर जॉर्जिया प्लिमर (30 रन) और सोफी डिवाइन (06) को आउट न्यूजीलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 59 रन कर दिया। एमेलिया केर (45 रन) अच्छी लय में दिख रही थीं और अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रही थी लेकिन स्नेह राणा की गेंद को स्वीप करने के प्रयास में वह मंधाना को कैच थमा बैठीं। शतक जड़ने के बाद रावल ने मैडी ग्रीन (18 रन) को एक्सट्रा कवर पर खड़ी गौड़ के हाथों आसान कैच लपकवाया। इस तरह 154 रन पर न्यूजीलैंड ने पांचवां विकेट खो दिया। हालिडे के 39वें ओवर में आउट होने के बाद गेज एक छोर पर डटी रहीं लेकिन लक्ष्य ही इतना बड़ा था कि कोई उम्मीद नहीं थी। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने अनुकूल पिच का फायदा उठाते हुए मंधाना की अगुवाई में टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और क्रांति गौड़ जीत का जश्न मनाती हुई। एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	6	5	0	1	11	1.704
द.अफ्रीका	6	5	1	0	10	0.276
इंग्लैंड	6	4	1	1	9	1.024
भारत	6	3	3	0	6	0.628
न्यूजीलैंड	6	1	3	2	4	-0.490
श्रीलंका	6	1	3	2	4	-1.035
बांग्लादेश	6	1	5	0	2	-0.578
पाकिस्तान	6	0	4	2	2	-2.651

रोहित-कोहली का स्वर्णिम युग प्रशंसकों के दिलों में भी अंकित रहेगा : ग्रेग चैपल

एडिलेड, एजेंसी

भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि विराट कोहली का जुनून और व्यक्तिगत गौरव को अधिक तवज्जो नहीं देना तथा रोहित शर्मा की विनम्रता और कलात्मकता सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं बल्कि प्रशंसकों के दिलों में भी हमेशा के लिए अंकित हो जाएगी।

अपने आखिरी ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर आए रोहित और कोहली करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और चैपल को लगता है कि इस जोड़ी की विरासत आंकड़ों से कहीं आगे जाती है। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के लिए अपने कॉलम में लिखा अब जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया आगे बढ़ेगी तो नए नाम उभरेंगे। नए कप्तान नेतृत्व करेंगे, लेकिन यह स्वर्णिम अध्याय - कोहली-रोहित युग - सिर्फ रिकॉर्ड बुक में ही नहीं, बल्कि हर उस प्रशंसक के दिलों में अंकित रहेगा जो समझता था कि वे किस लिए खड़े हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज चैपल का मानना है कि कोहली को सिर्फ महान बल्लेबाजों की श्रेणी में रखना उनके साथ अन्याय होगा। उन्होंने लिखा कोहली कभी सिर्फ बल्लेबाज नहीं थे। वह एक आंदोलन थे। उन्होंने वो दिखाया जो बहुत कम लोग कर पाते हैं - एक योद्धा जैसी मानसिकता। उन्होंने भारत की एकदिवसीय टीम को एक तेज, केंद्रित और पूरी तरह से फिट टीम में बदल दिया जो घर हो या बाहर, जीतने के लिए खेलती थी। इसके बाद उन्होंने उनके खेल और व्यक्तित्व का विश्लेषण किया और बताया कि दोनों किस चीज के प्रतीक थे। चैपल ने लिखा कोहली का जुनून, उनका समझौता नहीं करना, आंकड़ों से अधिक विरासत में उनका विश्वास। रोहित की शान, उनकी विनम्रता और उनकी वापसी की कहानी जिसने हम सभी को याद दिलाया कि क्रिकेट में और जिंदगी में - टाइमिंग ही सब कुछ है।

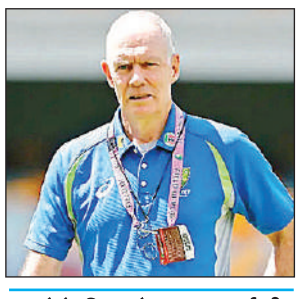

- **बोले- विराट के जुनून व शर्मा की विनम्रता को कोई भुला नहीं सकता**

चैपल यह बताना नहीं भूले कि कोहली अपने कुछ पूर्ववर्तियों के विपरीत आंकड़ों के मोह में नहीं थे। उन्होंने लिखा, जो बात कोहली उनसे पहले आए दिग्गजों से अलग करती थी वह थी व्यक्तिगत आंकड़ों को अधिक तवज्जो नहीं देना। जहां दुनिया शतकों और कुल स्कोर की वाहवाही कर रही थी, वहीं कोहली को सिर्फ नतीजों की परवाह थी। चैपल ने लिखा उन्होंने एक बार कहा था कि वह भारत के लिए खेलते हैं रिकॉर्ड के लिए नहीं- एक ऐसा बयान जिसने उनके नेतृत्व को परिभाषित किया। व्यक्तिगत उपलब्धियां अक्सर भारत की क्रिकेट कहानी का केंद्र बिंदु होती थीं लेकिन कोहली कुछ बड़ा चाहते थे। उनकी पहचान विरासत थी, आंकड़े नहीं। रोहित के मामले में, पारी की शुरुआत उन्हें लाल गेंद के एक ऐसे दिग्गज खिलाड़ी में बदल गई जो विरोधियों को बेहद सटीकता से ध्वस्त कर सकता था। कोहली का उदय तेजी से हुआ और उनके जुनून ने उन्हें परिभाषित किया तो वहीं रोहित का सफर धीमी गति से महानता की ओर बढ़ने वाला था। वर्षों तक उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी चमक बिखेरी।

लिवरपूल ने फ्रेंकफर्ट को हराया

चैंपियन्स लीग

मिलान, एजेंसी

लिवरपूल ने बुधवार को यहां चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में एंट्रेक्ट फ्रेंकफर्ट को एकतरफा मुकाबले में 5-1 से हराकर प्रतियोगिता में वापसी की।

चेल्सी और बायर्न म्यूनिख ने भी आसान जीत दर्ज की जबकि रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने यूवेंटस को 1-0 से हराकर मौजूदा सत्र का अपना परफेक्ट रिकॉर्ड बरकरार रखा। लिवरपूल ने इस जीत के साथ लगातार चार हार के क्रम को तोड़ दिया।

रासमस क्रिस्टेनसन ने 26वें मिनट में फ्रेंकफर्ट को बढ़त दिलाई लेकिन नौ मिनट बाद फ्रेंकफर्ट के पूर्व खिलाड़ी ह्यूगो एकिटिके ने लिवरपूल को बराबरी दिला दी। लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वान डिक और इब्राहिमा कोनात के इसके बाद पांच मिनट के भीतर दो गोल दागकर अपनी टीम को मध्यांतर तक 3-1 से आगे कर दिया। कोडी गैप्को और डोमीनिक सोबोसलाई ने दूसरे हाफ में गोल दागकर लिवरपूल की बड़ी जीत सुनिश्चित की। दूसरी तरफ रीयाल मैड्रिड ने 57वें मिनट में ज्यूड बेलिंघम के चैंपियन्स लीग में पहले गोल की बदौलत लगातार तीसरी जीत दर्ज की। मैड्रिड और बायर्न सहित पांच क्लब अधिकतम नौ अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। चेल्सी ने अजैक्स को 5-1 से हराया जबकि बायर्न म्यूनिख ने क्लब ब्रूग को 4-0 से शिकस्त दी। एथलेटिक बिलबाओ ने काराबेग को 3-1 से हराकर मौजूदा चैंपियन्स लीग में अपने शुरुआती अंक जुटाए। गैलाटेसराय ने बोडो ग्लिम्ट को 3-1 से हराया। स्पोर्टिंग लिस्बन ने मार्सिले को 2-1 से शिकस्त दी। टोटेनहैम और अटलांटा ने मोनाको और स्लाविया प्राग से गोल रहित ड्रॉ खेला।

भारत ने 23 सदस्यीय फुटबाल टीम की घोषणा की

नई दिल्ली : भारत की अंडर-20 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने कजाकिस्तान अंडर-19 टीम के खिलाफ दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। पहला मैच 25 और तथा मुकाबला 28 अक्टूबर को कजाकिस्तान के शिमकेंट में होगा। **टीम :** गोलकीपर : मेलोडी चानू कीशम, मोनालिशा देवी मोइरांगथेम और रिबांसी जामू। डिफेंडर : अलीना चिंगखाम, सिंडी रेम्रुअटपुई कोलनी, जूही सिंह और निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, शुभांगी सिंह, थोइबिसाना चानू तोइजाम और विकसित बारा। मिडफील्डर : अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामीराकपम, भूमिका देवी, खुमुकचम, खुशबू सरोज, नेहा और पूजा। फॉरवर्ड : बबीता कुमारी, दीपिका पाल, काजोल डिसूजा, लिंगदेइकिम, शिलजी शाजी, सिबानी देवी नोंगमेइकापम।

श्रीलंका बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगा

कोलंबो : सेमीफाइनल में जगह बनाने की मामूली उम्मीदों के बीच श्रीलंका शुक्रवार को महिला एकदिवसीय विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। श्रीलंका फिलहाल चार अंकों और माइनस 1.035 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

टूर्नामेंट में बने रहने के लिए चामरी अटापट्टू की अगुवाई वाली टीम को पाकिस्तान को बड़े अंतर से हराना होगा और लगातार अनुकूल नतीजों की उम्मीद करनी होगी जिसमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ भारत की उसके दोनों बचे हुए मुकाबलों में हार भी शामिल है। इसके अलावा श्रीलंका को उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड रविवार को पांचवें स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड को हरा देगा।

उत्साह

विश्व की नंबर एक टीम अर्जेंटीना और इस खेल का जन्मदाता भारत मुकाबले को तैयार

भारत-अर्जेंटीना के बीच पोलो में होगी रोचक भिड़ंत

नई दिल्ली, एजेंसी

पांच साल के अंतराल के बाद, अंतर्राष्ट्रीय पोलो राजधानी में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। विश्व की नंबर एक टीम अर्जेंटीना और पोलो का जन्मदाता भारत शनिवार को प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड में जबरदस्त भिड़ंत के लिए तैयार हो गए हैं।

कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस, भारतीय पोलो संघ और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से, भारत और अर्जेंटीना के बीच इस प्रतिष्ठित मुकाबले की मेजबानी करेगा। पोलो और अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत की गरिमा उस समय देखने को मिली जब कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस और भारतीय पोलो संघ (आईपीए) ने दिल्ली छावनी स्थित आर्मी इक्वेस्ट्रियन सेंटर में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और कोग्निवेरा अंतर्राष्ट्रीय पोलो कप की ट्रॉफी लॉन्च की। इस कार्यक्रम में टीम इंडिया और टीम अर्जेंटीना की आधिकारिक प्रस्तुति भी शामिल थी, जिससे दुनिया की दो शीर्ष पोलो टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद जगी।

मुख्य आकर्षण शानदार कोग्निवेरा अंतर्राष्ट्रीय पोलो कप ट्रॉफी का अनावरण था, जो प्रतिस्पर्धा के मूल सार, भारत और अर्जेंटीना, दोनों देशों के बीच संयुक्त विरासत और सौहार्द का प्रतीक है, जो राजाओं के खेल के प्रति प्रेम को साझा करते हैं और उससे जुड़े हैं। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि, गणमान्य व्यक्ति और चौथे स्तंभ के सदस्य पोलो कैलेंडर के सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित मैचों में से एक के आधिकारिक शुभारंभ के साक्षी बनने के लिए एकत्र हुए थे। टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व सिमरन शेरगिल, शमशीर अली, सवाई पद्मनाभ सिंह और सिद्धांत शर्मा कर रहे हैं। मैदान पर उनका सामना टीम अर्जेंटीना से होगा, जिसमें जुआन ऑगस्टिन गार्सिया ग्रॉसी, सल्वाडोर जौरेचे, मटियास बॉतिस्ता एस्पासंडिन और निकोलस जॉर्ज कॉर्टी मदेरणा शामिल हैं। सामूहिक रूप से, दोनों टीमें रणनीति, ताकत और घुड़सवारी की विशेषता वाले एक शानदार मुकाबले के लिए तैयार हैं।

इंटरनेशनल पोलो कप की ट्रॉफी का हुआ अनावरण

नई दिल्ली : सिमरन शेरगिल, शमशीर अली, सवाई पद्मनाभ सिंह और सिद्धांत शर्मा इंटरनेशनल पोलो कप में भारत की चुनौती पेश करेंगे जिसकी ट्रॉफी का अनावरण बृहस्पतिवार को हुआ। भारतीय पोलो संघ (आईपीएल) और कोग्नीवेरा आई टी ने इंटरनेशनल पोलो कप की ट्रॉफी का अनावरण किया। इसमें भारत और अर्जेंटीना शीर्ष खिताब के लिये 25 अक्टूबर को मुकाबला करेंगे। अर्जेंटीना टीम में जुआन आगस्टिन गार्सिया ग्रोस्सी, सल्वाडोर जुरेशे, मटियास बतिस्ता और निकोलस जोर्ज कोर्टी मॉडरना शामिल हैं। दिल्ली में पांच साल बाद अंतर्राष्ट्रीय पोलो हो रहा है।